रांची, मंगलवार
17.11.2026
वर्ष : 11, अंक : 342, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री ने झारखंड स्थापना दिवस और जनजातीय गौरव दिवस पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं

रांची। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड स्थापना दिवस और भगवान बिरसा मुंडा की जयंती (जनजातीय गौरव दिवस) के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को कोटि-कोटि नमन करते हुए उनके अदम्य साहस, संघर्ष और राष्ट्र के प्रति बलिदान को याद किया। प्रधानमंत्री ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का अदम्य साहस, संघर्ष और देश के लिए दिया गया बलिदान हर पीढ़ी को स्वाभिमान, स्वतंत्रता तथा अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा से प्रेरणा लेकर केंद्र सरकार देश के सभी जनजातीय भाई-बहनों के सम्मान, उन्हें आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने और उनकी समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए पूरी निष्ठा से काम कर रही है। इस दिशा में विकास के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे कि जनजातीय समाज और अधिक सशक्त बन सके। प्रधानमंत्री ने इस विशेष अवसर पर देशवासियों से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर राष्ट्र निर्माण में जनजातीय समाज के बहुमूल्य योगदान को याद करें और उसके प्रति सम्मान व्यक्त करें।

सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए

कुलगाम। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में सोमवार को पुलिस और सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। यह मुठभेड़ जिले के मीर बाजार इलाके में पिछले सप्ताह सीआरपीएफ चौकी पर आतंकवादियों की गोलीबारी के कुछ ही दिनों बाद हुई है, जिसमें तीन जवान घायल हो गए थे। कश्मीर जोन पुलिस ने आज सुबह बताया कि सीआरपीएफ नाके पर हुए पिछले सप्ताह हुए हमले के बाद से बड़ा अभियान चल रहा था, जिसमें तीन जवान घायल हो गए थे। कुलगाम में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बलों ने जिले के लारू इलाके में घेराबंदी की, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हुई। पूरे इलाके को घेर लिया गया है। उन्होंने बताया कि शुरूआती गोलीबारी में एक स्थानीय सहित दो आतंकवादी मारे गए। उन्होंने कहा कि उनकी पहचान की जा रही है।

रांची सहित पूरे झारखंड में छठ घाटों पर उमड़ा आस्था का जनसैलाब

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व संपन्न

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ संपन्न हो गया। सूर्योपासना के बाद व्रतियों ने पारण कर 36 घंटे का निर्जला उपवास पूरा किया। राज्य के सभी जिलों में छठ पर्व को लेकर श्रद्धा और उत्साह का माहौल रहा। विभिन्न छठ घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

व्रती और उनके परिजन पारंपरिक सूप, दउरा और पूजन सामग्री लेकर छठ घाटों पर पहुंचे। किसी के हाथों में सूप था, तो कोई दउरा लेकर भगवान सूर्य की आराधना में लीन नजर आया। जैसे ही आसमान में सूर्य की लालिमा दिखाई देने लगी,



व्रतियों ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। छठ को लेकर सुबह से ही घाटों पर विशेष चहल-पहल रही। परिवार के सदस्य एक-दूसरे का हाथ थामे घाटों तक पहुंचे। व्रतियों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी इस पावन अनुष्ठान के साक्षी बने। कई घाटों पर रात से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। सुबह होते-होते घाटों पर भारी भीड़ जुट गई। इस दौरान छठ के पारंपरिक गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। महिलाओं के समूह छठ गीत गाते हुए भगवान भास्कर की आराधना करते नजर आए।

चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व को लेकर राजधानी रांची में विशेष रौनक रही। नहाय-खाय से शुरू हुआ यह अनुष्ठान खरना और संध्या अर्घ्य के बाद सोमवार को प्रातःकालीन अर्घ्य के साथ संपन्न हुआ। इसके बाद व्रतियों ने पारण कर अपना व्रत पूरा किया।

इस बार छठ पर्व की खासियत यह भी रही कि रांची में रहने वाले लोगों के साथ-साथ दूसरे शहरों और दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले परिवार के सदस्य भी पर्व मनाने अपने घर लौटे। इससे घरों से लेकर छठ घाटों तक उत्सव और उल्लास का माहौल बना रहा।

-बिरसा मुंडा की जयंती पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने समाधि स्थल पर अर्पित की श्रद्धांजलि

धरती आबा के सपनों का झारखंड बनाना हम सभी की जिम्मेदारी : हेमंत सोरेन

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर राजधानी रांची के कोकर स्थित उनके समाधि स्थल पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उनकी पत्नी एवं विधायक कल्पना सोरेन भी मौजूद रहीं। मुख्यमंत्री और कल्पना सोरेन ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पचक्र अर्पित किया और माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मुख्यमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा के योगदान को याद करते हुए कहा कि वे केवल इतिहास के महानायक ही नहीं,



बल्कि झारखंड की आत्मा, अस्मिता और स्वाभिमान के सबसे बड़े प्रतीक हैं। अपने लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए उन्होंने जो संघर्ष किया, त्याग किया और सर्वोच्च बलिदान दिया, वह आने वाली सदियों तक सभी को प्रेरित करता रहेगा।

मुख्यमंत्री ने राज्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि धरती आबा को याद करने पर उनके मन में एक संकल्प और मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि जिस जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए भगवान बिरसा मुंडा ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया, उसकी रक्षा करना और उनके सपनों का झारखंड बनाना हम सभी की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों से धरती आबा के दिखाए मार्ग पर चलने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के विचारों और आदर्शों को केवल याद करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें अपने दैनिक जीवन और कार्यों में अपनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

जय शाह लगातार दूसरी बार निर्विरोध आईसीसी अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने जय शाह को लगातार दूसरी बार अपना अध्यक्ष नियुक्त किया है। बाली में हुई आईसीसी बोर्ड की बैठकों के दौरान निदेशकों के प्रस्ताव के बाद शाह को निर्विरोध दूसरे कार्यकाल के लिए चुना गया। इस फैसले से वैश्विक क्रिकेट के नेतृत्व में निरंतरता बनी रहेगी। आईसीसी बोर्ड का यह निर्णय शाह के नेतृत्व में उसके भरोसे को दशार्ता है। क्रिकेट के वैश्विक विस्तार, प्रशंसकों की संख्या बढ़ाने और व्यावसायिक विकास के लिहाज से यह खेल के लिए महत्वपूर्ण दौर है। क्रिकेट लॉस एंजिलिस ओलंपिक-2028 में वापसी की तैयारी कर रहा है। इसके साथ ही आईसीसी ने प्रतियोगिताओं के लिए दीर्घकालिक कार्यक्रम का विस्तार भी घोषित किया है, जिससे अधिक खिलाड़ियों को भागीदारी और विकास के अवसर मिल सकेंगे।

फिलीपींस पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी, हुआ भव्य स्वागत



एजेंसी

मनीला। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर सोमवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला पहुंचे। मनीला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फिलीपींस के सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव रॉबर्ट जोसेफ ह्यजयह्न मोंटेस डी क्लारो ने उनकी अगवानी की। इस दौरान भारतीय समुदाय के लोगों ने वंदे मातरम् के नारे लगाकर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। बच्चों ने संस्कृत मंत्रों का उच्चारण किया और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

प्रधानमंत्री को हवाई अड्डे पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने वहां मौजूद भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की और उनका अभिवादन स्वीकार किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर पोस्ट में प्रधानमंत्री के मनीला पहुंचने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह यात्रा भारत की एक्ट ईस्ट नीति और हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण के प्रमुख आधार के रूप में आसियान के साथ भारत की साझेदारी की पुष्टि करती है।

फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर के निमंत्रण पर यहां पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी 16 से 18 नवंबर तक फिलीपींस में रहेंगे। 17 नवंबर को होने वाले दोनों शिखर सम्मेलनों में भारत और आसियान देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा होगी। इसके साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी।

मनीला में आयोजित इन सम्मेलनों में आसियान के 11 सदस्य देशों के नेता और संवाद साझेदार देशों के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। इस वर्ष आसियान की अध्यक्षता फिलीपींस के पास है और सम्मेलन की मेजबानी राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर कर रहे हैं। सम्मेलन का विषय 'नेविगेटिंग आवर फ्यूचर, टुगेदर' रखा गया है। 17 नवंबर को आसियान-भारत और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के अलावा आसियान-अमेरिका विशेष शिखर सम्मेलन भी प्रस्तावित है। सम्मेलन के दौरान विभिन्न देशों के नेताओं की द्विपक्षीय बैठकें भी होंगी।

इन बैठकों में समुद्री सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता, व्यापार, संपर्क, आपूर्ति श्रृंखला, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग और क्षेत्रीय विवादों जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। म्यांमार में जारी संघर्ष और दक्षिण-पूर्व एशिया से जुड़े अन्य विवाद भी विचार-विमर्श का हिस्सा हो सकते हैं। भारत और आसियान के बीच व्यापार संतुलन तथा मौजूदा व्यापार समझौते की समीक्षा भी महत्वपूर्ण मुद्दे होंगे।

आसियान में इंडोनेशिया, फिलीपींस, मलेशिया, सिंगापुर, ब्रुनेई, थाईलैंड, वियतनाम, म्यांमार, लाओस, कंबोडिया और तिमोर-लेस्ते शामिल हैं। सदस्य देशों की ओर से फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस, ब्रुनेई के सुल्तान हसनल बोल्कियाह, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो, लाओस के प्रधानमंत्री सलेउमसाइ कोम्मासिथ, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम, सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग, थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल, तिमोर-लेस्ते के प्रधानमंत्री के राला शनाना गुस्माओ और वियतनाम के प्रधानमंत्री ले मिन्ह हुंग सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं। कंबोडिया का प्रतिनिधित्व उप प्रधानमंत्री हैंग चुओन नारोन कर रहे हैं। म्यांमार का प्रतिनिधित्व उसके विदेश मंत्रालय के आसियान मामलों के महानिदेशक यू हान विन ऑन्ग कर रहे हैं।

निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में किया स्पष्ट- फॉर्म-6 भरने पर कानूनी कार्रवाई नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने स्पष्ट किया है कि 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) के दौरान या उसके बाद मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए 'फॉर्म 6' जमा करने वाले मतदाताओं के खिलाफ 'जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950' की धारा 31 के तहत कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। यह बात तब भी लागू होगी, जब उनका नाम पहले की मतदाता सूची में शामिल रहा हो।

यह स्पष्टीकरण ईसीआई की ओर से उप निर्वाचन आयुक्त भानु प्रकाश येतुरु ने 14 नवंबर को उच्चतम न्यायालय में एक पूरक हलफनामे के जरिए दिया। यह हलफनामा राकेश कुमार सिंह उर्फ राकेश सिंह की याचिका के संदर्भ में दाखिल किया गया था। आयोग ने उच्चतम न्यायालय को बताया है कि तीन नवंबर को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को इस बारे में स्पष्ट निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

दरअसल, फॉर्म 6 मुख्य रूप से नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए उपयोग किया जाता है। इस फॉर्म में आवेदक को यह घोषणा करनी होती है कि उसका नाम पहले किसी मतदाता सूची में शामिल नहीं रहा है। इस कारण, जिन मतदाताओं के नाम पुनरीक्षण के दौरान सूची से कट गए थे, उन्हें यह डर था कि दोबारा नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म 6 भरने पर उनके खिलाफ जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत 'गलत घोषणा' करने का मामला दर्ज हो सकता है।

दिल्ली में 21.78 लाख की साइबर ठगी का आरोपित गिरिडीह से गिरफ्तार

गपई गांव से पकड़ा गया सोनू वर्मा, दिल्ली पुलिस को सौंपा गया, ठगी की रकम कोलकाता पहुंचने का खुलासा

बिभा संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह साइबर थाना पुलिस ने करोड़ों रुपये की साइबर ठगी के मामलों में आरोपित सोनू वर्मा को गिरफ्तार किया है। इस बार उसकी गिरफ्तारी पश्चिमी दिल्ली के साइबर थाने में दर्ज 21.78 लाख रुपये की ठगी के मामले में हुई है। गिरिडीह के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गपई गांव से रविवार को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उसे दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया। अब दिल्ली पुलिस उसे



ट्रांजिट रिमांड पर ले जाने की तैयारी कर रही है।

इस संबंध में गिरिडीह के पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार ने बताया कि पश्चिमी दिल्ली के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने साइबर थाना में दर्ज कांड संख्या 522/2026 की जानकारी देते हुए आरोपित की गिरफ्तारी में सहयोग मांगा था। इसके बाद सोनू वर्मा की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई। साइबर इंस्पेक्टर रामेश्वर भगत के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गपई गांव स्थित उसके घर पर छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया।

गिरफ्तारी के बाद देर रात पश्चिमी दिल्ली साइबर थाने के अधिकारी संजीव कुमार पुलिस बल के साथ गिरिडीह पहुंचे। दिल्ली पुलिस की टीम ने सोनू वर्मा से पूछताछ की। दिल्ली पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि ठगी की रकम कोलकाता तक पहुंचाई गई है। अब पुलिस इस मामले में उसके अन्य सहयोगियों की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार, सोनू वर्मा पिछले करीब एक दशक से साइबर अपराध की दुनिया में सक्रिय है। उस पर करोड़ों रुपये की ठगी में शामिल होने का आरोप है। वह पहले भी जेल जा चुका है।

पश्चिमी दिल्ली साइबर थाने के अधिकारी संजीव कुमार ने भी सोनू वर्मा की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि उसे कांड संख्या 522/2026 के तहत गिरफ्तार किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में झारखंड की माटी कला का जलवा, लाइव डेमो बना आकर्षण

कारीगर मिट्टी से बना रहे ट्रे, सुराही, कप, गिलास और अन्य आकर्षक उत्पाद-आईआईटीएफ-2026 में फोकस स्टेट के रूप में शामिल झारखंड को मिल रहा राष्ट्रीय मंच

बिभा संवाददाता

रांची। नई दिल्ली में आयोजित 45वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ)-2026 में फोकस स्टेट के रूप में शामिल झारखंड अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक हस्तशिल्प के माध्यम से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। झारखंड पवेलियन में पारंपरिक माटी कला (टेराकोटा) का लाइव प्रदर्शन विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मिट्टी से विभिन्न उपयोगी उत्पाद तैयार करने की पारंपरिक कला



और पर्यावरण अनुकूल हस्तनिर्मित वस्तुओं को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं।

पवेलियन में कारीगर लाइव डेमो के माध्यम से ट्रे, सुराही, कप, गिलास, थाली और केतली जैसे आकर्षक एवं उपयोगी उत्पाद तैयार कर रहे हैं। इस प्रदर्शन की खासियत यह है कि आगंतुक अपनी पसंद के उत्पादों को अपनी आंखों के सामने बनते देख सकते हैं। साथ ही, वे स्वयं भी इस पारंपरिक कला का अनुभव लेकर अपने हाथों से मिट्टी के उत्पाद तैयार कर सकते हैं। तैयार उत्पादों को सीधे कारीगरों से खरीदने की सुविधा भी लोगों को आकर्षित कर रही है।

झारखंड सरकार की ओर से राज्य की पारंपरिक कला एवं शिल्प के संरक्षण, स्थानीय कारीगरों के सशक्तीकरण और उनके उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। माटी कला बोर्ड की परिकल्पना के तहत पारंपरिक कुम्हारों और माटी शिल्पकारों को पहचान दिलाने, उनके कौशल विकास, आधुनिक डिजाइन से जोड़ने तथा आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है।

आईआईटीएफ-2026 में झारखंड पवेलियन के माध्यम से राज्य की माटी कला को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान और बाजार मिल रहा है। यह पहल न केवल झारखंड की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा दे रही है, बल्कि स्थानीय कारीगरों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़कर उनके लिए नए बाजार और रोजगार के अवसर भी उपलब्ध करा रही है।

एक फरवरी को पेश होगा बजट, सीतारमण ने शुरू कीं प्री-बजट परामर्श' बैठकें

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को आम बजट 2027-28 की तैयारी शुरू कर दी। इसके लिए सोमवार से प्री-बजट परामर्श' बैठकों का दौर शुरू हो गया है। उन्होंने नई दिल्ली में देश के प्रमुख अर्थशास्त्रियों, आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) के सचिव, मुख्य आर्थिक सलाहकार और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दो बैठकें कीं। वित्त मंत्रालय के अनुसार सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2027-28 के संबंध में प्रमुख अर्थशास्त्रियों के साथ पहली 'प्री-बजट परामर्श' बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) के सचिव, भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार और डीईए के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। इस बैठक का उद्देश्य अगले वित्त वर्ष का बजट तैयार



करने से पहले अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों से सुझाव और विचार लेना है।

दूसरी 'प्री-बजट परामर्श' बैठक में आर्थिक मामलों के विभाग और मत्स्य पालन विभाग के सचिवों के साथ-साथ कृषि मंत्रालय के भी वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया।

केंद्रीय बजट एक फरवरी, 2027 को पेश किए जाने की संभावना है। देश की आर्थिक स्थिति और भविष्य की संभावनाओं का आकलन प्रस्तुत करने वाला आर्थिक सर्वेक्षण 29 जनवरी या 31 जनवरी, 2027 को पेश किए जाने की संभावना है।

बेड़ो के डुकू तालाब छठ घाट पर उमड़ा आस्था का जनसैलाब, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने उगते सूर्य को दिया अर्घ्य

बिभा संवाददाता



बेड़ोः लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ के अवसर पर बेड़ो प्रखंड स्थित ऐतिहासिक डुकू तालाब छठ घाट पर सोमवार की सुबह श्रद्धा और भक्ति का जनसैलाब उमड़ पड़ा। चार दिवसीय छठ महापर्व के अंतिम दिन सोमवार को छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं ने उदीयमान सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित कर परिवार और समाज की सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

इस पावन अवसर पर झारखंड सरकार की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की भी डुकू तालाब छठ घाट पहुंचीं और उगते सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित किया। उन्होंने छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि छठ महापर्व आस्था, पवित्रता, अनुशासन और लोक संस्कृति का प्रतीक है। यह पर्व हमें प्रकृति और सूर्यदेव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ-साथ आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश देता है।

सुबह होते ही डुकू तालाब छठ घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने लगी थी। छठी मईया के पारंपरिक गीतों और भक्तिमय वातावरण के बीच व्रतियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही चार दिवसीय कठिन व्रत का पारण किया गया। पूरे घाट पर उत्साह, श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला।

इस अवसर पर अंचल अधिकारी राजकुवर सिंह, प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव, थाना प्रभारी मो.कफिल अहमद, बेड़ो मुखिया सुशांती भगत, सोमरा उरांव, समाजसेवी अंजली कश्यप सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मीडिया संस्थान पर पुलिस की कार्रवाई चौथे स्तंभ पर हमला: दीपक प्रकाश

बिभा संवाददाता

रांची। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ मामले में राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन के जरिये मीडिया के खिलाफ की गई कार्रवाई को लेकर तीखा हमला बोला।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के साथ झारखंड सरकार, सरकारी मशीनरी, पुलिस प्रशासन का जो रवैया है, वह अलोकतांत्रिक है, उसकी जितनी भी भर्त्सना की जाए कम है। उन्होंने रांची और सिमडेगा पुलिस के द्वारा गुंडों की तरह बिना सर्च वारंट के एक प्रतिष्ठित समाचार चैनल के दफ्तर में रात को घुसने की घटना की निंदा करते हुए इसे 1975 की आपातकाल की पुनरावृत्ति बताया। उन्होंने इस विषय पर आत्मचिंतन करने पर बल दिया।

प्रकाश ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में सोमवार को कहा कि 13 नवंबर को सिमडेगा के कोर्ट के विधायक भूषण बाडा पर सिमडेगा के ही एक नाबालिग आदिवासी समाज की 14 वर्षीय बालिका ने दुष्कर्म और यौन शोषण का आरोप लगाते हुए एक एफआईआर दर्ज कराया। बीएनएस की धारा 183 के तहत उस नाबालिग आदिवासी बालिका का रांची के न्यायिक दंडाधिकारी के सामने बयान दर्ज होने से सरकार, सरकारी तंत्र और कोर्ट्स बुरी तरह से बौखला गई है।

उन्होंने कहा कि इस मामले को मीडिया की ओर से उठाया गया। हद तो तब हो गई जब हरमू स्थित एक न्यूज चैनल के कार्यालय में सादे लिबास में गुंडे की तरह अवैध रूप से घुसकर तलाशी के नाम पर भयादोहन किया गया। सूचना मिलते ही इस मामले पर जब मैंने वरिष्ठ अधिकारियों को फोन किया तो फोन नहीं उठाया। मैं घटनास्थल पर पहुंच कर धरने पर बैठ गया। प्रकाश ने झारखंड के पुलिस विभाग की कार्यशैली पर प्रश्न खड़ा करते हुए सवालिया अंदाज में कहा कि क्या बिना सर्च वारंट के किसी के घर पर रात को दबीश दी जा सकती है। पुलिस अधिकारियों के जरिये वहां से कीमती सामानों को भी साथ ले जाया गया लेकिन पंचनामा के तहत लिस्ट नहीं बनाया गया। इससे साफ जाहिर होता है कि इस राज्य में जंगल राज्य व्याप्त है।

बेटे आयान के साथ हल्दीपोखर छठ घाट पहुंचे विधायक संजीव सरदार, भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर मांगा आशीर्वाद

बिभा संवाददाता



जमशेदपुरः लोक आस्था और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा एवं भक्तिभाव से संपन्न हो गया। इस अवसर पर पोटका विधायक संजीव सरदार अहले सुबह हल्दीपोखर स्थित छठ घाट पहुंचे। यहां उन्होंने अपने पुत्र आयान सरदार के साथ भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

घाट पर विधायक ने श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की और छठ व्रतियों से मुलाकात कर उन्हें महापर्व की शुभकामनाएं देने के साथ-साथ उनका आशीर्वाद भी लिया। इसके पश्चात उन्होंने स्थानीय लोगों के आवास पर पहुंचकर छठ का महाप्रसाद भी ग्रहण किया।

इस मौके पर विधायक संजीव सरदार ने कहा कि छठ महापर्व हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और अटूट आस्था का प्रतीक है। भगवान सूर्य एवं छठी मैया की आराधना का यह पर्व हमें स्वच्छता, अनुशासन, त्याग, तपस्या और सामाजिक एकता का संदेश देता है।

सिल्ली-मुरी में श्रद्धा व उल्लास के साथ संपन्न हुआ छठ महापर्व

बिभा संवाददाता



सिल्ली : सिल्ली,मुरी एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में लोक आस्था का महापर्व छठ सोमवार को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हो गया। चार दिवसीय इस महापर्व के अंतिम दिन छठ व्रतियों ने विभिन्न छठ घाटों पर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसी के साथ चार दिनों तक चलने वाले छठ महापर्व का विधिवत समापन हुआ।मुरी स्थित हिंडाल्को स्वर्णरेखा नदी घाट सहित सिल्ली साहेब बांध के विभिन्न छठ घाटों पर अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। हजारों की संख्या में व्रती और श्रद्धालु परिवार के सदस्यों के साथ घाटों पर पहुंचे। व्रतियों ने पारंपरिक विधि- विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया।छठी मैया के पारंपरिक गीतों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय बना रहा। घाटों पर श्रद्धा और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला। छठ महापर्व की विशेषता इसकी कठिन साधना, पवित्रता, अनुशासन और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का भाव है। इस पर्व में व्रती 36 घंटे का निर्जला उपवास रखकर अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य की उपासना करते हैं। हिंडाल्को मुरी प्रबंधन की ओर से स्वर्णरेखा नदी घाट पर आकर्षक विद्युत सज्जा एवं व्रतियों के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था की गई थी। वहीं, सिल्ली थाना एवं मुरी ओपी पुलिस की ओर से विभिन्न घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार निगरानी रखी गई।महापर्व के सफल समापन के साथ ही पूरे सिल्ली-मुरी क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला।

संक्षिप्त खबरें

इटकी नया तालाब छठ घाट को हाईटेक बनाने की पहल, 10 हाईमास्ट स्ट्रीट लाइटें लगवाईं



इटकी(बिभा)। लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर इटकी केशरी स्थित नया तालाब छठ घाट पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर झारखंड युवा मंच ने सराहनीय पहल की है। मंच के केंद्रीय अध्यक्ष मसूद आलम ने छठ घाट का निरीक्षण कर स्थानीय छठ पूजा आयोजन समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान छठ व्रतियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए घाट मार्ग पर 10 हाई इंटेंसिटी स्ट्रीट लाइटें लगवाई गई हैं। वहीं, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए आगामी 15 दिनों के भीतर रुद्र महाकाल मंदिर परिसर एवं छठ घाट पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की घोषणा की गई। इसके अलावा महिला व्रतियों की सुविधा और गोपनीयता के लिए पोर्टेबल चेंजिंग रूम का निर्माण कराया जाएगा। मसूद आलम ने घोषणा की कि अगले वर्ष तक नया तालाब छठ घाट को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। इस मौके पर श्री शक्ति संघ के विशाल केशरी, नवीन केशरी, आलोक केशरी, डॉ. आशुतोष पांडेय, उज्ज्वल केशरी, अशोक गोप, आकाश गोप, डॉ. रजनीश, लाला खान सहित बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

श्री श्री हरिहर सेवा समिति स्वर्णरेखा नदी घाट पर छठ व्रतियों के लिए सेवा शिविर लगाया



जमशेदपुर(बिभा) । छठ महापर्व की पावन अवसर पर श्री श्री हरिहर सेवा समिति द्वारा मानगो स्वर्णरेखा नदी घाट पर श्रद्धालुओं के लिए दो दिवसीय सेवा शिविर लगाया गया ।इस दौरान छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं के बीच पूजा सामग्री जैसे दूध , अगरबत्ती, घी का दीपक , कपूर , आम का दातुन सहित छठ पूजा में उपयोग होने वाली आवश्यक सामग्री वितरित की गई। इसके साथ ही सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच खीर का भी वितरण किया गया। इस मौके पर समिति की ओर से वरीय समाजसेवी कृष्णा अग्रवाल ने कहा कि छठ महापर्व भारतीय संस्कृति, लोक आस्था, पवित्रता और प्रकृति के प्रति हमारी श्रद्धा का अद्भुत प्रतीक है। यह पर्व हमें अनुशासन, समर्पण और सामाजिक एकता का संदेश देता है। उन्होंने सूर्य देव एवं छठी मईया से प्रार्थना की कि सभी के जीवन में सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य और नई ऊर्जा का संचार हो तथा झारखंड सहित पूरे देश में सुख-समृद्धि और खुशहाली बनी रहे। उन्होंने जमशेदपुर में शांतिपूर्ण एवं उत्साह पूर्वक छठ महापर्व के संपन्न होने पर जिला प्रशासन, पुलिस महकमा, एनडीआरएफ की टीम, सिविल डिफेंस, टाटा स्टील, जुस्को एवं जिला शांति समिति के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दी और उनके सार्थक भूमिका की सराहना किया ।सेवा शिविर को सफल बनाने में मुख्य रूप से श्री श्री हरिहर सेवा समिति के गौरव अग्रवाल , आयुष संघी , अंकित मोदी , रामकुमार कुशवाहा , मनोज ओझा आदि लोगों की अहम भूमिका रही ।

आजसू ने मनाई धरती आबा बिरसा मुंडा की जयंती, प्रतिमा पर चढ़ाए श्रद्धा सुमन



सिल्ली(बिभा): आजसू पार्टी सिल्ली प्रखंड कमिटी की ओर से रविवार को धरती आबा बिरसा मुंडा की जयंती मनाई गई। प्रखंड के गोड़ाडीह पंचायत के बाह्मणी चौक स्थित भगवान बिरसा मुंडा के आदमकद प्रतिमा पर जिप उपाध्यक्ष वीणा चौधरी, प्रखंड प्रमुख जितेन्द्र बड़ाइक, पूर्व मुखिया डबलु महली, श्रीधर महतो, नंदकिशोर महतो, मो. फारुख, सुभाष महतो, शिवशंकर प्रसाद समेत आजसू कार्यकताओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर वीणा चौधरी ने कहा कि धरती आबा के सपने को साकार करने की जिम्मेदारी हर एक झारखंडी पर है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय समाज के ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गौरव थे। उन्होंने अपने धर्म, संस्कृति, जल, जंगल व जमीन की रक्षा के लिए अंग्रेजी हुकूमत से लड़ते हुए महज 25 वर्ष की आयु में देश के लिए प्राण न्यौछावर कर दिए। इस मौके पर शिशुपाल महतो, मन्टु महतो, सुनील गोस्वामी, पुस्तक महतो, रंगोली मोमीन, सोनाराम महतो, नकुल सिंह मुंडा समेत कई ग्रामीण उपस्थित थे।

बुरुपिढ़ी में फुटबॉल प्रतियोगिता व बंडा बुरु जतरा का आयोजन

सिल्ली(बिभा): वीर बिरसा मुंडा जयंती एवं झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर दोवाडू पंचायत के गांव बुरुपिढ़ी चर्च मैदान शलगाडीपा में वीर बिरसा मुंडा फुटबॉल प्रतियोगिता एवं बंडा बुरु जतरा 2026 का आयोजन रविवार को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष अमित खलखो, सिल्ली विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष विकाश रजक, सिल्ली प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष कार्तिक चन्द्र महतो रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस सचिव प्रकाश मुंडा, सिल्ली पश्चिमी मंडल अध्यक्ष गुहीराम महतो, पारस पातर मुंडा उपस्थित हुए। आयोजन के अध्यक्ष रुस्तम उरांव ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर सैकड़ों ग्रामीण एवं जतरा कमिटी के सदस्य उपस्थित थे।

संवाद-2026 में दिखी देश की जनजातीय संस्कृति की विविधता, कला, पारंपरिक चिकित्सा और व्यंजनों ने मोहा मन

बिभा संवाददाता



जमशेदपुरः भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर लौहनगरी में देशभर की जनजातीय संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। टाटा स्टील फाउंडेशन की ओर से आयोजित पांच दिवसीय संवाद-2026 का शुभारंभ जमशेदपुर में हुआ, जिसका उद्घाटन टाटा स्टील के सीईओ एवं एमडी टीवी नरेंद्रन ने किया। 15 से 19 नवंबर तक चलने वाले इस महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों से आए आदिवासी कलाकार, पारंपरिक चिकित्सक, कारीगर और व्यंजन विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं।

महोत्सव के पहले दिन जोहाड़ हाट में 15 राज्यों की 34 जनजातियों के कलाकारों ने 40 प्रकार की पारंपरिक कला और हस्तशिल्प का प्रदर्शन किया। वहीं, 17 राज्यों की 29 जनजातियों के विशेषज्ञों ने सदियों से संरक्षित पारंपरिक उपचार पद्धतियों और स्थानीय चिकित्सा ज्ञान से लोगों को अवगत कराया। इसके साथ ही, जनजातीय खान-पान आतिथ्य के तहत 14 राज्यों की 24 जनजातियों के 100 से अधिक पारंपरिक व्यंजन भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहे।

टाटा स्टील फाउंडेशन के सीईओ सौरव राय ने कहा कि संवाद जनजातीय समुदायों के ज्ञान, संस्कृति और जीवन अनुभवों को सम्मान देने तथा उनकी सांस्कृतिक विरासत को भविष्य की संभावनाओं से जोड़ने का मंच है। आगामी दिनों में भी यहां सामुदायिक ज्ञान और कहानी से जुड़े सत्र जारी रहेंगे। आम लोगों के लिए हस्तशिल्प, चिकित्सा और व्यंजनों के स्टॉल शाम 3 से रात 9:30 बजे तक खुले रहेंगे, जबकि गोपाल मैदान में शाम 6 से रात 9:30 बजे तक विभिन्न जनजातीय समुदायों के नृत्य और संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन ने की छठ व्रतधारियों की सेवा, शाम को पूजा सामग्री तो सुबह हजारों ने ग्रहण किया महाप्रसाद खीर

बिभा संवाददाता



जमशेदपुरः राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन, पूर्वी सिंहभूम द्वारा साकची नदी छठ घाट पर लगाए गए दो दिवसीय निःशुल्क सेवा शिविर में सेवा, आस्था और मानवता का अनूठा संगम देखने को मिला। जिला अध्यक्ष राकेश साहू के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर का उद्घाटन समाज के मुख्य संरक्षक रंगनाथ प्रसाद और संरक्षक चंद्रिका प्रसाद ने किया।

शिविर के पहले दिन रविवार को संध्या अर्घ्य के अवसर पर छठ व्रतधारियों की सुविधा के लिए गाय का दूध, घी, कपूर, आम का दातुन, दीया, माचिस, रुई, अगरबत्ती और सिंदूर का निःशुल्क वितरण किया गया। वहीं, दूसरे दिन सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य के बाद पूजन सामग्री के साथ-साथ महाप्रसाद के रूप में खीर का विशेष वितरण हुआ, जिसे हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया। इसके अलावा, शिविर के मंच से लगातार उद्घोषणा कर भीड़ में अपनों से बिछड़े कई बुजुर्ग महिला-पुरुषों को उनके परिजनों से मिलाया गया तथा कई लोगों के खोए हुए मोबाइल, पर्स और नकदी उनके वास्तविक मालिकों को सुरक्षित लौटाए गए।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष राकेश साहू ने कहा कि साकची छठ घाट पर यह ऐतिहासिक सेवा शिविर पिछले 10 वर्षों से निरंतर लगाया जा रहा है, जिसे बीते 6 वर्षों से भव्य स्वरूप दिया गया है। उन्होंने इस सफल आयोजन का श्रेय पूरी टीम की एकता और व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़े सहयोगियों के आर्थिक योगदान को देते हुए भविष्य में भी इस सेवा को अनवरत जारी रखने का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यकारी अध्यक्ष शिवलोचन साह, वरीय उपाध्यक्ष रंजीत कुमार साव, महासचिव अशोक साहू, कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार, उपाध्यक्ष पप्पू साहू, बागबेड़ा अध्यक्ष प्रहलाद साहू, कन्हैया प्रसाद, सागर साहू, प्रवीण साहू, मनीष साहू, संजय साहू, आलोक रंजन, उपेंद्र कुमार, इंद्र नारायण साहू, गौतम साहू, रामप्रीत साव और जितेंद्र साहू समेत सैकड़ों कार्यकताओं की सक्रिय भूमिका रही।

आदिवासी युवा परिवार द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं झारखंड स्थापना दिवस मनाई गई



सिल्लीः 15 नवंबर के दिन छोटा मुरी में आदिवासी युवा परिवार द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं झारखंड स्थापना दिवस धूमधाम से मनाई गई।कार्यक्रम में गांव के सैकड़ो ग्रामीण मौजूद रहे। आयोजन के दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का स्वतंत्रता संग्राम में उनके द्वारा किए गए योगदान को हम सभी को स्मरण करने की जरूरत है। उनके त्याग,योगदान,समर्पण, संघर्ष और विचार हमेशा समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत रहेगा।वहीं सरकार द्वारा 28 नवंबर को झारखंड स्थापना दिवस मनाने के निर्णय का आदिवासी युवा परिवार ने नकारते हुए विरोध किया।इस मौके पर संतोष मुंडा, श्यामलाल मुंडा,मनी मुंडा, रोहित,बासु,बादल,लक्ष्मी,पारुल, कमल,अरुण,सविता एवं रूबी समेत संपूर्ण ग्रामीण मौजूद रहे।

सूर्य मंदिर समिति के 25वें छठ महोत्सव में छठ गीतों पर झूमे शहरवासी

बिभा संवाददाता



जमशेदपुरः सिदगोड़ा स्थित सूर्य मंदिर परिसर के शंख मैदान में रविवार शाम सूर्य मंदिर समिति की ओर से 25वें छठ महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सह मंदिर समिति के मुख्य संरक्षक रघुवर दास, जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू, संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह, अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह और महासचिव अखिलेश चौधरी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

महोत्सव में लोक गायिकाओं करीना पांडेय, सोविता पांडेय और आंखी दास ने छठ लोकगीतों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। वहीं, स्वर कोकिला स्व. शारदा सिन्हा की सुपुत्री वंदना सिन्हा की विशेष प्रस्तुति मुख्य आकर्षण रही। उन्होंने 'सोना सटकुनिया हो दीनानाथ', 'केलवा के पात पर उगेलन सुरुज मल' और 'हम ना जाइब दूसर घाट' जैसे पारंपरिक गीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। संजीवा इवेंट्स द्वारा प्रस्तुत इस कार्यक्रम का महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने अंत तक आनंद लिया।

इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि छठ महापर्व जाति और संप्रदाय की सीमाओं से ऊपर उठकर सामाजिक समरसता तथा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को साकार करता है। विधायक पूर्णिमा साहू ने इसे समाज और परिवार को अपनी जड़ों से जोड़ने वाला पर्व बताया, जबकि संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह ने समिति के धार्मिक और सामाजिक कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, महासचिव अखिलेश चौधरी, अनिल ठाकुर, मुन्ना अग्रवाल, मंटू बनर्जी, अमरजीत सिंह राजा, सुशांत पांडा, शशिकांत सिंह, शैलेश गुप्ता, बोलटू सरकार, कंचन दत्ता, संजय सिंह, दिनेश कुमार, गुंजन यादव और रामबाबू तिवारी समेत समिति के कई सदस्य और हजारों श्रोता उपस्थित थे।

इटकी में श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ छठ महापर्व, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने दी शुभकामनाएं



इटकी : लोक आस्था और सूर्योपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ इटकी प्रखंड के विभिन्न घाटों पर श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हो गया। केशरी नया तालाब, सूर्य मंदिर बाहरी तालाब, गड़गांव नया तालाब, पंडरा नदी, गंगा जलधारा विंधानी और बारीडीह सहित विभिन्न जलाशयों में छठव्रतियों ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मांडर विधायक सह कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की इटकी के छठ घाट पहुंचीं और भगवान भास्कर को नमन कर श्रद्धालुओं को छठ की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छठ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि कठोर साधना, आस्था, पवित्रता, प्रकृति और सामाजिक समरसता का अनुपम प्रतीक है। उन्होंने छठी मइया और भगवान भास्कर से सभी के सुख, शांति, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। केशरी नया तालाब छठ घाट पर पूर्व मंत्री बंधु तिर्की की मौजूदगी में श्रीशक्ति संघ द्वारा आकर्षक विद्युत सजावट, साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइट एवं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मौके पर विधायक प्रतिनिधि शिशु गोप, अजय गोप, मनोज केसरी, नवीन केसरी, मनीष तिवारी, आकाश, आर्यन, अक्षय तिवारी, विवेक केसरी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं पूजा समिति के सदस्य उपस्थित थे।

लापुर इस्तेमा में उमड़ा अकीदतमंदों का जनसैलाब, लाखों लोगों ने नम आंखों से मांगी सामूहिक दुआ

तीन दिवसीय तब्लीगी इज्तिमा का हुआ समापन, देश में अमन-ओ-अमान, खुशहाली, आपसी भाईचारे और इंसानियत की सलामती के लिए उठे लाखों हाथ

बिभा संवाददाता



बेड़ोः लोहरदगा जिले के कुडू प्रखंड अंतर्गत लापुर में आयोजित तीन दिवसीय अजीमुश्शान तब्लीगी इज्तिमा का रविवार को भावुक माहौल में समापन हुआ। इज्तिमा के अंतिम दिन सुबह से ही अकीदतमंदों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह करीब 11 बजे आयोजित सामूहिक दुआ में झारखंड के विभिन्न जिलों के अलावा बिहार, बंगाल, ओडिशा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश समेत देश के कई राज्यों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। दुआ के दौरान लाखों अकीदतमंदों ने अपने दोनों हाथ उठाकर अल्लाह से देश में अमन-ओ-अमान, खुशहाली, तरक्की, आपसी भाईचारे और पूरी इंसानियत की सलामती के लिए दुआ मांगी। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग भावुक होकर रो पड़े और पूरा इज्तिमागाह दुआओं की आवाज से गूंज उठा।

इज्तिमा में मोहम्मद इम्तियाज साहब की आमद और उनके बयान को सुनने के लिए अकीदतमंदों में खासा उत्साह देखा गया। अपने बयान में उन्होंने निकाह को आसान बनाने, समाज में फैली बुराइयों को दूर करने, सादगीपूर्ण जीवन अपनाने और तब्लीगी जमात की अहमियत पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जमात से जुड़ने और दीन की बातों को सीखने से इंसान की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव आता है। इससे बुराइयों से बचने और नेक रास्ते पर चलने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने लोगों से अपनी जिंदगी को दीन की शिक्षाओं के मुताबिक गुजारने तथा समाज में अच्छे आचरण को बढ़ावा देने की अपील की।

दुआ के मौके पर इमाम साहब ने रांची जोन के इज्तिमा में लापुर के नौजवानों की सेवाओं की सराहना करते हुए विशेष रूप से उनका शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि तीन दिनों तक तब्लीगी जमात में शामिल होकर नौजवानों ने जिस तरह से मेहनत और सेवा की है, वह सराहनीय है। उन्होंने भावुक अंदाज में कहा कि ऐ अल्लाह! हम सभी तेरे गुनाहगार बंदे हैं। हम सभी मुसलमानों को दीन के रास्ते पर चलने की तौफीक अता फरमा। जो बीमार हैं, उन्हें शिफा अता फरमा और सभी की परेशानियों को दूर फरमा।

हाजी परवेज आलम ने दिया एकता और भाईचारे का संदेश

राँची जिला के ग्रामीण महासचिव हाजी परवेज आलम ने कहा कि इज्तिमा केवल इबादत और दीन की बातें सीखने का माध्यम ही नहीं, बल्कि आपसी मोहब्बत, भाईचारे, इंसानियत और सामाजिक एकता का भी पैगाम देता है। उन्होंने कहा कि वक्ताओं ने हिंदू-मुस्लिम एकता, आपसी सद्भाव और इंसानी हमदर्दी को मजबूत करने की अपील की। समाज में रहने वाले सभी लोगों के साथ मोहब्बत, सम्मान और अच्छे व्यवहार के साथ जिंदगी गुजारनी चाहिए।

निशा भगत आत्महत्या मामले में सीबीआई ने दर्ज की प्राथमिकी, अजय तिर्की और ज्योत्सना केरकेट्टा नामजद

बिभा संवाददाता







रांची। आदिवासी युवती निशा भगत आत्महत्या मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने सोमवार को प्राथमिकी दर्ज कर ली है। इसमें केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की और आदिवासी नेत्री ज्योत्सना केर-केट्टा को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। इसके अलावा कुछ अज्ञात लोगों को भी अभियुक्त बनाया गया है। सीबीआई की दिल्ली स्थित विशेष अपराध शाखा-1 ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सीबीआई ने प्राथमिकी दर्ज करने के साथ ही जांच तेज कर दी है। सोमवार को जांच एजेंसी की टीम रांची के पहाड़ी टोला स्थित अजय तिर्की के आवास पर पहुंची और उनसे पूछताछ की। वहीं, छह सदस्यीय सीबीआई टीम ज्योत्सना केरकेट्टा के आवास पर भी पहुंची, जहां उनसे पूछताछ की गई। टीम दोनों के खिलाफ लगाए गए आरोपों से जुड़े तथ्यों और साक्ष्यों की पड़ताल कर रही है।

छह नवंबर को निशा भगत ने आत्महत्या कर ली थी। इस घटना को लेकर उनके पिता हंदू भगत की शिकायत पर पिठौरिया थाने में प्राथमिकी संख्या 114/2026 दर्ज की गई थी। सीबीआई ने जांच अपने हाथ में लेने के बाद इसी प्राथमिकी को आधार बनाकर मामला दर्ज किया है। उल्लेखनीय है कि पिठौरिया थाना क्षेत्र के डहू टोली स्थित अपने आवास पर निशा भगत ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली थी। घटना से पहले वह फेसबुक लाइव पर आई थीं। इस दौरान रोते हुए उन्होंने अपनी परेशानियां साझा की थीं। लाइव वीडियो में उन्होंने जमीन के कारोबार से जुड़े कुछ लोगों पर कथित प्रताड़ना का आरोप लगाया था और पुलिस-प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए थे।

आत्महत्या से पहले निशा ने पिठौरिया थाना प्रभारी को फोन कर अपनी परिस्थितियों की जानकारी दी थी। आरोप है कि थाना प्रभारी ने उन्हें थाने बुलाने की बात कहकर फोन काट दिया था। फेसबुक लाइव के दौरान निशा ने अजय तिर्की का नाम लेते हुए भी कई आरोप लगाए थे।

निशा की मौत के बाद उनके पिता हंदू भगत ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई थी। उन्होंने पिठौरिया थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देकर केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की, आदिवासी नेत्री ज्योत्सना केरकेट्टा समेत अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। पिता ने आरोप लगाया था कि उनकी बेटी की बदनामी कर उसे आत्महत्या के लिए उकसाया गया। भाजपा समेत अन्य विपक्षी दलों ने भी मामले की सीबीआई जांच की मांग की थी। इसके बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अनुशंसा पर सीबीआई जांच का निर्णय लिया गया।

इस मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) और राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने भी स्वतः संज्ञान लिया है। एनसीएसटी ने पुलिस अधिकारियों से अब तक की गई कार्रवाई का ब्योरा मांगा है। वहीं, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने गुमला पहुंचकर निशा के परिजनों से मुलाकात की और घटना की जानकारी ली।

महिला आयोग की अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखकर मामले की निष्पक्ष, विस्तृत और समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने को कहा है। साथ ही निशा के फेसबुक लाइव, कॉल रिकॉर्ड और अन्य डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है।

आस्था के साथ अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य, राज्यपाल ने हटनिया तालाब में की पूजा-अर्चना



बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में रविवार को लोक आस्था और सूर्योपासना के महापर्व छठ के तीसरे दिन श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। शहर के विभिन्न छठ घाटों और जलाशयों में हजारों व्रतियों और श्रद्धालुओं ने अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया। इस अवसर पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार राजभवन के समीप स्थित हटनिया तालाब पहुंचे और भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर विश्व कल्याण तथा झारखंड की सुख-समृद्धि की कामना की।

राज्यपाल ने इस पावन अवसर पर कहा कि उनकी छठी मैया से प्रार्थना है कि देश और राज्य के सभी नागरिक खुशहाल रहें। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और रांची की महापौर रोशनी खलखो भी बड़ा तालाब पहुंचे। दोनों ने भगवान भुवन भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर पूजा-अर्चना की।

छठ महापर्व को लेकर रविवार सुबह से ही राजधानी के छोटे-बड़े सभी घाटों पर तैयारियां शुरू हो गई थीं। दोपहर बाद से व्रतियों का घाटों पर पहुंचना शुरू हो गया और शाम होते-होते श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुट गई। हटनिया तालाब, करमटोली तालाब, बड़ा तालाब, स्वर्णरेखा नदी, हटिया-धुर्वा डैम समेत शहर के विभिन्न जलाशयों में छठव्रतियों ने पारंपरिक विधि-विधान से पूजा की। रांची के तालाबों, डैम और नदी तटों के अलावा विभिन्न अपार्टमेंट परिसरों में सोसाइटी की ओर से बनाए गए अस्थायी जलाशयों में भी अर्घ्य अर्पित किया गया। व्रतियों ने केला, नारियल, घाघरा नींबू और अन्य मौसमी फलों के साथ ठेकुआ से सजे दउरा और सूप के साथ जलाशयों में पहुंचकर भगवान सूर्य की आराधना की।

संक्षिप्त खबरें

द भारतमित्र के दफ्तर पहुंची पुलिस, मीडियाकर्मी का सामान जब्त, भाजपा नेताओं ने किया विरोध



रॉची(बिभा)। विधायक भूषण बाड़ा पर लगे कथित दुष्कर्म के आरोपों से जुड़ी खबर प्रसारित करने वाले डिजिटल मीडिया संस्थान 'द भारतमित्र' के कार्यालय में रविवार को सिमडेगा पुलिस पहुंची। पुलिस के साथ अरगोड़ा थाना की टीम भी मौजूद थी। इस दौरान पुलिस ने कार्यालय से माइक सहित अन्य सामान जब्त किया। पुलिस की कार्रवाई की सूचना मिलने पर भाजपा के पूर्व सांसद दीपक प्रकाश समेत कई भाजपा नेता मौके पर पहुंचे। नेताओं ने पुलिस की कार्रवाई का विरोध करते हुए नारेबाजी की। उन्होंने सवाल उठाया कि कथित दुष्कर्म मामले में विधायक की गिरफ्तारी अब तक क्यों नहीं हुई, जबकि मामले से जुड़ी खबर प्रसारित करने वाले मीडियाकर्मियों को परेशान किया जा रहा है। गौरतलब है कि नाबालिग बच्ची की दादी ने सिमडेगा में प्राथमिकी दर्ज कराई है। इसमें दिलीप और द भारतमित्र के अभिषेक भारती पर बच्ची का अपहरण करने और विधायक के खिलाफ झूठे बयान दिलवाने का आरोप लगाया गया है। फिलहाल, मामले में पुलिस की कार्रवाई और आरोपों की जांच को लेकर राजनीतिक और मीडिया जगत में चर्चा तेज हो गई है।

धरती आबा ने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध किया देशवासियों को जागृत : स्पीकर



रांची(बिभा)। झारखंड के स्थापना दिवस और धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर रविवार को झारखंड विधानसभा परिसर स्थित भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) रबीन्द्र नाथ महतो ने माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर झारखंड विधानसभा के प्रभारी सचिव रनजीत कुमार अन्य पदाधिकारी और कर्मी भी उपस्थित थे। झारखंड के स्थापना दिवस के अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने सभी राज्यवासियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे महानायक थे, जिन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के शोषण, अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध लोगों के बीच जनचेतना जागृत किया। वे जनजातीय समाज को अपने अधिकारों और स्वाभिमान की रक्षा के लिए संगठित किया एवं उनके नेतृत्व में हुआ ऐतिहासिक 'उलगुलान' अन्याय के विरुद्ध संघर्ष और स्वतंत्रता की आकांक्षा का प्रतीक है। स्पीकर ने कहा कि झारखंड की सांस्कृतिक अस्मिता, जनजातीय गौरव और सामाजिक चेतना के निर्माण में धरती आबा का योगदान अतुलनीय है। उनके विचारों और संघर्षों ने राज्य के अलग पहचान एवं अस्तित्व को वैचारिक आधार प्रदान किया है। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों को आत्मसात करते हुए हमें एक समृद्ध, समावेशी और विकसित झारखंड के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए।

पॉक्सो मामले में विधायक भूषण बाड़ा पर एसटी आयोग सख्त, मुख्य सचिव समेत तीन अधिकारियों को नोटिस

रांची(बिभा)। सिमडेगा के विधायक भूषण बाड़ा के खिलाफ नाबालिग किशोरी से कथित दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज होने के मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) ने कड़ा संज्ञान लिया है। आयोग ने इस संबंध में झारखंड के मुख्य सचिव, रांची के उपायुक्त और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को नोटिस जारी किया है। साथ ही संबंधित अधिकारियों से सात दिनों के भीतर मामले में की गई कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा ने सोमवार को इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आयोग ने संबंधित पदाधिकारियों से मामले में अब तक की गई कार्रवाई और अन्य आवश्यक तथ्यों की रिपोर्ट मांगी है। आयोग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित सात दिनों की अवधि में यदि संबंधित अधिकारियों का जवाब प्राप्त नहीं होता है तो उन्हें आयोग के समक्ष उपस्थित होने के लिए समन जारी किया जा सकता है।

झारखंड हाई कोर्ट ने रिश्वत मामले में सीसीएल के पूर्व अधिकारी को किया बरी

रांची(बिभा)। झारखंड उच्च न्यायालय ने भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम, 1988 के तहत दोषी ठहराए गए सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी एस. रमन को बरी कर दिया है। उच्च न्यायालय ने सीबीआई की विशेष अदालत द्वारा 30 मई 2005 को सुनाए गए दोषसिद्धि और सजा के फैसले को रद्द कर दिया। सीबीआई के अनुसार, रांची के कांके रोड स्थित एक फर्म के प्रोपराइटर सुब्रतो मुखर्जी ने वर्ष 1991-92 में सीसीएल के ईएंडएम विभाग को बिजली का सामान आपूर्ति किया था। बिलों का भुगतान लंबित रहने पर उन्होंने एस. रमन से संपर्क किया। आरोप था कि रमन ने सात बिलों (करीब 11,600 रुपये) का भुगतान आगे बढ़ाने के लिए 1,500 रुपये रिश्वत की मांग की थी।

आईआईएम रांची में 'रिसर्च स्कॉलर्स डे' के दूसरे संस्करण का आयोजन

शोध केवल थ्योरी तक सीमित न रहे, बल्कि असल जीवन की चुनौतियों का समाधान बनेः प्रो. ऋषिकेश

बिभा संवाददाता



रांचीः आईआईएम रांची में 'रिसर्च स्कॉलर्स डे' के दूसरे संस्करण का सफल आयोजन किया गया। फ्रॉम स्कॉलरली इंक्वायरी टू स्ट्रैटेजिक इम्पैक्टः रीथिंकिंग मैनेजमेंट विषय पर आधारित इस कार्यक्रम में संस्थान के पीएचडी, एग्जीक्यूटिव पीएचडी स्कॉलर्स और डॉक्टोरल प्रोग्राम से जुड़े पूर्ववर्ती शोधार्थियों ने हिस्सा लिया। उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि अशोका यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर प्रो. ऋषिकेश टी. कृष्णन, आईआईएम रांची के निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव, डॉक्टोरल प्रोग्राम चेयरपर्सन प्रो. मनीष बंसल और रिसर्च मेथड्स ग्रुप (आरएमजी) के चेयरपर्सन प्रो. अंबुज आनंद व प्रो. अनुप्रिया खां मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि प्रो. ऋषिकेश टी. कृष्णन ने 'सक्रिय विद्वत्ता (इंगेज्ड स्कॉलरशिप)' पर अपने विचार रखते हुए कहा कि शोध केवल थ्योरी तक सीमित न रहकर समाज, समुदाय और संगठनों के साथ जुड़कर असल जीवन की समस्याओं का समाधान करने वाला होना चाहिए। उन्होंने आईआईएम बैंगलोर के शोध का उदाहरण देते हुए शोधार्थियों को विषय की सार्थकता और भविष्य में उसके व्यावहारिक प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करने की प्रेरणा दी।

वहीं, आईआईएम रांची के निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि रिसर्च का असर केवल जर्नल्स में छपने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसका लाभ शिक्षा, उद्योग और सरकारी नीतियों के निर्माण में भी दिखना चाहिए। इससे पूर्व प्रो. अनुप्रिया खां ने आपसी सहयोग व सकारात्मक सुझावों के महत्व को रेखांकित किया, जबकि प्रो. मनीष बंसल ने 'पीयर लर्निंग' को शोध निखारने का बेहतरीन माध्यम बताया।

कार्यक्रम के दौरान तीन अलग-अलग श्रेणियों में शोध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। समापन सत्र में प्रणय रॉय (फुल पेपर प्रेजेंटेशन), नूतन मेहता (पेचाकुचा 20x20) और सोहिनी साहा (3-मिनट थीसिस/पोस्टर स्लैम) को 'बेस्ट पेपर अवार्ड 2026' से सम्मानित किया गया। अंत में प्रो. अंबुज आनंद ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रबंधन शोध को वास्तविक जीवन में उपयोगी बनाने का आह्वान किया।

कांग्रेस छह नवंबर को निकालेगी संविधान रक्षा मार्च



बिभा संवाददाता

रांची। प्रदेश कांग्रेस कमेटी 26 नवंबर को संविधान रक्षा मार्च निकालेगी। यह निर्णय सोमवार को कांग्रेस भवन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की उपस्थिति में आयोजित ह्वोट बचाओ, देश बचाओह्व निगरानी समिति की बैठक में लिया गया।

बैठक में निगरानी समिति के संयोजक अनादि ब्रहम, लाल किशोर नाथ सहदेव, डॉ एम तौसीफ, आहार पप्पू और जितेंद्र द्विवेदी मौजूद थे।

बैठक में विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि राज्य के सभी जिलों में चल रहे चौपाल कार्यक्रम को फिर से 18 नवंबर से गति प्रदान की जाएगी। चौपाल के माध्यम से ऐसे कम से कम 10 लोगों को शामिल किया जाएगा, जो जीवित हैं और वर्ष 2003 से लगातार मतदान करते आ रहे हैं, लेकिन मतदाता सूची से उनका नाम काट दिया गया है। ऐसे लोगों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

इसके अलावा, नए मतदाताओं को सूची में शामिल करने के लिए भी विशेष पहल की जाएगी। अक्टूबर 2026 में 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं से फॉर्म-6 भरवाकर उन्हें मतदाता सूची में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

स्वच्छता की दौड़ से शुरू हुआ झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़ा, 28 को खेलगांव में होगा भव्य समापन

बिभा संवाददाता

रांचीः झारखंड राज्य स्थापना दिवस, 2026 एवं राज्य सरकार की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर राज्यभर में 15 दिवसीय विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों की शुरूआत 15 नवंबर को सभी जिलों में 'रन फॉर क्लीनलिनेस' (स्वच्छता के लिए दौड़) के साथ हुई, जिसका समापन प्रमुख छठ घाटों की साफ-सफाई से किया गया। वहीं, इस पखवाड़े का भव्य समापन 28 नवंबर को रांची के खेलगांव में आयोजित मुख्य समारोह के साथ होगा।

स्थापना दिवस पखवाड़े के तहत 17 से 25 नवंबर तक पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर पर खेलकूद, नाटक, नृत्य-संगीत और निबंध लेखन जैसी रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, ताकि स्थानीय प्रतिभाओं को मंच मिल सके। जिला स्तर पर चयनित प्रतिभागियों और टीमों को 26 व 27 नवंबर को रांची के खेलगांव में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा, जबकि विजेताओं को 28 नवंबर को पुरस्कृत किया जाएगा।

26 से 28 नवंबर तक खेलगांव में मेला-सह-प्रदर्शनी का आयोजन होगा, जिसमें विभिन्न विभागों के साथ-साथ राज्य के सभी जिलों के स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों पर सरकारी योजनाओं की जानकारी, जिलों के विशिष्ट उत्पाद, पर्यटन स्थल और नवाचार से जुड़े प्रयोग प्रदर्शित किए जाएंगे। इसके अलावा, तीनों दिन शाम को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा, जिसमें झारखंड की समृद्ध लोककला और संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी।

सरकार की द्वितीय वर्षगांठ के अवसर पर 28 नवंबर को खेलगांव में होने वाले मुख्य समारोह में कई विकास योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया जाएगा। साथ ही, लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण होगा और पंचायत से लेकर राज्य स्तर तक उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों व संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा।

बाबूलाल मरांडी के बयान पर भड़का पुलिस मेन्स एसोसिएशन; कहा- प्रमाण दें या सार्वजनिक रूप से माफी मांगें

बिभा संवाददाता



रांचीः नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा झारखंड पुलिस की कार्यशैली पर की गई टिप्पणी को लेकर झारखंड पुलिस मेन्स एसोसिएशन ने कड़ा ऐतराज जताया है। एसोसिएशन के नेता कर्ण कुमार सिंह ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर 14 नवंबर को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मरांडी द्वारा लगाए गए आरोपों को तथ्यों से परे और भ्रामक करार दिया है। एसोसिएशन ने मांग की है कि नेता प्रतिपक्ष अपने आरोपों के समर्थन में ठोस प्रमाण सार्वजनिक करें, अन्यथा वे लिखित रूप में अपना बयान वापस लें।

एसोसिएशन ने कहा कि झारखंड पुलिस राज्य की सुरक्षा की मजबूत दीवार है, जिसने नक्सल प्रभावित दुर्गम क्षेत्रों से लेकर साइबर अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा और पर्व-त्योहारों के शांतिपूर्ण आयोजन तक हर मोर्चे पर अपनी कर्तव्यनिष्ठा साबित की है। राज्य में कानून-व्यवस्था की मौजूदा मजबूत स्थिति मुख्यमंत्री की नीतियों, पुलिस महानिदेशक तदाशा मिश्रा व वरीय अधिकारियों के कुशल नेतृत्व और जवानों के अथक परिश्रम का परिणाम है।

विज्ञप्ति में आगे कहा गया है कि पुलिस की कार्यशैली पर तथ्यहीन सवाल उठाना दिन-रात ड्यूटी पर तैनात हजारों जवानों के मनोबल को गिराने जैसा है। साथ ही, यह उन 450 से अधिक शहीद पुलिसकर्मियों का भी अपमान है, जिन्होंने 15 नवंबर 2000 को राज्य गठन के बाद से अब तक नक्सल विरोधी अभियानों और कानून-व्यवस्था की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर किए हैं। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि वह अपने जवानों के सम्मान और मनोबल की रक्षा के लिए ऐसे बयानों का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध जारी रखेगा।

राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष के प्रयासों से ओमान में फंसी प्रवासी श्रमिक की हुई सुरक्षित स्वदेश वापसी

बिभा संवाददाता



रांची। श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखंड सरकार के श्रमायुक्त कार्यालय के अंतर्गत कार्यरत राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष के प्रयासों एवं भारतीय दूतावास, मस्कट, ओमान के सहयोग से लोहरदगा जिले की प्रवासी श्रमिक सुषमा टोप्पो की 14 नवंबर 2026 को सकुशल झारखंड वापसी हुई। सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय की ओर से रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार लगभग सुषमा टोप्पो (२९) रोजगार की तलाश में एक एजेंट के माध्यम से 17 मार्च 2026 को घरेलू कामगार के रूप में ओमान गई थीं। वहां उन्हें घरेलू कार्य में नियोजित किया गया था। परिवार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, नियोक्ता के घर पर उन्हें दुर्व्यवहार और कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, जिसके बाद उन्होंने वहां से निकलने का निर्णय लिया। इस दौरान उनकी स्वदेश वापसी में कठिनाई उत्पन्न हुई।

इसके बाद मस्कट के मुतराह क्षेत्र में एक ओमानी परिवार-व्यक्ति ने उन्हें पासपोर्ट दिलाने एवं भारत वापसी की व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया गया। इस अवधि में परिवार को उनकी वास्तविक स्थिति और ठिकाने की स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही थी, जिससे परिजन काफी चिंतित थे। सुषमा के परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि पासपोर्ट और भारत वापसी की व्यवस्था कराने के नाम पर सुषमा से लगभग 300 ओमानी रियाल (ओएमआर) लिए गए, लेकिन इसके बावजूद उनकी वापसी की व्यवस्था नहीं की गई। परिवार ने संबंधित व्यक्तियों के संपर्क और स्थान संबंधी जानकारी एवं उपलब्ध साक्ष्य होने की बात भी बताई। इस संबंध में उचित जांच एवं कानूनी कार्रवाई के माध्यम से कथित रूप से ली गई राशि की वसूली के लिए भी संबंधित अधिकारियों से अनुरोध किया गया था।

इस संबंध में उनकी बड़ी बहन सुलोचना टोप्पो की ओर से एक सितंबर 2026 को राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष, झारखंड से सहायता की गुहार लगाई गई। शिकायत प्राप्त होने के बाद राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष ने मामले की गंभीरता को देखते हुए भारतीय दूतावास, मस्कट, प्रोटेक्टर ऑफ इमिग्रेंट्स सहित अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ लगातार पत्राचार एवं समन्वय स्थापित किया। सुषमा की सुरक्षा, वर्तमान स्थिति, पासपोर्ट की बरामदगी और सुरक्षित स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने के लिए निरंतर फॉलो-अप किया गया।

इस दौरान राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष को जानकारी मिली कि सुषमा ओमान के श्रम मंत्रालय, रुवी की अभिरक्षा में हैं और लगभग तीन सप्ताह से वहां रखी गई हैं। 16 सितंबर 2026 को भारतीय दूतावास, मस्कट की ओर ई-मेल के माध्यम से सूचित किया एवं उनकी शीघ्र स्वदेश वापसी की प्रक्रिया किए जाने की जानकारी दी गई।

उनकी स्वदेश वापसी की प्रक्रिया में मूल पासपोर्ट उपलब्ध नहीं होने की समस्या को देखते हुए भारतीय दूतावास, मस्कट की ओर से उनके लिए आपातकालीन यात्रा दस्तावेज जारी किया गया। राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष की ओर से भारतीय दूतावास एवं संबंधित अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखते हुए आवश्यक दस्तावेजी एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं के संबंध में निरंतर फॉलो-अप किया गया, ताकि उनकी स्वदेश वापसी में अनावश्यक विलंब न हो।

इन प्रयासों और भारतीय दूतावास, मस्कट के सहयोग से सुषमा टोप्पो 14 नवंबर 2026 को सुरक्षित अपने गृह राज्य झारखंड लौट आईं।

एचईसी की आठों यूनियनें आज मुख्यालय का करेंगी घेराव

रांची। हटिया मजदूर यूनियन (सीटू) समेत एचईसी की आठों यूनियनों ने संस्थान की वर्तमान स्थिति और मजदूरों की लंबित मांगों को लेकर 17 नवंबर को मुख्यालय का घेराव करने का निर्णय लिया है। आंदोलन के तहत मजदूर लगातार तीसरे दिन भी अपनी ड्यूटी करेंगे। इसके बाद दोपहर एक बजे लंच के समय बड़ी संख्या में एकजुट होकर एचईसी मुख्यालय का घेराव करेंगे।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना संख्या : 80-एसडीएसटीई-एएसएन-2026-27, दिनांक 13.11.2026, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन-आसनसोल, 713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम/स्थान:** "आसनसोल मंडल:- निम्नलिखित के संबंध में एस एंड टी कार्य i) देवघर और मधुपुर में नई क्रू बुकिंग लॉबी और 30 बेड वाले रनिंग रूम तथा दुमका में 50 बेड वाले रनिंग रूम का निर्माण ii) पानागढ़ में नई क्रू लॉबी और रनिंग रूम, रानीगंज रनिंग रूम एवं अण्डाल में क्रू बुकिंग लॉबी का नवीनीकरण"। **निविदा मूल्य:** रु.1,12,27,056.26, **बयाना राशि:** रु.2,24,600/-, **कार्य की समापन अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 18 माह। **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 08.12.2026 को 14.00 बजे। वेबसाइट का विवरण: **http://www. ireps.gov.in/**

ASN-318/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाए छठ घाट, उदयगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रतियों ने की सुख-समृद्धि की कामना

बिभा संवाददाता

बोकारोः लोक आस्था और सूर्य उपासना का महापर्व छठ बोकारो और चास में पूरे श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। रविवार को छठव्रतियों ने विभिन्न घाटों पर अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को पहला अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान शहर के प्रमुख छठ घाट रंग-बिरंगी रोशनी और आकर्षक विद्युत सज्जा से जगमगाते नजर आए। घाटों पर छठ गीतों की गूंज और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।



भारतीय संस्कृति में छठ महापर्व का विशेष महत्व है। यह पर्व उगते सूर्य के साथ-साथ अस्ताचलगामी सूर्य के प्रति भी श्रद्धा और कृतज्ञता प्रकट करने का संदेश देता है। रविवार शाम व्रतियों ने नदी, तालाब और विभिन्न जलाशयों में खड़े होकर भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया तथा परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाए घाट

छठ महापर्व को लेकर गरगा नदी, ऋतुडीह, एनएच क्षेत्र, बियाडा कॉलोनी, सेक्टर-3 स्थित टू टैंक गार्डन, सूर्यमंदिर सहित शहर के विभिन्न सेक्टरों और मोहल्लों के छठ घाटों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। रंग-बिरंगी लाइटों, झालरों और आकर्षक विद्युत सज्जा से घाटों की खूबसूरती देखते ही बन रही थी। कॉलोनी और कदमटांड़ सहित अन्य घाटों पर विशेष सजावट की गई थी। हेल्पिंग हैंड्स छठ घाट पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। वहीं, शहर के विभिन्न मोहल्लों में स्थानीय पूजा समितियों और लोगों ने मिलकर घाटों की व्यवस्था संभाली।

इसके अलावा सेक्टर-12 स्थित बियाडा लोहांचल कॉलोनी, ऋतुडीह बारी कोऑपरेटिव कॉलोनी और एलएच कॉलोनी के छठ घाटों पर भी बड़ी संख्या में कई घाटों पर आकर्षक प्रवेश द्वार भी बनाए गए थे।

गरगा नदी के घाटों पर उमड़ी भीड़

गरगा नदी स्थित हेल्पिंग हैंड्स छठ घाट, सूर्य मंदिर छठ घाट, गाय घाट, कुंवर सिंह कॉलोनी, भोजपुर ओर से विभिन्न घाटों पर साफ-सफाई, रोशनी और आवागमन की व्यवस्था की गई थी। घाटों तक पहुंचने वाले संपर्क मार्गों को दुरुस्त करने के साथ आसपास के क्षेत्रों की सफाई कराई गई। प्रमुख घाटों पर गोताखोरों की तैनाती और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की व्यवस्था भी की गई थी।

सफाई और सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

छठव्रतियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चास नगर निगम और बोकारो इस्पात संयंत्र की व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ संपन्न हुआ महापर्व

सोमवार की सुबह व्रतियों ने उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन किया। सुबह के अर्घ्य के साथ घाटों पर एक बार फिर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। पूरे बोकारो और चास में छठ की छटा और भक्तिमय माहौल देखने को मिला।

प्रातः अर्घ्य और पारण के साथ कसमार में लोक आस्था का महापर्व छठ संपन्न



बिभा संवाददाता

कसमार (बोकारो): उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने और पारण के साथ ही चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ आज कसमार क्षेत्र में पूरे हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो गया। प्रखंड के प्रमुख व्यावसायिक केंद्र खैराचातर सहित पूरे इलाके में पर्व को लेकर सुबह से ही भक्तिमय और उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा। महापर्व के अवसर पर खैराचातर स्थित छठ तालाब को मुखिया विजय जायसवाल बेहद आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहा।

छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सामाजिक संस्था 'फ्रेंड्स ऑफ खैराचातर' की ओर से विशेष सेवा शिविर लगाया गया, जहां सभी के लिए निःशुल्क चाय और पेयजल की व्यवस्था की गई थी। इस सेवा कार्य और आयोजन को सफल बनाने में सुदाम कुमार, विजय कुमार जायसवाल, कुमार गौरव, रणधीर कुमार, अमित जायसवाल, आनंद जायसवाल, प्रेम कुमार और गौतम सागर सहित कई स्थानीय युवाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई।

बालीडीह रेलवे कॉलोनी में धूमधाम से मनाया गया छठ महापर्व



बिभा संवाददाता

बोकारोः बालीडीह रेलवे कॉलोनी में लोक आस्था का महापर्व छठ श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर रेलवे कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों ने पूरे विधि-विधान के साथ छठ पूजा की। व्रतियों ने भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। छठ पूजा में रेलवे कर्मचारी राजन कुमार उपाध्याय, चंद्र प्रकाश पांडे, सुभाष कुमार महतो, नन्हे कुमार दुबे, प्रदीप कुमार भौमिक, तपन महतो एवं हरि विष्णु मिश्रा अपने-अपने परिवारों के साथ शामिल हुए। सभी परिवारों ने मिलकर पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार छठ महापर्व मनाया। पूरे रेलवे कॉलोनी का माहौल भक्तिमय बना रहा। पूजा के दौरान आपसी भाईचारे, सौहार्द और सामूहिक सहभागिता की सुंदर झलक देखने को मिली।

संक्षिप्त खबरें

तेलमच्चो पुल के पास दामोदर नदी में मिला अज्ञात बुजुर्ग का शव, इलाके में फैली सनसनी



बोकारो(बिभा): बोकारो जिले के दामोदर नदी स्थित तेलमच्चो पुल के पास सोमवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना पर आसपास के ग्रामीणों और मछुआरों की भीड़ मौके पर जुट गई। इस दौरान पुपुनकी गांव के स्थानीय मछुआरों ने तत्परता दिखाते हुए नदी से शव को बाहर निकाला। घटना की सूचना मिलते ही चास मुफ्फसिल थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस ने एंबुलेंस की व्यवस्था कर शव को पोस्टमार्टम और पहचान के लिए चास सदर अस्पताल भेज दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक की उम्र लगभग 65 से 70 वर्ष के बीच होने का अनुमान है। बताया जा रहा है कि व्यक्ति की आंखों का ऑपरेशन हुआ था और उसकी आंखों पर काला चश्मा लगा हुआ था। हालांकि, मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका भी फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि यदि किसी का परिजन, रिश्तेदार या परिचित पिछले कुछ दिनों से लापता है, तो चास सदर अस्पताल अथवा चास मुफ्फसिल थाना से संपर्क कर शव की पहचान करने में सहयोग करें। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बिजुलिया में भक्ति जागरण व श्री कृष्ण रास लीला का हुआ आयोजन



तलगडिया (बोकारो) (बिभा)। चास प्रखण्ड बिजुलिया पंचायत में छठ महापर्व पर छठ समिति ने हरि मंदिर प्रागंण में दो दिवसीय भक्ति जागरण व श्री कृष्ण रासलीला का आयोजन किया गया। प्रथम दिन छोटु चोहान एंड ग्रुप देवघर के कलाकारों भक्ति जागरण की प्रस्तुति किया। उद्घाटन चंदनकियारी विधायक उमाकांत ने फीता काट कर किया। उन्होंने कहा लोक आस्था के महापर्व छठ पुजा पर कार्यक्रम किया जा रहा है। भगवान-सुर्य देव को नमन करते हुए प्रार्थना करता सुख समृद्धि व शांति प्रदान करे। देवघर आये कलाकार सावन कुमार, नित्या सिंह,कौशल अलबेला, गीतांजलि दीक्षित, छोटु चौहान, बिक्की चौहान, बिजय कुमार,ने एक से बढ़कर एक छठी मइया की गीत की प्रस्तुति कर लोगों को भाव विभोर कर दिया। वही टुधरी - बिजुलिया- डाबका के रासलीला दल ने श्री कृष्ण रास लीला की प्रस्तुति कर खुब बाहबाही लुटा। कार्यक्रम के आयोजन में समिति के अध्यक्ष खगेंद्र नाथ महथा, सचिव पंचानंद महथा, गौरहरी महथा, गोपाल महथा, बासुदेव महथा, अश्विन महथा, साधन चंद महथा, उज्ज्वल महथा, मनोज महथा, सत्यनारायण महथा, जगदीश महथा, रतन महथा, अजीत महथा , जितेन तिवारी,बिनय महथा,प्रकाश महथा,राधेश्याम सिंह, गौर राजवार, डा० विकास कुमार समेत अन्य सदस्य व ग्रामीण सक्रिय भूमिका रही है। आयोजन की सफलता बिजुलिया, टुघरी, डाबका, पाठडीह सहित आसपास के गांवों के लोग भी सहयोग रहा हैं।

टू टैंक गार्डन छठ घाट पर मां मनसा मंदिर ट्रस्ट ने किया निःशुल्क फल एवं प्रसाद वितरण



बोकारो(बिभा): लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर सांस्कृतिक महोत्सव मां मनसा मंदिर ट्रस्ट की ओर से बोकारो स्टील सिटी स्थित टू टैंक गार्डन छठ घाट पर व्रतियों एवं श्रद्धालुओं के बीच निःशुल्क फल, पूजन सामग्री और महाप्रसाद का वितरण किया गया। 15 नवंबर को संध्या अर्घ्य और 16 नवंबर को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के अवसर पर ट्रस्ट की ओर से सेवा शिविर लगाया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं के लिए ताजे फल, दूध, अगरबत्ती एवं शुद्ध प्रसाद की व्यवस्था की गई। ट्रस्ट के पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों ने घाट पर साफ-सफाई, श्रद्धालुओं के मार्गदर्शन और सुचारू व्यवस्था में सहयोग किया। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने कहा कि छठ महापर्व प्रकृति, स्वच्छता, आस्था और सामूहिक समर्पण का प्रतीक है। नर सेवा ही नारायण सेवा के संकल्प के साथ संस्था प्रतिवर्ष इस तरह के सेवा कार्यों में भागीदारी निभाती है। इस आयोजन का उद्देश्य छठव्रतियों को सहयोग देने के साथ समाज में आपसी भाईचारे और सेवा भावना को बढ़ावा देना है। इस पुनीत कार्य में ट्रस्ट के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद, सचिव धीरेन प्रसाद रजवार, उपाध्यक्ष सुचांद प्रजापति, उपसचिव बारिया तेली, कोषाध्यक्ष देवेंद्र गोराई, उपकोषाध्यक्ष सुधीर कुमार, संगठन सचिव प्रदीप कुमार सिंह, अंकिक्षक रतन महतो सहित भोला नाथ तिवारी, केशव महतो, मोहन मुरारी, सुरेश कुमार महतो, गुरदयाल महतो, कुलदीप महतो, राजमोहन साव, जयचंद गोप, दिनेश कुमार महतो, उदय कुंभकार, सुभाष महतो, बादल कोइरी, हुलाश महतो एवं अन्य सदस्यों का योगदान रहा। मौके पर डॉ. एसएस प्रसाद, डॉ. संगीता कुमारी, समीर कुमार रॉय, रंजीत कुमार मल्लिक और बिनोद कुमार सोरेन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बिरसा के विचारों से गूंजा बोकारो, जल-जंगल-जमीन की रक्षा का लिया संकल्प

बिभा संवाददाता

बोकारो। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती एवं झारखंड स्थापना की 26वीं वर्षगांठ पर रविवार को भगवान बिरसा मुंडा जयंती समारोह समिति की ओर से नयामोड़ बिरसा चौक स्थित बिरसा मुंडा प्रतिमा स्थल पर श्रद्धा, स्वाभिमान और एकजुटता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दियुरी गंगाधर पूर्ति एवं पाहन चामू उरांव ने पारंपरिक रीति-रिवाज से पूजा-अर्चना कर किया। अध्यक्षता समिति अध्यक्ष योगेा पूर्ती तथा संचालन रेंगो बिरुआ ने किया। उपायुक्त अजय नाथ झा एवं एसपी नाथू सिंह मीणा ने समारोह का उद्घाटन किया। झामुमो जिलाध्यक्ष रतन लाल मांझी, महानगर अध्यक्ष मंटू यादव, डीडीसी शताब्दी मजूमदार, चास एसडीओ प्रांजल ढांडा, एएसपी वेदांत शंकर, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, एसी सुनील चंद्र, सीआरपीएफ 26वीं बटालियन के उप



कमांडेंट अरविंद कुमार सहित अनेक अधिकारियों एवं गणमान्य लोगों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उपायुक्त ने कहा कि धरती आबा ने प्रकृति, अपनी मिट्टी और आदिवासी अस्मिता की रक्षा के लिए जीवन समर्पित कर दिया। उनके विचार और संघर्ष आज भी पूरे देश के आदिवासी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। वहीं, कार्यक्रम के मुख्य अथिति बीएसएल के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन, विशिष्ट अतिथि अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. बी. बी. करुणामय, अधिशासी निदेशक (परियोजना) अनीष सेनगुप्ता, कार्यकारी अधिशासी निदेशक (संकार्य) अजय कुमार, संचार प्रमुख मणिकांत धान सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने श्रद्धांजलि दी। निदेशक प्रभारी श्री रंजन ने कहा कि बिरसा मुंडा के बताए रास्ते पर चलकर ही देश को मजबूत बनाया जा सकता है। समापन समारोह में मरांग बुरु बचाओ मोर्चा के महासचिव सह झामुमो केंद्रीय सदस्य हीरालाल मांझी, जिला अध्यक्ष रतन लाल मांझी, जिला परिषद सदस्य सुनीता टुडू, बेहतर झारखंड के विवेक सिंह, शंभू कुमार एवं शांति सोरेन सहित सामाजिक प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। विशेष रूप से विभिन्न गांवों, सरना स्थलों, देशाउली और जाहेर थानों के मांझी हड़ाम, नायके, पाहन एवं दिउरी को सम्मान देकर पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था के प्रति सम्मान प्रकट किया गया। इससे पूर्व राजकुमार गोराई के नेतृत्व में संकल्प सभा में लोगों ने जल-जंगल-जमीन की रक्षा, भाषा-संस्कृति के संरक्षण और सीएनटी-एसपीटी अधिनियम को सख्ती से लागू कराने का संकल्प लिया। मौके पर विभिन्न क्षेत्रों के सांस्कृतिक दलों ने पारंपरिक नृत्य-संगीत प्रस्तुत कर समारोह को सांस्कृतिक रंगों से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम में महेश मुंडा, संजय गांगराई, संजु सामता, चंदू सिंह मुंडा, अधिवक्ता रंजीत गिरी, मनोज हेंब्रम, काली मांझी, माणिक मुंडा, दिवेश टुडू, मनीषा मुंडा, दिनेश बेसरा, रूपलाल मांझी, रामदयाल सिंह, गोपाल कृष्णा संडील, भोला संडील, झरीलाल पात्रा एवं संजय कुमार सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

बिरसा चौक पर झामुमो नेताओं ने किया भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण, शहीदों के सपनों का झारखंड बनाने का लिया संकल्प

बिभा संवाददाता

बोकारोः धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती एवं झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की ओर से रविवार को बोकारो के नया मोड़ स्थित बिरसा चौक पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान झामुमो के बोकारो जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी एवं बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने भगवान बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। नेताओं ने उनके संघर्ष, त्याग, बलिदान और अदम्य साहस को नमन किया।

मौके पर जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष और अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ उनका ऐतिहासिक आंदोलन हमेशा देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। जल, जंगल और



जमीन की रक्षा के लिए उनका संघर्ष झारखंड की अस्मिता, स्वाभिमान और अधिकारों की लड़ाई का प्रतीक है। उनका बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता।

वहीं, महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने झारखंडवासियों को राज्य स्थापना दिवस एवं धरती आबा की जयंती की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य का निर्माण वीर शहीदों, आंदोलनकारियों और महान विभूतियों के लंबे संघर्ष, त्याग एवं बलिदान का परिणाम है। भगवान बिरसा मुंडा ने जिस शोषणमुक्त, स्वाभिमानी और अधिकार संपन्न समाज का सपना देखा था, उसे साकार करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर पर सभी को झारखंड की एकता, अखंडता, सांस्कृतिक विरासत तथा जल, जंगल और जमीन की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। साथ ही वीर शहीदों के सपनों का समृद्ध, खुशहाल, शिक्षित और विकसित झारखंड बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों पर चलने तथा झारखंड के मान-सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहने का संकल्प लिया।

छठी मईया सबकी मनोकामनाएं पूर्ण करें : बीके चौधरी

बिभा संवाददाता

बोकारो। सखा सहयोग सुरक्षा समिति एवं जय झारखंड मजदूर समाज के संजुक्त तत्वावधान में समिति के संरक्षक सह महामंत्री एवं यूनियन के महामंत्री श्री वि के चौधरी के सफल नेतृत्व में प्रत्येक वर्षो की भांति इस वर्ष भी छठ व्रतियों महिलाओ के लिए लोक आस्था, पवित्रता, श्रद्धा और अटूट विश्वास का महापर्व छठ पूजा के पावन अवसर पर सेक्टर - 3 (टु टैन्क गार्डेन तालाब) पर अस्ताचल सूर्य देव एवं उदीयमान सूर्य देव के आधर्य पर विशेष कैम्प लगाकर माताओं, बहनों के लिए अस्ताचल सूर्य देव के आधर्य के दौरान फल, फुल, डाब, नारियल, अगरबत्ती इत्यादि का सफलतापूर्वक वितरण किया गया।

अगले दिन प्रातः उदीयमान सूर्य देव के आधर्य के दौरान, प्रत्येक वर्षो की भांति गाय का दूध, गरमा गरम चाय, गोयठा, अगरबत्ती, पान का



पत्ता, फल फूल इत्यादि का वितरण किया गया, जिसमें वहाँ उपास्थित छठ घाटों मे आधर्य देकर जाने वाली माताओ बहनों ने चाय का लुत्फ उठाया, साथ ही साथ हजारों श्रद्धालूवो ने गरमा गरम चाय का आनन्द लिया।

संस्था के महामंत्री बीके चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि छठी मईया की असीम कृपा और भगवान सूर्यदेव के दिव्य आशीर्वाद से आप सभी बोकारो वासी का जीवन का हर अंधकार दूर हो, सुख, शांति, और संतोष का दीपक सदेव जलता रहे, साथ ही साथ बोकारो स्टील प्लांट नित्य उत्पादन का नया नया कीर्तिमान स्थापित करता रहे।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से महाप्रबंधक प्रभारी एच आर सुशांत सिसिर,महाप्रबंधक एच आर एस के दत्ता ,इमाम, अनिल कुमार, यू सी कुम्भकार, बारिया तेली,जितेन्द्र कुमार सिंह, सुभाष चंद्र महतो,अभिमन्यु मांझी,अमोद कुमार, बादल कोयरी, अरविन्द कुमार, राजेन्द्र राम, टी पी महतो,भागीरथ महतो, गोसाई, टी पी महतो, रामदेवप्रसाद, एम के दास,सुनिल कुमार, राजेश कुमार, सुभाष चंद्र बाउरी,इमरान अंन्सारी,एल डी मोदी,एम डी आजाद इत्यादि बितरण कार्यक्रम मे उपस्थित रहे।

बोकारो में मनाई गई बिरसा मुंडा जयंती और झारखंड स्थापना दिवस, आदिवासी सेंगेल अभियान ने सरकार पर साधा निशाना

बिभा संवाददाता

बोकारोः आदिवासी सेंगेल अभियान के तत्वावधान में रविवार को कनारी पंचायत के बरुआटांड़ स्थित बोकारो जिला अध्यक्ष सह जोनल हेड सुखदेव मुर्मू के आवासीय कार्यालय में भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती और झारखंड स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सुखदेव मुर्मू ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और एकता की प्रार्थना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आदिवासी सेंगेल अभियान के नेता सुखदेव मुर्मू ने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर कई आरोप लगाए। उनके अनुसार, छठ महापर्व का



हवाला देकर बिरसा मुंडा जयंती और झारखंड स्थापना दिवस के सरकारी आयोजनों को रद्द करना महापुरुषों और झारखंडवासियों का अपमान है। मुर्मू ने कहा कि बिरसा मुंडा के संघर्ष के कारण ही आदिवासियों की जमीन की रक्षा के लिए सीएनटी एक्ट जैसे कानून बन सके, लेकिन वर्तमान राज्य सरकार उनके इतिहास को कमजोर करने का प्रयास कर रही है।

सुखदेव मुर्मू ने आगे आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने 5 जनवरी 2023 को आदिवासियों के आस्था स्थल मरांग बुरु को जैन समुदाय को सौंपकर समाज के साथ छल किया था। उन्होंने झारखंड आंदोलनकारियों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए 'इस्तीफा दो नहीं तो गद्दी छोड़ो' का नारा दिया और अन्य आदिवासी-मूलवासी संगठनों से भी एकजुट होकर सरकार के बहिष्कार व इस्तीफे की मांग करने की अपील की।

इस कार्यक्रम में सेंगेल सरना धर्म मंडवा के बोकारो जिला अध्यक्ष भीम मुर्मू, सेंगेल माझी उपेंद्र हेम्ब्रम, राखो किस्कू, बिन्तोष टुडू, वीरेंद्र हांसदा, करण हांसदा और छोटेलाल सोरेन सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

चास की जगदंबा जनरल स्टोर में भीषण आग, 35 लाख का सामान जलकर राख

बिभा संवाददाता

बोकारोः चास के गुजरात कॉलोनी स्थित जगदंबा जनरल स्टोर में रविवार तड़के करीब चार बजे भीषण आग लग गई। इस अगलगी में दुकान में रखा करीब 30 से 35 लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग की लपटें उठती देख इलाके में अफरा-तफरी मच गई, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल अग्निशमन विभाग को सूचना दी।

सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दुकान मालिक उमेश प्रसाद ने बताया कि इस हादसे में उनकी दुकान का सारा सामान नष्ट हो गया है। चास के प्रधान अग्निशमन अधिकारी गिरेंद्र राम ने भी शॉर्ट



सर्किट की आशंका जताते हुए लाखों रुपये के नुकसान की पुष्टि की है।

घटना के दौरान विद्युत विभाग की कार्यशैली को लेकर लोगों में भारी आक्रोश दिखा। आरोप है कि सूचना देने के बावजूद समय पर बिजली आपूर्ति बंद नहीं की गई, जिससे दुकान के अंदर तारों में विस्फोट होने लगे और बचाव कार्य में जुटे कई लोग अंदर फंस गए। मौके पर मौजूद विभाग के मिस्त्री ने अपनी चूक स्वीकार की, लेकिन मीडिया के सवालों से बचते हुए वहां से निकल गए। इस लापरवाही को लेकर स्थानीय लोगों ने विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर चंदवा गुरिटाड़ में भव्य जतरा मेला का आयोजन

बिभा संवाददाता



लातेहार/चंदवा: भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर चंदवा प्रखंड के गुरिटाड़ में भव्य जतरा समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकजुटता का शानदार नजारा देखने को मिला। ढोल-मांदर की गूंज, पारंपरिक लोकगीत और नृत्य से पूरा आयोजन स्थल उत्सवी माहौल में सराबोर रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, सामाजिक प्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने भाग लिया।कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद बैद्यनाथ राम को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था, लेकिन वे समारोह में शामिल नहीं हो सके। वहीं अन्य आमंत्रित अतिथियों एवं सम्मानित धनेश्वर उरांव, रामा पाहान, कर्मा मुंडा, चरको मुंडा, सितमोहन मुंडा, मनोज चौधरी, सुमन, सुनील सोरेन, पुरुषोत्तम मुंडा, दुर्गावती देवी, संगीता लकड़ा एवं मणिता देवी सहित समस्त पड़हा राजा और चंदवा प्रखंड की विभिन्न पंचायतों के मुखिया शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 11 बजे विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद दोपहर दो बजे से मुख्य समारोह एवं जतरा का शुभारंभ किया गया। जतरा में आदिवासी समाज के महिला-पुरुष पारंपरिक वेशभूषा में ढोल-मांदर की थाप पर थिरकते नजर आए। लोगों ने सामूहिक रूप से पारंपरिक गीत गाए और नृत्य कर अपनी सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया। इस दौरान आपसी मेल-मिलाप और भाईचारे का भी सुंदर दृश्य देखने को मिला।

जतरा में चंदवा की पारंपरिक मिठाइयां लखठो और गुलगुला के साथ समोसा सहित अन्य खाद्य सामग्रियों की दुकानें लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। बच्चों में रंग-बिरंगे गुब्बारों को लेकर खासा उत्साह दिखा। पूरे आयोजन में बुजुर्गों से लेकर युवाओं और बच्चों तक सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।समारोह की अध्यक्षता बिरसा मुंडा स्मारक समिति, चंदवा-गुरिटाड़, लातेहार के अध्यक्ष रंथू मुंडा ने की। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के सदस्यों, सामाजिक कार्यकताओं, समस्त पड़हा राजाओं एवं चंदवा प्रखंड के सभी पंचायतों के मुखियाओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जतरा समारोह ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि आदिवासी समाज अपनी संस्कृति, परंपरा और पहचान को लेकर सजग है। भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, साहस और बलिदान को याद करते हुए लोगों ने उनकी विरासत को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

लोक आस्था का महापर्व छठ धूमधाम से संपन्न, देवनद नदी घाट पर गंगा आरती बनी आकर्षण का केंद्र



बिभा संवाददाता

लातेहार। लातेहार लोक आस्था, पवित्रता और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ जिलेभर में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हो गया। सोमवार को उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही व्रतियों ने चार दिवसीय अनुष्ठान का समापन किया। लातेहार शहर के ओरंगा नदी घाट से लेकर चंदवा प्रखंड के देवनद-दामोदर नदी घाट तथा कामता-कुजरी स्थित भुसाड़ नदी घाट तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। सभी घाटों पर छठी मैया के जयकारों और भक्तिमय गीतों से वातावरण गुंजायमान रहा।लातेहार के ओरंगा नदी घाट पर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के परिवारजनों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ भगवान सूर्य की आराधना की। वहीं चंदवा के देवनद-दामोदर नदी घाट पर भी हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। शहर से सटे कामता-कुजरी के भुसाड़ नदी घाट पर भी छठ महापर्व की विशेष रौनक रही।

महापर्व को सफल बनाने में चंदवा के नागरिकों, बुद्धिजीवियों, समाजसेवियों, देवनद-दामोदर छठ पूजा समिति के सदस्यों तथा विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस प्रशासन और प्रखंड प्रशासन के सहयोग से घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश, सुरक्षा और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई। हिंडाल्को टोरी बॉक्साइट प्रबंधन एवं टेरेक्स ऑपरेटर परमेश्वर महतो के सहयोग से देवनद नदी और कामता-कुजरी भुसाड़ नदी घाट पर कई दिनों तक सफाई अभियान चलाया गया। वहीं चकला कोल ब्लॉक प्रबंधन की ओर से प्रकाश व्यवस्था में सहयोग किया गया देवनद-दामोदर छठ पूजा समिति की ओर से नदी तट पर आयोजित विशेष गंगा आरती महापर्व का मुख्य आकर्षण रही। स्थानीय बच्चों और बच्चियों द्वारा कई वर्षों से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आरती की परंपरा निभाई जा रही है। इस भव्य आयोजन में शामिल होकर श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक आनंद का अनुभव किया।विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं ने छठ घाटों पर व्रतियों और श्रद्धालुओं के बीच खीर, खिचड़ी, चाय और बिस्किट का वितरण किया। कई समाजसेवियों ने फल वितरित किए, जबकि दूध, गेहूं और सूप का निःशुल्क वितरण भी किया गया। विवेकानंद छठ पूजा समिति की ओर से फल का स्टॉल लगाकर लागत मूल्य पर फल उपलब्ध कराया गया। सेवा भाव से किए गए इन कार्यों के लिए व्रतियों ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार जताया।वहीं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चंदवा थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक मनोरंजन प्रसाद सिंह सक्रिय रहे। पुलिस बल की तैनाती और प्रशासनिक निगरानी के बीच पूरा महापर्व शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। सामूहिक सहयोग, सामाजिक एकजुटता और सेवा भावना ने एक बार फिर चंदवा की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा को जीवंत कर दिया।

संक्षिप्त खबरें

छठ घाटों के भ्रमण के बाद पत्रकार प्रमोद खंडेलवाल के आवास पहुंचे सांसद मनीष जायसवाल



हजारीबाग(बिभा) : लोक आस्था एवं सूर्य उपासना के महापर्व छठ के पावन अवसर पर हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने शहर के विभिन्न छठ घाटों का भ्रमण कर छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं से मुलाकात की तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान सांसद बाइक से शहर के विभिन्न छठ घाटों तक पहुंचे। आम श्रद्धालुओं के बीच पहुंचकर उन्होंने छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं और पर्व की खुशियों में सहभागी बने। घाटों के भ्रमण के क्रम में सांसद मनीष जायसवाल शहर के संस्कार एनक्लेव, बड़ा बाजार स्थित जैन मंदिर रोड पहुंचे। यहां वे पत्रकार प्रमोद खंडेलवाल एवं पत्रकार रितेश खंडेलवाल के आवास पर पहुंचे, जहां परिवारजनों ने उनका गर्मजोशी और आत्मीयता के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर घर में छठ महापर्व की पारंपरिक धार्मिक एवं पारिवारिक परंपराओं के बीच सुखद माहौल देखने को मिला। छठ व्रती विनीता खंडेलवाल ने पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार सांसद मनीष जायसवाल को तिलक लगाकर उनका अभिवादन किया। इसके पश्चात सांसद ने छठ महापर्व के विशेष प्रसाद ठेकुआ को श्रद्धापूर्वक ग्रहण किया। उन्होंने परिवार के सभी सदस्यों से आत्मीयता के साथ मुलाकात की और छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं। इस आत्मीय मुलाकात के दौरान परिवारजनों के साथ सामूहिक तस्वीर भी ली गई, जिसने इस विशेष अवसर को यादगार बना दिया। इस मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि छठ महापर्व भारतीय संस्कृति, आस्था, श्रद्धा और लोक परंपराओं का अद्भुत प्रतीक है। यह ऐसा महापर्व है, जिसमें सामाजिक समरसता और पारिवारिक आत्मीयता की सुंदर झलक देखने को मिलती है। शहर के विभिन्न छठ घाटों पर पहुंचकर व्रतियों से मुलाकात और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। इसी क्रम में पत्रकार प्रमोद खंडेलवाल एवं रितेश खंडेलवाल के आवास पर पहुंचकर छठ का पारंपरिक प्रसाद ठेकुआ ग्रहण किया। छठ का प्रसाद केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं का भी प्रतीक है।

गोपाष्टमी उत्सव को लेकर हजारीबाग गौशाला में भव्य आयोजन आज



हजारीबाग (बिभा): आज मंगलवार को हजारीबाग गौशाला में भव्य गोपाष्टमी उत्सव एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन को लेकर गौशाला परिवार की ओर से तैयारियां की गई हैं। आयोजन में शहर के श्रद्धालुओं, धर्मप्रेमियों एवं गणमान्य लोगों को सादर आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 11 बजे पूजन सत्र के साथ होगी। इसके पश्चात दोपहर 12 बजे विधिवत उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा। उत्सव के दौरान विभिन्न संस्थाओं की ओर से प्रेरणादायक स्टॉल लगाए जाएंगे। वहीं, श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों की व्यवस्था भी रहेगी।आयोजन का मुख्य उद्देश्य गोमाता के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ गोसेवा और भारतीय संस्कृति के संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है। कार्यक्रम का समापन शाम 5:30 बजे महाआरती एवं समापन सत्र के साथ होगा। गौशाला परिवार ने शहरवासियों से अपील की है कि वे इस पावन अवसर पर सपरिवार उपस्थित होकर गोमाता की सेवा, पूजन एवं धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागी बनें और आयोजन को सफल बनाएं।

रामगढ़ में मारवाड़ी महिला समिति ने छठ महापर्व पर किया फलों का वितरण

रामगढ़(बिभा): अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, रामगढ़ शाखा द्वारा आज छठ महापर्व के पावन अवसर पर दामोदर नदी के समीप श्रद्धालुओं और व्रतियों के बीच फलों का वितरण किया गया। छठ महापर्व लोक आस्था, शुद्धता और सूर्य उपासना का महापर्व है। इस पर्व में व्रती 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत रखकर अस्ताचलगामी और उदयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। इसी आस्था को नमन करते हुए समिति की बहनों ने सेवा भाव से फल वितरण का पुण्य कार्य किया। इस दौरान व्रतियों को सेब, केला, गाजर, आंवला, कमरख सहित अन्य फल वितरित किए गए। समिति की इस सेवा से घाट पर उपस्थित श्रद्धालुओं के चेहरे पर खुशी और संतोष झलक उठा। सभी ने समिति के इस कार्य की सराहना की। समिति की अध्यक्ष रिद्धि जैन ने कहा कि छठ सिर्फ एक पर्व नहीं, बल्कि संस्कार, श्रद्धा और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। हमारा प्रयास है कि ऐसे पावन अवसरों पर सेवा कार्य कर समाज से जुड़े रहें। इस अवसर पर अरुणा जैन, नम्रता जैन, पुष्पा अग्रवाल, सरिता जैन, शारदा अग्रवाल, निर्मला अग्रवाल,कोषाध्यक्ष मीनू मोदी का विशेष सहयोग रहा।

बालूमाथ में बेकाबू ट्रक ने ली युवक की जान मुआवजे की मांग पर घंटों रहा बालूमाथ - खलारी पथ जाम

बिभा संवाददाता



लातेहार/बालूमाथ। खलारी-बालूमाथ मुख्य पथ पर देर शाम रविवार को दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। घटना भगिया गांव के बड़काबर के पास हुई, जहां तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान बालूमाथ प्रखंड के मुरपा गांव निवासी रंजीत कुमार साव, पिता दीपन साव के रूप में हुई है।बताया जा रहा है कि रंजीत किसी काम से सड़क से गुजर रहा था, तभी सामने से आ रहे ट्रक ने उसे कुचल दिया। हादसा इतना भयानक था कि आसपास के लोग सहम गए। घटना की सूचना फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर खलारी-बालूमाथ मुख्य पथ को जाम कर दिया। जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। लोग मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने और ट्रक चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे थे।सूचना मिलते ही बालूमाथ थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया। काफी मस्कत के बाद प्रशासन ने उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिए, तब जाकर ग्रामीणों ने जाम हटाया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और ट्रक को जब्त कर चालक की तलाश में जुट गई है।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव को लेकर पांचवे दिन निकाली गई प्रभात फेरी

बिभा संवाददाता



रामगढ. सिख धर्म के प्रवर्तक व सिखों के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव के प्रकाश उत्सव को लेकर पांचवे दिन प्रभात फेरी निकाली गयी. प्रभात फेरी गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा सवेरे 5:00 बजे शुरू होकर, सुभाष चौक मैन रोड होते वापस गुरुद्वारा साहब पहुंची जहां साध संगत का फूलों से स्वागत किया, और चाय नाश्ते का प्रबंध किया गया। प्रभात फेरी में निशान साहिब लेकर गुरजोत सिंह सैनी प्रभात फेरी की अगुवाई कर रहे थे। प्रभात फेरी के पांचवे दिन भी साध संगत में स्त्री,पुरुष एवम् बच्चों ने गुरबाणी,शबद कीर्तन कर आगे आगे चल रहे थे पूरा माहौल भक्ति मय हो गया था। साध-संगत ने गुरु भक्ति के शबद कीर्तन किये। रामगढ़ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के मीडिया प्रभारी करमजीत सिंह जग्गी ने बताया कि दिन बुधवार को प्रभात फेरी जसपाल सिंह अरोड़ा, पंचवटी में जाएगी।

बता दें कि चौथे दिन गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव को लेकर प्रातः 05 बजे निकाली गई प्रभात फेरी स्व प्यारा सिंह गांधी के आवास पहुंची। जहां साध संगत का फूलों से स्वागत किया, और चाय नाश्ते का प्रबंध किया गया। प्रभात फेरी में निशान साहिब लेकर सरदार गुरजोत सिंह सैनी प्रभात फेरी की अगुवाई कर रहे थे।

प्रभात फेरी में रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब के प्रधान परमदीप सिंह कालरा, मीत प्रधान अमरजीत सिंह सैनी, हैप्पी छाबड़ा, सेक्रेटरी हरदीप सिंह होरा, कुलवंत सिंह मारवाह खजांची रघुवीर सिंह छाबड़ा, हेड ग्रंथि सरदार गुरविंदर सिंह तेजेंद्र सिंह सोनी, जगजीत सिंह सोनी, गुरप्रीत सिंह, पलविंदर सिंह बल,मंजीत सिंह, , प्रीतम सिंह कालरा, रमन कोहली, इकबाल सिंह,राजा कालरा, सतपाल सिंह सलूजा, हरजीत सिंह छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल थे।

प्रशासनिक दायित्वों के बीच आस्था के रंग में रंगे सदर एसडीओ आदित्य पांडे, मां के साथ किया छठ व्रत

बिभा संवाददाता



हजारीबाग : लोक आस्था और सूर्योपासना के महापर्व छठ के अवसर पर हजारीबाग के सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडे का एक अलग ही रूप देखने को मिला। जिले में छठ महापर्व को लेकर प्रशासनिक व्यवस्था की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालने के साथ-साथ उन्होंने अपनी मां के साथ पूरी श्रद्धा और आस्था से छठ व्रत किया। मां और बेटे ने 36 घंटे का निर्जला उपवास रखकर भगवान सूर्य एवं छठी मैया की आराधना की।

सदर एसडीओ के आवास परिसर में छठ महापर्व को लेकर पूरे पारंपरिक और भक्तिमय वातावरण में पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। आदित्य पांडे पारंपरिक वेशभूषा में छठ की परंपराओं का निर्वहन करते नजर आए। मां के साथ एक ही समय में व्रत रखकर उन्होंने पारिवारिक आस्था और धार्मिक परंपरा के प्रति अपनी निष्ठा का परिचय दिया। छठ महापर्व के दौरान आदित्य पांडे के सामने दोहरी जिम्मेदारी थी। एक ओर जिले के विभिन्न छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की सेवा, प्रशासनिक व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने की जिम्मेदारी थी, तो दूसरी ओर स्वयं 36 घंटे के कठिन निर्जला उपवास के साथ छठ की धार्मिक परंपराओं का निर्वहन करना था। व्यस्त प्रशासनिक कार्यक्रमों के बीच उन्होंने दोनों जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया।

छठ महापर्व की यही विशेषता है कि इस पर्व में पद, प्रतिष्ठा और सामाजिक हैसियत से ऊपर आस्था और समर्पण को स्थान मिलता है। आम श्रद्धालुओं की तरह ही प्रशासनिक पद पर बैठे अधिकारी भी पूरी श्रद्धा के साथ छठी मैया की आराधना करते हैं। सदर एसडीओ आदित्य पांडे का अपनी मां के साथ छठ व्रत करना इसी भाव को प्रदर्शित करता है।मां और बेटे ने एक साथ व्रत रखकर परिवार की धार्मिक परंपरा को आगे बढ़ाया। प्रशासनिक व्यस्तताओं के बीच अपनी आस्था के लिए समय निकालना और पूरे नियम-निष्ठा के साथ महापर्व का निर्वहन करना उनके लिए विशेष अवसर रहा। छठ के प्रति उनकी श्रद्धा और प्रशासनिक दायित्वों के प्रति प्रतिबद्धता का यह संगम लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा।

चार दिवसीय छठ महापर्व पवित्रता, त्याग और लोक आस्था का अनुपम प्रतीक है : बलराम साहू



लोहरदगा। लोक आस्था, श्रद्धा, पवित्रता और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदयीमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धापूर्वक संपन्न हो गया। इस पावन अवसर पर लोहरदगा नगर परिषद के पूर्व डिप्टी चेयरमैन बलराम साहू ने पूरे विधि-विधान और गहरी आस्था के साथ स्वयं छठ व्रत रखकर भगवान सूर्य एवं छठी मैया की आराधना की। उन्होंने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार, समाज और समस्त क्षेत्रवासियों के सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य एवं समृद्धि की मंगलकामना की। चार दिनों तक चलने वाले इस कठिन व्रत के दौरान बलराम साहू ने नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और प्रातःकालीन अर्घ्य की परंपराओं का पूरी श्रद्धा और निष्ठा के साथ पालन किया। सोमवार की सुबह भगवान भास्कर की पहली किरण के साथ उन्होंने विधिवत अर्घ्य अर्पित कर छठी मैया से सभी के जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली बनाए रखने की प्रार्थना की। उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही उनका चार दिवसीय निर्जला उपवास संपन्न हुआ।

माथे पर छठ का दौरा लेकर घाट पहुंचे एसपी अमन कुमार

परिवार के साथ पैदल पहुंचे झील छठ घाट, मां के व्रत में निभाई पारंपरिक जिम्मेदारी; आम श्रद्धालुओं के बीच दिखी सादगी

बिभा संवाददाता



हजारीबाग : लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर हजारीबाग में सामाजिक समरसता और श्रद्धा की अनूठी तस्वीर देखने को मिली। जिले के पुलिस अधीक्षक अमन कुमार अपनी मां के छठ व्रत के दौरान पूरे परिवार के साथ आम श्रद्धालु की तरह माथे पर दौरा लेकर झील स्थित छठ घाट पहुंचे। इस दौरान उन्होंने नंगे पांव पैदल चलकर छठ की परंपरा निभाई। उनके साथ पत्नी और बच्चे भी मौजूद थे। एसपी आवास पर उनकी मां ने पूरे विधि-विधान के साथ छठ व्रत किया। संध्या अर्घ्य और प्रातःकालीन अर्घ्य के अवसर पर पुलिस अधीक्षक अपने परिवार के सदस्यों के साथ आवास से पैदल झील छठ घाट पहुंचे। इस दौरान उन्होंने स्वयं अपने माथे पर दौरा उठाया। पुलिस अधीक्षक को आम नागरिक की तरह श्रद्धा और सादगी के साथ घाट की ओर जाते देख रास्ते में मौजूद श्रद्धालुओं ने उनका अभिवादन किया। कई लोगों ने उनके साथ तस्वीरें और सेल्फी भी लीं।मीडिया से बातचीत में एसपी अमन कुमार ने बताया कि उनकी मां लंबे समय से छठ व्रत करती आ रही हैं। इससे पहले गिरिडीह में परिवार के साथ छठ मनाते थे। हजारीबाग में पहली बार परिवार के साथ छठ महापर्व मनाने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि छठ बेहद शांत, पवित्र और अनुशासित पर्व है। इसमें अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य दोनों की उपासना की जाती है। मां को व्रत करते देखना और उनके साथ इस पर्व की परंपराओं में शामिल होना सुखद अनुभूति है। उन्होंने जिलेवासियों को छठ महापर्व एवं गोपाष्टमी मेले की शुभकामनाएं भी दीं। छठ महापर्व को लेकर एसपी आवास को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया था। खरना के अवसर पर भी पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ पूजा-अर्चना की गई। पूरे पर्व के दौरान पुलिस अधीक्षक पारंपरिक भारतीय परिधान कुर्ता-पायजामा में नजर आए। छठ महापर्व की यह तस्वीर सामाजिक समानता और समरसता का संदेश देती है। पर्व के दौरान पद, प्रतिष्ठा और ऊंच-नीच का भेद समाप्त हो जाता है। समाज के सभी वर्गों के लोग एक ही घाट पर एक साथ भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करते हैं। वर्दी में कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालने वाले पुलिस अधीक्षक का आम श्रद्धालु की तरह दौरा लेकर घाट पहुंचना इसी परंपरा और लोक आस्था के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

छठ के बाद मीठा तालाब की सफाई में जुटा नगर निगम, पूजा सामग्री का किया उठाव



बिभा संवाददाता

हजारीबाग : छठ महापर्व के समापन के बाद शहर के तालाबों एवं जलाशयों को स्वच्छ रखने के उद्देश्य से हजारीबाग नगर निगम की ओर से स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज मीठा तालाब परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान तालाब एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में जमा पूजा सामग्री, कचरा और अन्य अपशिष्ट का उठाव कर व्यापक स्तर पर साफ-सफाई की गई।इस अभियान में नगर आयुक्त, उपमहापौर, सहायक नगर आयुक्त, वार्ड पार्षद, नगर निगम के अधिकारी एवं सफाई मित्र शामिल हुए। सभी ने मिलकर तालाब परिसर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने में योगदान दिया। छठ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण तालाबों के आसपास जमा पूजा सामग्री एवं अन्य अपशिष्ट को हटाने के लिए यह विशेष अभियान चलाया गया।

नगर निगम प्रशासन द्वारा केवल मीठा तालाब ही नहीं, बल्कि शहर के अन्य तालाबों एवं जलाशयों में भी चरणबद्ध तरीके से स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य जलाशयों को स्वच्छ रखने के साथ-साथ शहरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है।

नगर निगम प्रशासन ने शहरवासियों से अपील की है कि तालाबों एवं जलाशयों में पूजा सामग्री, प्लास्टिक, कचरा अथवा अन्य अपशिष्ट नहीं डालें। धार्मिक आस्था के साथ पर्यावरण और जलस्रोतों की स्वच्छता का भी ध्यान रखें। स्वच्छता अभियान को सफल बनाने में नगरवासियों की सहभागिता बेहद जरूरी है।

भारत के आर्थिक विकास में राज्यों को बढ़ानी होगी अपनी हिस्सेदारी



प्रहलाद सबनानी

वर्तमान में जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान सबसे बड़े राज्यों की श्रेणी में गिने जाते हैं। परंतु, 1980 के दशक में इन राज्यों को 'बीमारु' राज्य की संज्ञा दी गई थी, क्योंकि इन राज्यों की जनसंख्या सबसे अधिक थी, भारत के 10 में से 4 नागरिक इन राज्यों में निवास करते थे।

भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देश के समस्त राज्यों को देश के आर्थिक विकास में अपनी भागीदारी बढ़ानी होगी। विशेष रूप से उन राज्यों को, जिनकी आर्थिक विकास दर देश की औसत आर्थिक विकास दर से नीचे है। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए औसतन 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की आर्थिक विकास दर हासिल करना आवश्यक है।

वर्तमान में जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान सबसे बड़े राज्यों की श्रेणी में गिने जाते हैं। परंतु, 1980 के दशक में इन राज्यों को ÷बीमारु÷ राज्य की संज्ञा दी गई थी, क्योंकि इन राज्यों की जनसंख्या सबसे अधिक थी, भारत के 10 में से 4 नागरिक इन राज्यों में निवास करते थे। साथ ही, इन राज्यों की आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से बहुत कम थी जिससे इन राज्यों की प्रति व्यक्ति आय भी बहुत कम थी।

वर्ष 2000-01 में उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कुल योगदान 22 प्रतिशत था जो वर्ष 2034-24 में घटकर 21 प्रतिशत हो गया। पिछले, लगभग 25 वर्षों के दौरान देश के इन चारों बड़े राज्यों का देश के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान लगभग उसी स्तर पर बना रहा है, जो एक चिन्तनीय विषय होना चाहिए। यदि देश के सबसे बड़े राज्यों का देश के आर्थिक विकास में योगदान नहीं बढ़ेगा तो भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में किस प्रकार शामिल हो सकता है। अतः उक्त बड़े चारों राज्यों को अपने आर्थिक विकास को गति देना अब एक आवश्यक आवश्यकता बन गया है।

वर्ष 2024-25 के प्रति व्यक्ति आय (तस्ष्ठक्क) के आंकड़ों पर यदि नजर डालें तो ध्यान में आता है कि भारत में प्रति व्यक्ति आय का स्तर 234,859 रुपए प्रतिवर्ष था। जबकि बिहार में प्रति व्यक्ति आय 76,000 रुपए प्रतिवर्ष थी, उत्तर प्रदेश में यह 126,304 रुपए थी, मध्य प्रदेश में 170,320 रुपए थी एवं राजस्थान में 206,440 रुपए थी। भारत में प्रति व्यक्ति आय बिहार में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में तीन गुणा अधिक है। जबकि उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय लगभग दोगुनी है। मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय बहुत अधिक है। पूरे भारत में बेरोजगारी की दर 5.1 प्रतिशत है जबकि, राजस्थान में 7.7 प्रतिशत एवं बिहार में 7.3 प्रतिशत है। विशेष रूप से बिहार एवं उत्तर प्रदेश से रोजगार पाने के उद्देश्य से नागरिकों का देश के अन्य प्रदेशों में पलायन 37 प्रतिशत है। अर्थात, पूरे देश में एक राज्य से



दूसरे राज्यों में होने वाले नागरिकों के पलायन का 37 प्रतिशत हिस्सा केवल बिहार एवं उत्तर प्रदेश का होता है। क्योंकि, इन राज्यों में रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो रहे हैं एवं इन प्रदेशों के नागरिक मजबूरी में अन्य राज्यों को पलायन करते हैं ताकि उन्हें अन्य राज्यों में रोजगार प्राप्त हो सके।

उक्त कारणों के चलते ही, उक्त चारो राज्यों को ÷बीमारु÷ राज्यों की संज्ञा दी गई थी। परंतु, हाल ही के समय में इन राज्यों में, विशेष रूप से, आर्थिक क्षेत्र में, परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। उक्त चारों राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान, भारत में कृषि के औसत योगदान की तुलना में, बहुत अधिक है। अर्थात इन राज्यों में उद्योगों का विकास नहीं हो पाया है। मध्यप्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 47 प्रतिशत है, जबकि उद्योग क्षेत्र का योगदान 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान 33 प्रतिशत है। प्रदेश की अधिकतम आबादी ग्रामीण इलाकों में निवास करती है एवं अपने रोजगार के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। अधिक आबादी के कृषि क्षेत्र पर निर्भर होने के चलते प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय भी कम हो जाती है। उद्योग एवं सेवा क्षेत्र के विकसित नहीं होने के चलते इन क्षेत्रों में रोजगार के कम अवसर निर्मित होते हैं एवं मजबूरी में प्रदेश की अधिकतम जनसंख्या को कृषि क्षेत्र पर निर्भर होना पड़ता है अथवा रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों को पलायन करना होता है। इसी प्रकार, राजस्थान में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 31 प्रतिशत हिस्सा कृषि क्षेत्र से आता है, 26 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 43 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। उत्तर प्रदेश के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 28 प्रतिशत कृषि क्षेत्र, 28 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र एवं 44 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। बिहार में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 25 प्रतिशत कृषि क्षेत्र से, 18 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 57 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। जबकि, भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 16 से 18 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र का योगदान लगभग 18 से 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान लगभग 62 से 64 प्रतिशत है।

हाल ही के समय में, उक्त चारों राज्यों में औद्योगिक विकास के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जैसे उत्तर प्रदेश ने मोबाइल उत्पादन के क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया है। मध्य प्रदेश, ऑटोमोबाईल उत्पादन के क्षेत्र में एक हब के रूप में विकसित हो चुका है। इंदौर के आसपास विकसित किए गए ऑटोमोबाईल हब में 10 से अधिक चार पहिया उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं एवं 200 से अधिक ऑटो कम्पोनेंट का उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं। बिहार शिक्षा के क्षेत्र में अव्वल माना जाता है एवं मखाना उत्पादन के क्षेत्र में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। बिहार ने गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या को बहुत बड़ी मात्रा में तेजी से कम करने में सफलता प्राप्त कर ली है। राजस्थान भी 10 वर्ष पूर्व ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या को कम करने में सफल रहा है। सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज उत्तर प्रदेश, देश में तीसरे स्थान पर आ गया है। राजस्थान 6ठे स्थान पर, मध्य प्रदेश 10वें स्थान पर एवं बिहार 14वें स्थान पर आ गए हैं।

हाल ही के समय में उक्त चारों राज्यों में आर्थिक विकास ने कुछ गति जरूर पकड़ी है परंतु यह पर्याप्त नहीं है क्योंकि इन चारों राज्यों की तुलना में गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, दिल्ली आदि राज्य तुलनात्मक रूप से बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। विशेष रूप से औद्योगिक विकास के क्षेत्र में मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं बिहार को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उद्योग जगत के लिए मित्रवत नीतियों को बनाकर औद्योगिक इकाईयों की स्थापना को इन राज्यों को बढ़ावा देना होगा, ताकि इन राज्यों में कृषि के क्षेत्र पर दबाव कम हो एवं उद्योग एवं सेवा क्षेत्रों का योगदान न केवल सकल घरेलू उत्पाद में बल्कि रोजगार के नए अवसर निर्मित करने में भी बढ़े।

आज, उक्त चारों राज्य ÷बीमारु÷ राज्य की श्रेणी से तो बाहर निकल आए हैं, परंतु भारत को विकसित राष्ट्र बनाने हेतु अपने योगदान को बढ़ाने के लिए इन राज्यों को विशेष प्रयास करने होंगे। इन राज्यों के नागरिकों को आगे आने वाले कुछ वर्षों तक केवल अपने प्रदेश के आर्थिक विकास पर ही ध्यान देने की आवश्यकता है। इन राज्यों में विभिन्न समाजों को विशेष प्रयास करते हुए, प्रदेश में किसी भी प्रकार का आंदोलन नहीं होने देना चाहिए। दरअसल, भारत आज विकास के उस चक्र में पहुंच गया है, जहां किसी भी प्रकार का आंदोलन देश के आर्थिक विकास की गति को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकता है। अतः समाज की सज्जन शक्ति को इस ओर विशेष ध्यान देकर समस्त समाज के नागरिकों को अपने कर्तव्यों के प्रति सचेत करते हुए प्रदेश में शांति स्थापित करने के प्रयास तेज करने की आवश्यकता है। प्रदेश की सरकारें तो आर्थिक नीतियों को लागू करने के प्रयास कर ही रही हैं परंतु, समाज को भी संगठित होकर अपने नागरिक कर्तव्यों का अनुपालन सुनिश्चित करने की महती आवश्यकता है। प्रदेश का आर्थिक विकास की गति को बढ़ाना, अर्थात मां भारती को पुनः विश्व गुरु के रूप में आरूढ़ करने की ओर एक कदम बढ़ाने का प्रयास माना जाना चाहिए। आज उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात द्वारा अपने प्रदेश की अर्थव्यवस्था के आकार को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर ले जाने के भरपूर प्रयास किया जा रहे हैं। इसी प्रकार के प्रयास, मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं बिहार राज्यों द्वारा भी किए जाने चाहिए, ताकि शीघ्र ही भारत की अर्थव्यवस्था के आकार को 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के ऊपर लाया जा सके एवं भारत की अर्थव्यवस्था को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया जा सके।

संपादकीय

मुश्किलों के डेटा सेंटर

आज चारों तरफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का हौवा नजर आता है, जिसके लिए मानव की नैसर्गिक प्रतिभा और जीवन के जरूरी अवयवों को नजरअंदाज किया जा रहा है। माना कि एआई के विस्तार से आर्थिक विकास के नए अवसर पैदा हो रहे हैं, जिसके लिए डेटा सेंटरों का तेजी से अंधाधुंध विस्तार हो रहा है। वहीं दूसरी ओर, अमेरिका, यूरोप और भारत में इनके खिलाफ बढ़ता विरोध एक अहम चेतावनी भी है। निस्संदेह, तकनीकी प्रगति होनी चाहिए, लेकिन इसकी कीमत समाज और पर्यावरण को नहीं चुकानी चाहिए। अमेरिका में हालिया मध्यावधि चुनावों में डेटा सेंटर परियोजनाओं को लेकर लोगों का गुस्सा भी सामने आया है। वास्तव में, दुनिया भर के लोग डेटा सेंटरों को चलाने में इस्तेमाल होने वाली भारी-भरकम बिजली और पानी के बेतहाशा इस्तेमाल को लेकर नाराज हैं। वे स्थानीय संसाधनों पर पड़ने वाले इनके नकारात्मक प्रभावों को लेकर चिंतित हैं। यही वजह है कि अमेरिका के टेक्सास में पानी की घटती आपूर्ति को लेकर किसानों का गुस्सा वहां एक राजनीतिक मुद्दा बन गया है। कमोबेश ऐसा ही गुस्सा अमेरिका के अन्य राज्यों और कुछ यूरोपीय देशों में भी देखने को आ रहा है। इस विरोध का संदेश साफ है कि लोग अब उन बड़े फैसलों पर अपनी राय रखना चाहते हैं, जिनका असर उनके जीवन पर सीधा पड़ता है। इसी तरह, भारत में भी महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्य आज इस मुद्दे को लेकर अहम मोड़ पर खड़े नजर आते हैं।

निस्संदेह, बड़े डेटा सेंटर प्रस्ताव निवेश की महत्वाकांक्षी पहल के साथ डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत कर सकते हैं। इससे रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। लेकिन इसके बावजूद कंपनियों को संसाधनों के प्रबंधन के जवाबदेह तौर-तरीकों को प्राथमिकता देनी चाहिए। हर डेटा सेंटर परियोजना में तीन मुख्य पहलुओं पर ध्यान देना चाहिए, जिनमें व्यापार, समुदाय और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाया जाए। कंपनियों को ऊर्जा की खपत कम करने वाली तकनीकों, नवीकरणीय ऊर्जा और टिकाऊ कूलिंग सिस्टम को प्राथमिकता देनी चाहिए। वहीं, कम-से-कम पानी की खपत करने वाली तकनीकों में निवेश करना चाहिए। आंध्र प्रदेश के भोगापुरम में हालिया स्थानीय निकाय चुनावों में दो किसान जीते, जिसकी मुख्य वजह यह थी कि डेटा सेंटरों को लेकर उनकी चिंताएं मतदाताओं को तार्किक लगीं। किसी भी परियोजना को मंजूरी मिलने से पहले वहां के निवासियों को संसाधनों की खपत, पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव और परियोजना से होने वाले आर्थिक लाभों की जानकारी दी जानी चाहिए। विकास कार्यों में स्थानीय लोगों को केवल मूकदर्शक मानने के बजाय उनकी अहम हिस्सेदारी होनी चाहिए। निस्संदेह, डेटा सेंटर भारत के डिजिटल भविष्य को गति देने में योगदान कर सकते हैं। लेकिन इनकी सफलता को केवल निवेश के आंकड़ों या कंप्यूटिंग क्षमता से ही नहीं मापा जा सकता। वास्तव में, यह देखा जाना चाहिए कि स्थानीय लोगों को कितने रोजगार मिले, वहां कितने संसाधनों की बचत की गई और इससे स्थानीय समुदायों को कितना संबल मिला। सही मायने में, किसी भी विकास का लाभ सभी हितधारकों को मिलना चाहिए, न कि केवल बड़ी तकनीकी कंपनियों को।

चिंतन-मनन

चैतन्यता जरूरी

स्मृति और विस्मृति दोनों संतुलन अपेक्षित हैं। कुछेक व्यक्तियों में विस्मृति की बड़ी मात्रा होती है। वह हमारी चेतना की स्थिति को बहुत स्पष्ट करता है। एक व्यंग्य है। दो बहनें मिलीं। एक स्त्री ने कहा, मेरा पति बहुत भुलक्कड़ है। एक दिन बाजार में गया सब्जी लाने के लिए। बाजार में घूम-घामकर घर लौटा। आते ही पूछा, अरे! मैं बाजार गया था, पर याद नहीं रहा कि मैं बाजार क्यों गया हूं? कितना भुलक्कड़! दूसरी स्त्री बोली, अरे! बस इतना ही भुलक्कड़! मेरा पति इससे बहुत आगे है। उसके भुलक्कड़पन की बात सुनोगी तो आश्चर्यचकित रह जाओगी। एक दिन की बात है। वह मित्रों के साथ बाजार में घूम रहा था। अकस्मात् ऐसा योग मिल गया कि मैं उधर से निकली। मुझे देखते ही उसने कहा, बहनजी! नमस्ते। आपको कहीं देखा है। आपकी सूरत परिचित-सी लगती है। कितनी विस्मृति! विस्मृति एक व्यापक बीमारी है। कुछेक लोग इसके शिकार हो जाते हैं। उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जीवन में स्मृति और विस्मृति का संतुलन होना चाहिए। हम याद भी रख सकें और भूल भी सकें। याद रखना ही पर्याप्त नहीं होता, भूलना भी आवश्यक होता है। जीवन की अनेक घटनाएं ऐसी होती हैं जिनको भूल जाना ही श्रेयस्कर होता है। कुछ प्रिय घटनाएं भी भूलने योग्य होती हैं और अप्रिय घटनाएं भी भूलने योग्य होती हैं। यदि उनका भार ढोते ही जाएं तो दुख का कहीं अन्त नहीं होगा।

महंगाई में आर्थिक संतुलन समझने की जरूरत



कांतिलाल मांडोत

त्योहारों में बढ़ती मांग और बाजार की हलचल से कीमतों में उछाल स्वाभाविक लेकिन आम आदमी की जेब का ध्यान रखना भी जरूरी

देश में खुदरा महंगाई दर का अक्टूबर में बढ़कर 6.09 प्रतिशत तक पहुंचना अर्थव्यवस्था और आम उपभोक्ता दोनों के लिए चर्चा का विषय बन गया है। सितंबर में खुदरा महंगाई 5.54 प्रतिशत थी, जो अक्टूबर में बढ़कर भारतीय रिजर्व बैंक की निर्धारित छह प्रतिशत की ऊपरी सीमा को भी पार कर गई। पिछले बारह महीनों के आंकड़ों पर नजर डालें तो महंगाई में लगातार बढ़ोतरी का रुझान दिखाई देता है। प्याज, लहसुन, दूध, अंडे और डेयरी उत्पादों सहित रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ने से घरेलू बजट पर दबाव पड़ा है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी महंगाई को प्रभावित कर रहा है। हालांकि महंगाई के इस आंकड़े को केवल नकारात्मक दृष्टि से देखने के बजाय इसके पीछे बाजार की परिस्थितियों, मांग और आपूर्ति के संतुलन को भी समझना आवश्यक है।

भारत जैसे विशाल देश में महंगाई का संबंध केवल उत्पादन लागत से नहीं होता, बल्कि त्योहारों, मौसम, परिवहन, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और उपभोक्ताओं की खरीद क्षमता से भी जुड़ा होता है। दीपावली जैसे महान पर्व पर बाजारों में जिस प्रकार रौनक दिखाई देती है, वह भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवंतता का प्रमाण है। दीपावली के अवसर पर देश के प्रत्येक वर्ग में खरीदारी का उत्साह रहता है। घरों की सजावट, कपड़े, आभूषण, मिठाइयां, इलेक्ट्रॉनिक सामान, वाहन और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की मांग अचानक बढ़ जाती है। व्यापारियों से लेकर छोटे दुकानदारों और कारीगरों तक सभी के कारोबार में तेजी आती है। ऐसे समय में वस्तुओं की मांग बढ़ना स्वाभाविक है और यदि मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं हो पाती तो कीमतों में बढ़ोतरी होना भी बाजार के सामान्य नियमों में शामिल है। दीपावली केवल धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व नहीं है, बल्कि यह देश की आर्थिक गतिविधियों को गति देने वाला अवसर भी है। इस समय लोगों के हाथों में धन का प्रवाह बढ़ता है। वे पूरे वर्ष की जरूरतों और इच्छाओं को पूरा करने के लिए खरीदारी करते हैं। उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है, परिवहन व्यवसाय को काम मिलता है, बाजारों में व्यापार बढ़ता है और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। विशेष रूप से सूरत जैसे औद्योगिक और व्यापारिक शहरों में दीपावली का आर्थिक महत्व और भी अधिक है। यहां कपड़ा, हीरा, निर्माण, छोटे उद्योगों और विभिन्न सेवा क्षेत्रों से लाखों लोग जुड़े हुए हैं। त्योहारों के दौरान इन क्षेत्रों में होने वाली आर्थिक गतिविधियां स्थानीय व्यापार और रोजगार को मजबूती प्रदान करती हैं।

महंगाई को समझने के लिए मांग और आपूर्ति का सिद्धांत महत्वपूर्ण है। जब किसी वस्तु की मांग बढ़ती है और बाजार में उसकी उपलब्धता सीमित रहती है तो कीमतों में वृद्धि होती है। इसके विपरीत उत्पादन अधिक हो और मांग कम हो तो कीमतों में गिरावट आने लगती है। इसलिए दीपावली के दौरान कुछ वस्तुओं के दाम बढ़ने को बाजार की परिस्थितियों से अलग करके नहीं देखा जा सकता। हालांकि त्योहारों के नाम पर अनावश्यक मूल्य वृद्धि, जमाखोरी और कालाबाजारी को उचित नहीं ठहराया जा सकता। मांग बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि व्यापारी मनमाने दाम वसूलें। बाजार में पारदर्शिता और उचित मूल्य व्यवस्था बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

अक्टूबर में ग्रामीण महंगाई का 6.63 प्रतिशत और शहरी महंगाई का 5.41 प्रतिशत तक पहुंचना भी महत्वपूर्ण संकेत है। ग्रामीण क्षेत्रों में परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा खाद्यान्न, सब्जियों और दैनिक जरूरतों पर खर्च करते हैं। इसलिए खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर उनके घरेलू बजट पर पड़ता है। शहरों में किराया, शिक्षा, चिकित्सा और परिवहन जैसे खर्च भी परिवार की आर्थिक स्थिति को प्रभावित करते हैं। इस कारण महंगाई का प्रभाव दोनों क्षेत्रों में अलग-अलग दिखाई देता है, लेकिन सबसे अधिक परेशानी सीमित आय वाले परिवारों को होती है। भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई को नियंत्रित रखने के लिए मौद्रिक नीतियों का सहारा लेता है। आवश्यकता पड़ने पर ब्याज दरों में वृद्धि करके बाजार में कर्ज और खर्च की गति को नियंत्रित करने का प्रयास किया जाता है। लेकिन ब्याज दरें बढ़ने से गृह ऋण, वाहन ऋण और अन्य कर्ज भी महंगे हो सकते हैं। इसका बोझ मध्यम वर्ग और छोटे कारोबारियों पर पड़ता है। इसलिए महंगाई पर नियंत्रण के लिए केवल ब्याज दरों में बदलाव पर्याप्त नहीं है। कृषि उत्पादन बढ़ाने, खाद्य पदार्थों की आपूर्ति मजबूत करने, भंडारण व्यवस्था सुधारने और परिवहन लागत कम करने जैसे उपाय भी जरूरी हैं। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां भी भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती हैं। मध्य पूर्व में तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर पेट्रोलियम उत्पादों, परिवहन और उत्पादन लागत पर पड़ता है। यदि कच्चे तेल की कीमतें घटती हैं तो महंगाई के दबाव में राहत मिल सकती है। इसके विपरीत तेल महंगा होने पर वस्तुओं की ढुलाई और निर्माण लागत बढ़ सकती है, जिसका असर अंततः उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ता है।

वास्तविक आवश्यकता महंगाई से घबराने की नहीं, बल्कि उसके कारणों को समझकर संतुलित आर्थिक व्यवस्था बनाने की है। त्योहारों में बाजार की बढ़ती गतिविधियां अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक हैं, लेकिन आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आम आदमी की पहुंच से बाहर नहीं होनी चाहिए। सरकार को जमाखोरी पर निगरानी रखनी चाहिए और उत्पादन तथा आपूर्ति के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए। व्यापारियों को भी सामाजिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उपभोक्ताओं को अपनी आय के अनुसार समझदारी से खर्च करना चाहिए। आर्थिक विकास तभी सार्थक होगा जब बाजार में रौनक के साथ आम परिवारों के घरों में भी खुशहाली बनी रहे। महंगाई का वास्तविक समाधान उत्पादन, आपूर्ति, पारदर्शिता और जनहित के बीच उचित संतुलन स्थापित करने में ही निहित है।

गोपाष्टमी : आस्था के बीच गौवंश के अस्तित्व और गौशालाओं की चिंता



कुमार कृष्णन

गोपाष्टमी का पर्व आते ही भारतीय समाज में गाय के प्रति श्रद्धा और आस्था का भाव मुखर हो उठता है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की अष्टमी को मनाया जाने वाला यह पर्व गाय और बछड़ों की पूजा-अर्चना, सेवा तथा उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। भारतीय कृषि और ग्रामीण जीवन में गाय का ऐतिहासिक महत्व रहा है। उसने केवल दूध ही नहीं दिया, बल्कि खेती-किसानी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पारिवारिक जीवन को भी सहारा दिया है। भारतीय लोकजीवन में गाय का स्थान इसी कारण विशेष रहा है। लेकिन गोपाष्टमी के अवसर पर एक सवाल हमारी सामूहिक चेतना के सामने खड़ा होता है–जिस गाय की हम पूजा करते हैं, क्या उसके अस्तित्व, जीवन और सम्मान की रक्षा भी करते हैं?

धार्मिक अनुष्ठानों में गाय को तिलक लगाया जाता है, फूलों की माला पहनाई जाती है और उसे गुड़ तथा हरा चारा खिलाया जाता है। मंदिरों और गौशालाओं में विशेष आयोजन होते हैं। लोग गौसेवा का संकल्प लेते हैं। लेकिन पर्व समाप्त होते ही क्या यह संकल्प भी समाप्त हो जाता है? क्या हमारी चिंता उन गायों तक पहुंचती है, जो सड़कों पर कचरे के ढेर में भोजन तलाशती हैं, प्लास्टिक खाती हैं, दुर्घटनाओं का शिकार होती हैं या गौशालाओं में पर्याप्त चारे और पानी के अभाव में जीवन बिताती हैं? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि आज गौवंश का अस्तित्व केवल उपेक्षा और कुपोषण से ही नहीं, बल्कि बदलती कृषि व्यवस्था, देशी नस्लों के संरक्षण की कमी और पशुपालन के आर्थिक संकट से भी प्रभावित हो रहा है।

गौशालाओं की स्थिति इस प्रश्न को और गंभीर बनाती है। देश के अनेक हिस्सों में गौशालाएं धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं द्वारा संचालित हैं। कुछ संस्थाएं निष्ठा और समर्पण के साथ बेसहारा तथा बीमार पशुओं की देखभाल करती हैं। लेकिन कई स्थानों पर गौशालाओं के सामने संसाधनों की कमी, अपर्याप्त भूमि, चारे की अनुपलब्धता, पशु चिकित्सा सुविधाओं का अभाव और आर्थिक संकट जैसी समस्याएं हैं। कहीं पशुओं की संख्या उपलब्ध संसाधनों से अधिक है, तो कहीं स्वच्छता और उचित देखरेख की व्यवस्था कमजोर है। कई गौशालाओं में पशुओं को रखने की जगह तो है, लेकिन उनके लिए पर्याप्त भोजन, स्वच्छ पानी और नियमित चिकित्सा की व्यवस्था नहीं है।

गौशाला का अर्थ केवल गायों को एक परिसर में बंद कर देना नहीं है। उसका वास्तविक उद्देश्य पशुओं को सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना है। इसके लिए पर्याप्त जगह, पौष्टिक चारा, स्वच्छ पेयजल, नियमित स्वास्थ्य जांच, बीमार पशुओं के लिए अलग व्यवस्था और प्रशिक्षित देखभालकर्ताओं की जरूरत होती है। यदि इन बुनियादी सुविधाओं का अभाव है तो गौशाला का अस्तित्व अपने उद्देश्य से भटक जाता है। गौशालाओं की सफलता का मूल्यांकन वहां रखे गए पशुओं की संख्या से नहीं, बल्कि उनकी सेहत, पोषण और जीवन की गुणवत्ता से होना चाहिए।

आज गौवंश के अस्तित्व पर मंडराता संकट एक व्यापक चिंता का विषय है। देशी गोवंश की अनेक नस्लों के संरक्षण का सवाल गंभीर होता जा रहा है। आधुनिक पशुपालन में अधिक दूध देने वाली नस्लों और संकर प्रजातियों पर बढ़ते जोर के बीच देशी नस्लों की पहचान, उपयोगिता और उनके संरक्षण को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल पा रही है। देशी नस्लें केवल पशुधन नहीं, बल्कि भारतीय कृषि, जलवायु और ग्रामीण जीवन के अनुभवों से विकसित हुई जैविक विरासत हैं। उनकी अनदेखी का अर्थ इस विरासत के एक महत्वपूर्ण हिस्से को खोने का खतरा भी है।

दूसरी ओर, खेती में मशीनीकरण, चरागाहों का सिमटना, पशुपालन की बढ़ती लागत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आए बदलावों ने गाय की पारंपरिक भूमिका को प्रभावित किया है। गांवों में कभी पशुओं के लिए सामुदायिक चरागाह और पर्याप्त खुली जमीन उपलब्ध होती थी। अब जमीन पर बढ़ते दबाव, शहरीकरण और अन्य उपयोगों के कारण चराई के पारंपरिक संसाधन लगातार सीमित हो रहे हैं। पशुपालकों के सामने चारा जुटाना भी कठिन होता जा रहा है। ऐसे में गौवंश का संरक्षण केवल धार्मिक भावना का विषय नहीं रह जाता, बल्कि भूमि, कृषि, पर्यावरण और ग्रामीण आजीविका से जुड़ा प्रश्न बन जाता है।

एक बड़ी समस्या उन गायों की भी है, जो दूध देना बंद कर देती हैं या उम्र और बीमारी के कारण आर्थिक रूप से अनुपयोगी समझी जाने लगती हैं। पशुपालन की व्यावसायिक व्यवस्था में जब किसी पशु की आर्थिक उपयोगिता समाप्त हो जाती है, तब उसके पालन-पोषण का प्रश्न खड़ा होता है। कई पशुपालक आर्थिक विवशता में ऐसे पशुओं को छोड़ देते हैं। परिणामस्वरूप वे सड़कों, खेतों और बाजारों में भटकती हैं। खेतों में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचाने के कारण ग्रामीणों और किसानों के साथ उनका टकराव भी बढ़ता है। इस समस्या का समाधान केवल भावनात्मक अपील से नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था से संभव है जिसमें पशुपालकों, स्थानीय निकायों और सरकार की जिम्मेदारी स्पष्ट हो।

शहरी क्षेत्रों में आवारा पशुओं की समस्या भी इसी संकट का हिस्सा है। सड़कों पर घूमती गायें यातायात दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं और स्वयं भी घायल होती हैं। कूड़े के ढेर से भोजन तलाशते हुए उनके पेट में प्लास्टिक और अन्य हानिकारक पदार्थ पहुंच जाते हैं। प्लास्टिक का सेवन उनके स्वास्थ्य और जीवन के लिए गंभीर खतरा बनता है। यह केवल पशु कल्याण का मामला नहीं, बल्कि शहरी प्रशासन, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक सुरक्षा से भी जुड़ा प्रश्न है। नगर निकायों को आवारा पशुओं के लिए सुरक्षित आश्रय, पशु चिकित्सा और चारे की व्यवस्था के साथ-साथ कचरा प्रबंधन को भी प्राथमिकता देनी चाहिए।

गौशालाओं की बदहाली के पीछे आर्थिक संसाधनों का संकट भी एक बड़ा कारण है। कई गौशालाएं दान और समाज के सहयोग पर निर्भर हैं। नियमित आय का स्रोत नहीं होने के कारण उनके सामने पशुओं के चारे, दवाइयों और कर्मचारियों के वेतन का खर्च उठाना कठिन हो जाता है। सरकारी अनुदान की व्यवस्था जहां उपलब्ध है, वहां उसकी पारदर्शिता और समय पर उपलब्धता भी महत्वपूर्ण है। केवल गौशाला खोल देना पर्याप्त नहीं है। यह देखना भी जरूरी है कि वहां कितने पशु हैं, उनके लिए कितनी जगह उपलब्ध है, उन्हें कितना चारा मिल रहा है और उनकी चिकित्सा की क्या व्यवस्था है।

सरकार की जिम्मेदारी है कि वह गौशालाओं के संचालन के लिए स्पष्ट मानक बनाए और उनका नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करे। अनुदान देने के साथ यह भी देखा जाना चाहिए कि धन का उपयोग वास्तव में पशुओं की देखभाल पर हो रहा है या नहीं। गौशालाओं की स्थिति, पशुओं की संख्या, स्वास्थ्य सुविधाओं और उपलब्ध संसाधनों की जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए। स्थानीय पंचायतों, नगर निकायों और पशुपालन विभाग के बीच समन्वय से इस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। देशी नस्लों के संरक्षण के लिए वैज्ञानिक प्रजनन कार्यक्रम, पशु चिकित्सा सुविधाएं और पशुपालकों को प्रोत्साहन भी जरूरी हैं। चरागाहों के संरक्षण और विकास को ग्रामीण विकास की योजनाओं से जोड़ा जाना चाहिए। इसके साथ ही समाज की भूमिका को भी कम करके नहीं आंका जा सकता। गौसेवा केवल किसी धार्मिक आयोजन या दान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। स्थानीय समुदाय नियमित रूप से गौशालाओं की स्थिति का जायजा ले सकते हैं। पशुओं के लिए चारा, पानी और दवाइयों की व्यवस्था में सहयोग कर सकते हैं।

भारत के अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के द्वार खोलना: निजी क्षेत्र की भागीदारी को सक्षम बनाना

बिहान भारत

भारत की अंतरिक्ष यात्रा इसरो (ISRO) और अंतरिक्ष विभाग के नेतृत्व में एक मजबूत, सरकारी संस्थागत आधार के साथ शुरू हुई। जैसे-जैसे क्षमताएं परिपक्व हुईं, सरकार ने एक अधिक सहायक दृष्टिकोण अपनाया, जिसने सार्वजनिक क्षेत्र के नेतृत्व को बनाए रखते हुए निजी नवाचार, निवेश और उद्यमिता को प्रोत्साहित किया। नीतिगत सुधारों ने गैर-सरकारी संस्थाओं (NGEs) के लिए संपूर्ण अंतरिक्ष मूल्य श्रृंखला के द्वार खोल दिए, जिसमें सरकार और निजी संस्थाओं के बीच एकल-खिड़की इंटरफेस के रूप में 'इन-स्पेस' (IN-SPACe) और वाणिज्यिक शाखा के रूप में 'न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड' (NSIL) की भूमिका प्रमुख है। 'भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023' ने प्रत्येक संस्थान की भूमिका को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया, जबकि उदार विदेशी निवेश नियमों, स्पष्ट प्राधिकरण प्रक्रियाओं और समर्पित वित्तपोषण योजनाओं ने स्टार्ट-अप्स को संबल प्रदान किया। ये कदम निरंतर एक सहयोगी, उद्योग-नेतृत्व वाले और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहे हैं।

यह सब कहां से शुरू हुआ -सरकारी नींव से से वैश्विक नेतृत्व तक

पिछले एक दशक में भारत की अंतरिक्ष यात्रा में उल्लेखनीय बदलाव आया है। यह अग्रणी वैज्ञानिक अनुसंधान से विकसित होकर वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी अंतरिक्ष कार्यक्रम बन गई है। यह प्रगति निरंतर राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा, संस्थागत दूरदर्शिता और स्वदेशी तकनीकी नवाचार को दशार्ती है। आज भारत एक अधिक व्यावसायिक रूप से गतिशील अंतरिक्ष क्षेत्र की दिशा में आगे बढ़ रहा है। निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी से इसकी औद्योगिक और तकनीकी क्षमताओं का और विस्तार हो रहा है।

इस यात्रा की नींव एक मजबूत संस्थागत ढांचे के माध्यम से रखी गई थी। भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति (INCOSPAR) की स्थापना वर्ष 1962 में की गई थी। यह परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन कार्य करती थी और भारत की शुरूआती अंतरिक्ष अनुसंधान पहलों का नेतृत्व करती थी। इसके बाद, अगस्त 1969 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) की स्थापना की गई, जिसने INCOSPAR का स्थान लिया। जून 1972 में सरकार ने अंतरिक्ष आयोग का गठन किया और अंतरिक्ष विभाग (DoS) की स्थापना की। सितंबर 1972 में इसरो को अंतरिक्ष विभाग के अधीन कर दिया गया।

जैसे-जैसे भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं का विकास हुआ, सरकार ने व्यापक संस्थागत भागीदारी की आवश्यकता को पहचाना। इसके लिए मुख्य रूप से सरकार के नेतृत्व वाले संचालन ढांचे से आगे बढ़ना आवश्यक था। इसी के अनुरूप, सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र के प्रशासन के लिए अधिक सुविधाजनक और परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण अपनाया। इस दृष्टिकोण में सार्वजनिक क्षेत्र के नेतृत्व को बनाए रखते हुए निजी नवाचार, निवेश और उद्यमिता को प्रोत्साहित किया गया।

इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम 24 जून 2020 को उठाया गया। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अंतरिक्ष गतिविधियों में निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी को सक्षम बनाने वाले सुधारों को मंजूरी दी। इन सुधारों ने सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के सहयोग पर आधारित मॉडल की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव किया। साथ ही, इन्होंने अधिक प्रतिस्पर्धी और व्यावसायिक रूप से संचालित अंतरिक्ष क्षेत्र की नींव रखी। इन सुधारों ने भारत की अंतरिक्ष गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले संस्थागत ढांचे को नए सिरे से परिभाषित किया। इसके माध्यम से निजी क्षेत्र को राष्ट्रीय क्षमताओं, व्यावसायिक अवसरों और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को आगे बढ़ाने में एक सक्रिय भागीदार के रूप में स्थापित किया गया।

प्रमुख संकेतक

भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में बदलाव के व्यापक स्तर को दशार्ते हुए

अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में वृद्धिः अगस्त 2026 में भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का अनुमान लगभग 9 अरब अमेरिकी डॉलर लगाया गया, जबकि वर्ष 2023 में यह लगभग 8.4 अरब अमेरिकी डॉलर (वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का लगभग 2 प्रतिशत) थी।

स्टार्टअप की वृद्धिः पंजीकृत अंतरिक्ष स्टार्टअप की संख्या वर्ष 2014 में एक थी, जो अगस्त 2026 में बढ़कर लगभग 440 हो गई।

निजी निवेशः भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप में कुल निवेश वर्ष 2021-22 में 10.05 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 31 मार्च 2026 तक 61.85 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया।

वाणिज्यिक प्रक्षेपणः इसरो ने वर्ष 1990 से 2014 के बीच 35 विदेशी उपग्रहों की तुलना में वर्ष 2014 से जनवरी 2026 के बीच 399 विदेशी उपग्रहों का प्रक्षेपण किया।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेशः वर्ष 2026 के मध्य तक सरकार को अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए 1,745.40 करोड़ रुपये के 11 प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) प्रस्ताव प्राप्त हुए।

अंतरराष्ट्रीय सहयोगः जून 2026 तक, भारत की वैश्विक साझेदारियों का विस्तार 61 देशों और पांच बहुपक्षीय संगठनों के साथ अंतरिक्ष सहयोग से जुड़े 300 से अधिक समझौतों तक हो गया।

सहयोगात्मक शासनः भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र का बाजारीकरण (2020-2026)

भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं के विस्तार और वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में उसकी स्थिति को मजबूत करने में निजी उद्यमों की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने 24 जून 2020 को अंतरिक्ष क्षेत्र में बड़े सुधारों की घोषणा की। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के विस्तार से बढ़ते वैश्विक वाणिज्यिक अंतरिक्ष बाजार का लाभ उठाने और औद्योगिक भागीदारी को बढ़ावा देने का अवसर भी मिला।

सुधारों को मंत्रिमंडल की मंजूरी और IN-SPACe का गठन (जून 2020-नवंबर 2022)

इन सुधारों के तहत गैर-सरकारी संस्थाओं (NGEs) को अंतरिक्ष क्षेत्र की पूरी मूल्य श्रृंखला में भागीदारी करने में सक्षम बनाया गया। उनकी भूमिका केवल कलपुर्जों की आपूर्ति और सेवाएं प्रदान करने तक सीमित नहीं रही। मंत्रिमंडल की मंजूरी के साथ ही भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (IN-SPACe) की स्थापना एक स्वायत्त एजेंसी के रूप में की गई। यह अंतरिक्ष विभाग (DoS) के अधीन कार्य करता है और निजी उद्यमों को नियामकीय मंजूरी प्रदान करने के लिए एकल खिड़की संपर्क केंद्र के रूप में काम करता है। इसके दायित्वों में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देना, अंतरिक्ष गतिविधियों को प्राधिकृत करना और उनकी निगरानी करना तथा सुरक्षा संबंधी विचारों और परिचालन प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए इसरो की सुविधाओं तक पहुंच उपलब्ध कराना शामिल है। इसके कार्यक्षेत्र में मिशन की सुरक्षा, प्रक्षेपण की तैयारी, कक्षा और आवृत्ति का समन्वय, अंतरिक्ष यान का पंजीकरण तथा सुरक्षा संबंधी आवश्यकताएं भी शामिल हैं। न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) की स्थापना मार्च 2019 में अंतरिक्ष विभाग की वाणिज्यिक शाखा के रूप में की गई थी। बाद में सार्वजनिक धन से विकसित प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण के लिए इसके दायित्वों का विस्तार किया गया। एनएसआईएल को सरकार और अन्य ग्राहकों की मांग को एकत्रित करने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। इसके अलावा, इसे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में इन प्रौद्योगिकियों और सेवाओं के विपणन तथा बिक्री का कार्य भी सौंपा गया। इस बीच, निजी क्षेत्र की अंतरिक्ष गतिविधियां लागू लाइसेंसिंग, सुरक्षा और संरक्षा संबंधी आवश्यकताओं के अधीन बनी रहीं।

इस संस्थागत ढांचे को और मजबूत करने के लिए भारतीय अंतरिक्ष संघ (ISpA) का शुभारंभ अक्टूबर 2021 में किया गया। यह सरकार के साथ संवाद स्थापित करने और भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के विकास में सहयोग देने के लिए उद्योग जगत को एक मंच प्रदान करता है।

IN-SPACe और NSIL ने मापनीय परिणाम दिए

वित्त वर्ष 2021-22 में NSIL का राजस्व 321.77 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 3,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया। NSIL ने 83 इसरो प्रौद्योगिकियों को शामिल करते हुए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के 118 समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

31 जनवरी 2026 तक, IN-SPACe ने उद्योग जगत और स्टार्टअप को 71 प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण में सहायता प्रदान की थी।

वर्ष 2026 के मध्य तक, IN-SPACe ने 52 गैर-सरकारी संस्थाओं (NGEs) को 113 प्राधिकरण प्रदान किए थे, जिनमें 18 स्टार्टअप शामिल थे।

छह भारतीय गैर-सरकारी संस्थाओं ने 18 उपग्रहों का प्रक्षेपण किया, जबकि 25 पेलोड को POEM (पीएसएलवी ऑर्बिटल एक्सपेरिमेंटल मॉड्यूल) प्लेटफॉर्म पर भेजा गया या भेजे जाने के लिए निर्धारित किया गया।

भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 के माध्यम से भूमिकाओं और जिम्मेदारियों का निर्धारण

भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 ने अंतरिक्ष क्षेत्र के प्रमुख संस्थानों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया। इसने अंतरिक्ष क्षेत्र में समन्वित भागीदारी के लिए एक रूपरेखा तैयार की।

इस नीति के तहत, इसरो उन्नत अनुसंधान, उभरती प्रौद्योगिकियों और राष्ट्रीय मिशनों पर ध्यान केंद्रित करेगा। परिपक्व परिचालन प्रणालियों को विनिर्माण और वाणिज्यिक उत्पादन के लिए उद्योग जगत को हस्तांतरित किया जाएगा।

इस नीति ने सुधारों को मंत्रिमंडल की मंजूरी वाले खंड में उल्लिखित IN-SPACe और NSIL की संबंधित भूमिकाओं को भी औपचारिक रूप दिया। इसने निजी क्षेत्र की गतिविधियों को बढ़ावा देने और उन्हें प्राधिकृत करने में IN-SPACe की भूमिका को और मजबूत किया। साथ ही, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों और सेवाओं के व्यावसायीकरण के लिए NSIL के दायित्वों को भी सुदृढ़ किया।

इसके अतिरिक्त, भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 ने निजी उद्यमों (गैर-सरकारी संस्थाओं यानी NGEs) को अंतरिक्ष से जुड़ी गतिविधियों को शुरू से अंत तक संचालित करने में सक्षम बनाया। इनमें उपग्रह निर्माण, प्रक्षेपण यान का विकास और अंतरिक्ष-आधारित सेवाएं शामिल हैं।

अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए उदार प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) नीति (फरवरी 2024)

लंबे समय तक, उपग्रहों की स्थापना और संचालन के क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) की अनुमति केवल सरकारी मंजूरी के माध्यम से ही दी जाती थी। इस प्रक्रिया को उदार बनाना अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रमुख नीतिगत सुधारों में से एक था। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 21 फरवरी 2024 को अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) नीति में संशोधनों को मंजूरी दी। संशोधित प्रावधान 16 अप्रैल 2024 से प्रभावी हुए, जिसके तहत निर्धारित सीमाओं के भीतर स्वचालित मार्ग से विदेशी निवेश की अनुमति दी गई। स्वचालित मार्ग के तहत, उपग्रह निर्माण और संचालन, उपग्रह डेटा उत्पादों तथा भू-आधारित और उपयोगकर्ता खंडों में 74 प्रतिशत तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति दी गई है।

प्रक्षेपण यानों और अंतरिक्ष बंदरगाहों के क्षेत्र में 49 प्रतिशत तक तथा कलपुर्जों और उप-प्रणालियों के क्षेत्र में 100 प्रतिशत तक विदेशी निवेश की अनुमति दी गई है।

निर्धारित सीमाओं से अधिक निवेश के लिए सरकारी मंजूरी लेना आवश्यक था।

अंतरिक्ष गतिविधियों के प्राधिकरण के लिए मानदंड, दिशानिर्देश और प्रक्रियाएं (NGP) (मई 2024)

IN-SPACe ने भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 को व्यवहार में लागू करने के लिए 3 मई 2024 को मानदंड, दिशानिर्देश और प्रक्रियाएं (NGP) जारी कीं। NGP में बताया गया है कि किन अंतरिक्ष गतिविधियों के लिए IN-SPACe का प्राधिकरण आवश्यक है, इसे प्रदान करने के लिए कौन-से मानदंड निर्धारित किए गए हैं और आवेदकों को किन शर्तों का पालन करना होगा। भारतीय क्षेत्र से या भारतीय क्षेत्र में की जाने वाली अथवा भारत के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली अंतरिक्ष गतिविधियों को संचालित करने वाली किसी भी संस्था के लिए यह प्राधिकरण प्राप्त करना आवश्यक है।

हर चरण के लिए पूंजीः अंतरिक्ष स्टार्टअप के लिए IN-SPACe की फंडिंग स्कीम

पूर्व-इनक्यूबेशन उद्यमिता (PIE) - वर्ष 2024 में शुरू किया गया पूर्व-इनक्यूबेशन उद्यमिता (PIE) कार्यक्रम 21 महीने का कार्यक्रम है, जिसमें तीन चरण शामिल हैं: विचार निर्माण, नवाचार और प्रोटोटाइप प्रदर्शन। इसका उद्देश्य शुरूआती चरण के स्टार्टअप को अपने विचारों को प्रोटोटाइप में बदलने में सहायता करना है। इसके साथ ही, उद्यमियों और उनसे जुड़े व्यावसायिक कौशल का विकास करना भी इसका लक्ष्य है।

IN-SPACe सीड फंड योजना - वर्ष 2023 में शुरू की गई यह सीड फंड योजना शुरूआती चरण के अंतरिक्ष स्टार्टअप (1 जुलाई 2022 या उसके बाद स्थापित स्टार्टअप) को सहायता प्रदान करती है। इस योजना के माध्यम से इन स्टार्टअप को अपने नए विचारों का प्रदर्शन करने और विकास के अगले स्तर तक पहुंचने में मदद मिलती है। चयनित स्टार्टअप को निर्धारित उपलब्धियों के आधार पर तीन या उससे अधिक किस्तों में अधिकतम 1 करोड़ रुपये का अनुदान प्रदान किया जाता है।

प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए निधि (TAF) - जब कोई विचार सफलतापूर्वक काम करने लगता है, तो अगली चुनौती उसे एक उत्पाद में बदलने की होती है। इसी दिशा में फरवरी 2025 में 500 करोड़ रुपये के कुल बजटीय प्रावधान के साथ प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए निधि (TAF) की स्थापना की गई। इसका उद्देश्य अंतरिक्ष क्षेत्र में उन्नत प्रौद्योगिकियों के नवाचार और व्यावसायीकरण को बढ़ावा देना है। यह निधि गैर-सरकारी संस्थाओं (NGEs) को आंशिक वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इससे शुरूआती चरण की प्रौद्योगिकियों को व्यावसायिक रूप से उपयोगी उत्पादों में बदलने में मदद मिलती है। स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSMEs) को परियोजना लागत का 60 प्रतिशत तक, जबकि बड़े उद्योगों को 40 प्रतिशत तक वित्तीय सहायता मिल सकती है। हालांकि, प्रति परियोजना वित्तीय सहायता की अधिकतम सीमा 25 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है।

वेंचर कैपिटल फंड - जैसे-जैसे स्टार्टअप का विकास होता है, उन्हें अपने विस्तार के लिए अधिक पूंजी की आवश्यकता होती है। वर्ष 2024 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने IN-SPACe के तत्वावधान में 1,000 करोड़ रुपये का वेंचर कैपिटल फंड स्थापित करने की मंजूरी दी। इस निधि के तहत प्रत्येक कंपनी में उसके विकास के चरण, विकास की संभावनाओं और राष्ट्रीय अंतरिक्ष क्षमताओं पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव के आधार पर 10 से 60 करोड़ रुपये तक के निवेश का प्रस्ताव है। विकास के चरण वाली कंपनियों के लिए 10 से 30 करोड़ रुपये और विकास के अंतिम चरण वाली कंपनियों के लिए 30 से 60 करोड़ रुपये तक के इक्विटी निवेश का प्रावधान किया गया है।

अंतरिक्ष क्षेत्र के बाजारीकरण से प्राप्त प्रमुख परिणाम

स्काईरूट एयरोस्पेस का विक्रम-एस

इन सुधारों ने निजी उद्यमों के लिए प्रक्षेपण गतिविधियों के क्षेत्र को खोल दिया है और प्रत्येक उपलब्धि इस बदलाव के परिणामों को दशार्ती है। निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी के बाद नवंबर 2022 में इस दिशा में पहली बड़ी उपलब्धि हासिल हुई। हैदराबाद स्थित स्काईरूट एयरोस्पेस (Skyroot Aerospace) ने विक्रम-एस (Vikram-S) का सफल प्रक्षेपण किया। यह भारत का पहला निजी तौर पर विकसित रॉकेट और IN-SPACe द्वारा अधिकृत देश का पहला निजी प्रक्षेपण था। मिशन प्रारंभ के तहत प्रक्षेपित विक्रम-एस अपने साथ तीन ग्राहक पेलोड लेकर गया था। इनमें ऐसे सेंसर लगे थे, जिनका उद्देश्य भविष्य के कक्षीय मिशनों के लिए प्रक्षेपण से जुड़ी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों की पुष्टि करना था।

अग्निकुल कॉसमॉस

मई 2024 में अग्निकुल कॉसमॉस भारत की पहली निजी प्रक्षेपण सुविधा, श्रीहरिकोटा स्थित धनुष (Dhanush) से रॉकेट प्रक्षेपित करने वाली पहली गैर-सरकारी संस्था (NGE) बनी। इस मिशन में दुनिया के पहले एकल-खंड में 3डी प्रिंट किए गए अर्ध-क्रायोजेनिक रॉकेट इंजन का भी प्रदर्शन किया गया। यह स्वदेशी रॉकेट निर्माण और प्रणोदन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुई प्रगति को दशार्ता है।

स्काईरूट एयरोस्पेस का विक्रम-क

18 जुलाई 2026 को स्काईरूट एयरोस्पेस के लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान विक्रम-I (Vikram-I) ने अपनी पहली उड़ान में सफलतापूर्वक कक्षा में प्रवेश किया। मिशन आगमन (Mission Aagaman) के नाम से जाने जाने वाले इस मिशन के साथ पहली बार किसी भारतीय निजी कंपनी ने भारतीय धरती से रॉकेट का कक्षीय प्रक्षेपण किया। यह उपलब्धि अंतरिक्ष क्षेत्र में किए गए सुधारों के तहत निजी क्षेत्र की भागीदारी से संभव हुई। विक्रम-कके बारे में अधिक पढ़ें

PSLV और SSLV: इसरो के प्रक्षेपण यानों का निर्माण अब उद्योग जगत द्वारा

उद्योग जगत के नेतृत्व में उत्पादन की दिशा में बढ़ना अंतरिक्ष क्षेत्र में किए गए सुधारों का एक महत्वपूर्ण परिणाम है। दशकों तक इसरो भारत के प्रक्षेपण यानों के डिजाइन और विकास का नेतृत्व करता रहा, जबकि भारतीय उद्योग जगत कलपुर्जों और सेवाओं की आपूर्ति करता था। अब अंतरिक्ष क्षेत्र में किए गए सुधारों ने संपूर्ण औद्योगिक उत्पादन का मार्ग खोल दिया है। 5 सितंबर 2022 को NSIL ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। HAL, HAL-L&T कंसोर्टियम का प्रमुख सदस्य है। यह अनुबंध पांच PSLV-XL (ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान) के उत्पादन से संबंधित था।

इसके अतिरिक्त, 10 सितंबर 2025 को NSIL, ISRO, IN-SPACe और HAL ने SSLV (लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान) प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत औद्योगिक उत्पादन के लिए SSLV की प्रौद्योगिकी HAL को हस्तांतरित की गई। इससे घरेलू विनिर्माण को मजबूती मिली, उद्योग जगत की भागीदारी का विस्तार हुआ और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) और अधिक सुदृढ़ हुई।

विकसित भारत 2047 की दिशा में भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र

भारत की अंतरिक्ष यात्रा दशार्ती है कि स्पष्ट नीतियां, संस्थागत विश्वास और उद्यमशील युवाओं की क्षमता किस प्रकार महत्वाकांक्षा को उपलब्धियों में बदल सकती है। उद्योग जगत की अगुवाई में बढ़ती भागीदारी के साथ, सरकार का अनुमान है कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था वर्ष 2033 तक बढ़कर लगभग 44 अरब अमेरिकी डॉलर हो जाएगी, जो वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का लगभग 8 प्रतिशत होगी। इसके वर्ष 2040 तक बढ़कर 100 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ते हुए, स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSMEs), इसरो (ISRO), एनएसआईएल (NSIL) और IN-SPACe के साथ मिलकर नई क्षमताओं का निर्माण करेंगे, कुशल रोजगार के अवसर पैदा करेंगे और युवा प्रतिभाओं को विकसित करेंगे। निरंतर सहयोग और कौशल विकास के साथ यह साझेदारी आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया की भावना को प्रतिबिंबित करती है।

झारखंड

ग्रेटर लंदन में लोक आस्था का छठ महापर्व उल्लास एवं उमंग के साथ संपन्न

सामूहिक छठ उत्सव में बिहार एवं झारखंड के 15 वत्तियों ने पारंपरिक निष्ठा से छठ पूजा की

यूके के 9 सौ परिवार के करीब दो हजार लोगों ने अस्ताचल एवं उदीयमान सूर्यदेव को अर्घ्य दिया

बिभा संवाददाता





लंदन/रांची । ग्रेटर लंदन के हौंस्लो स्थित ब्रह्मऋषि मिशन (हेस्टन रोड) में 'बिहारी कनेक्ट यूके' संस्था द्वारा लगातार पांचवें वर्ष सामूहिक छठ पूजा का भव्य आयोजन किया गया ।

कड़ाके की ठंड (-7 डिग्री सेल्सियस तापमान) में 15 छठ व्रतियों ने निर्जला उपवास रखकर सूर्य देव और छठी मइया का पूजन किया ।

मौके पर वत्तियों को संस्था ने दो सेट साड़ी, ब्लाउज और लहठी के अलावा छठ पूजन सामग्री मुहैया कराया ।

रविवार को छठ वत्तियों और अन्य महिलाओं ने करीब 7 हजारब ठेकुआ एवं कसार (चावल के लड्डू) बनाया । जिसे फल, नारियल, गन्ना, हल्दी-अदरक की गाँठ, सिंघाड़ा, केला का घवद, नींबू (डाभ), सुथनी, मूली आदि को पीतल के सूप और दउरा में सजाया ।

संध्या एवं ऊषा काल में पुरुषों ने सूप, दउरा और फल आदि सामग्री को सिर पर उठाकर ब्रह्मऋषि मिशन परिसर में व्यवस्थित प्लास्टिक बाथ टब घाट तक पहुंचाया ।

छठ व्रती महिलाओं ने बाथ टब के जल में खड़ी होकर सूप को उठाया, घी का दीप जलाया और सूर्यदेव और छठी माता की विधिवत पूजा अर्चना की । छठ उत्सव में वत्तियों के पारिवारिक सदस्यों और यूके के पंजीकृत छठ श्रद्धालुओं ने वत्तियों के सूप परिक्रमा के दौरान दूध एवं जल से डूबते एवं उगते सूर्य को मंत्रोचारण के साथ अर्घ्य अर्पित किया । घाट में महिलाओं ने छठ के लोक गीत से लोगों को भाव विभोर किया ।

संध्या अर्घ्य के बाद वत्तियों ने गन्नों के मंडप में मिट्टी के 12/24 दीये जलाकर कोशी भरा । महिलाओं ने छठ के लोकगीत रकेलवा के पात पर उगेलन सूरज मल झुके-झुकेर एवं रकाँच ही बाँस के बहँगियार गाकर माहौल को भक्तिमय बना दिया ।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद लोगों ने हवन किया । सामूहिक रूप से गंगा आरती और सूर्यदेव की आरती गाया ।

संस्था द्वारा उत्सव में शामिल श्रद्धालुओं को छठ प्रसाद वितरित किया गया । साथ ने यूके के विभिन्न शहरों में बसे बिहार और झारखंड के लोगों के लिए प्रसाद भेजने की अलग से व्यवस्था की हैं ।

ट्रस्टी कैप्टन ओम प्रकाश ने सामूहिक छठ पूजा को सफल बनाने में ट्रस्टी, समिति के सदस्यों, वॉलेंटियर्स, कैटरर और ब्रह्मऋषि मिशन का आभार जताया । कहा कि प्रदेश में छठ प्रवासियों के लिए सामाजिक सौहार्द एवं समन्वय की कड़ी हैं । यह त्योहार प्रवासी भारतीयों की आस्था, भक्ति भावना, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की विशिष्ट पहचान है । संस्था का यह प्रयास देश से हजारों मील दूर रहकर अपनी धार्मिक आस्था, परंपरा की जड़ों और विरासत को जीवंत करने का सशक्त माध्यम साबित हुआ हैं ।

झारखंड स्थापना दिवस पर मैराथन दौड़ एवं स्वच्छता अभियान में जोहार स्पोर्ट्स क्लब की सक्रिय सहभागिता

बिभा संवाददाता



राँची। झारखंड राज्य के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर राँची जिला प्रशासन एवं राँची नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मैराथन दौड़ एवं स्वच्छता अभियान में समाजसेवी संस्था ट्राइब्स रिइंफोर्समेंट एंड सोशल अम्बर ट्रस्ट की खेल इकाई जोहार स्पोर्ट्स क्लब के सदस्यों एवं खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर मोरहाबादी मैदान से अल्बर्ट एक्का चौक तक आयोजित मैराथन दौड़ में जोहार स्पोर्ट्स क्लब के खिलाड़ियों एवं सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मैराथन के माध्यम से प्रतिभागियों ने फिटनेस, खेल भावना, स्वस्थ जीवनशैली एवं सामाजिक एकजुटता का संदेश दिया।

मैराथन दौड़ के उपरांत चडरी क्षेत्र में आयोजित स्वच्छता अभियान में भी क्लब के सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इस दौरान उन्होंने साफ-सफाई कर स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया तथा स्वच्छ एवं सुंदर राँची के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

जोहार स्पोर्ट्स क्लब की इस सहभागिता ने यह संदेश दिया कि खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी, अनुशासन, स्वच्छता एवं जनसेवा की भावना को मजबूत करने का भी सशक्त माध्यम है।

ट्राइब्स रिइंफोर्समेंट एंड सोशल अम्बर ट्रस्ट एवं जोहार स्पोर्ट्स क्लब ने भविष्य में भी खेल, युवा सहभागिता, सामाजिक जागरूकता एवं स्वच्छता से जुड़े कार्यक्रमों में सक्रिय योगदान देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

लाल किला कार बम ब्लास्ट मामले से जुड़े दो केस दिल्ली ट्रांसफर

● सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के मामलों को विशेष एनआईए अदालत में भेजा

नई दिल्ली , एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए कार बम विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ट्रांसफर याचिका मंजूर कर ली है। अदालत ने जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में दर्ज दो मामलों को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट स्थित विशेष एनआईए अदालत में स्थानांतरित करने का आदेश दिया है। साथ ही तीन एफआईआर को एक साथ जोड़कर सुनवाई की अनुमति दी गई है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस श्रीचंद्रशेखर की पीठ ने सोमवार को यह आदेश दिया। एनआईए ने अदालत में दलील दी थी कि तीनों एफआईआर लाल किला विस्फोट से जुड़ी कथित बड़ी साजिश और 'डॉक्टर मॉड्यूल' की जांच का हिस्सा हैं। एजेंसी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और दिल्ली में फैले कथित 'व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल' की जांच में ये मामले आपस में जुड़े हुए हैं। मामला 10 नवंबर 2025 को लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर तीन के पास हुए कार विस्फोट से जुड़ा है। विस्फोट में 13 लोगों की मौत हुई थी। जांच के अनुसार कार को फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी के डॉ. उमर नबी चला रहा था, जिसकी भी धमाके में मौत हो गई थी। एनआईए ने उसे कथित मुख्य साजिशकर्ता और आत्मघाती हमलावर बताया है।

अंदरुनी जासूसी और साइबर हमले से सेना को सबसे बड़ा खतरा : एयरफोर्स चीफ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायुसेना प्रमुख आशुतोष दीक्षित ने चेतावनी दी है कि सेना को विदेशी जासूसी नेटवर्क से नहीं, बल्कि अंदरुनी लोगों से सबसे ज्यादा खतरा है। उन्होंने कहा कि ये नेटवर्क अब केवल हनी ट्रैप तक सीमित नहीं हैं, बल्कि साइबर जासूसी, सोशल मीडिया पर प्यार का झांसा, मल्टीलेवल मार्केटिंग और कर्ज के जाल में फंसाकर संवेदनशील जानकारी हासिल करने की कोशिश करते हैं। इस साल हनी ट्रैप के चार मामले सामने आए हैं। इन बढ़ते खतरों से निपटने के लिए सेना ने तकनीकी और संस्थागत स्तर पर कई कदम उठाए हैं। ये सुरक्षा व्यवस्था सरकारी क्षेत्र, डीआरडीओ की लैब और निजी रक्षा कंपनियों पर लागू होती है। वायुसेना प्रमुख दीक्षित ने बताया कि निजी रक्षा कंपनियों को नेटवर्क के सुरक्षित इस्तेमाल और सही सॉफ्टवेयर के चयन के लिए विशेष एजेंसी सलाह दे रही है। उन्होंने कंपनियों को इन सलाहों का पालन करने, जिससे ज्यादातर साइबर सुरक्षा खतरों से बचा जा सकता है।



कुंडा में धीरेंद्र शास्त्री की श्रीराम कथा : सुरक्षा के कड़े इंतजाम

● 500 पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी होंगे शामिल

प्रतापगढ़, एजेंसी। जिले के कुंडा स्थित बेंती राजभवन परेड ग्राउंड में 17 से 20 नवंबर तक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री भव्य श्रीराम कथा सुनाएंगे। इस चार दिवसीय धार्मिक आयोजन में कुंडा विधायक राजा भैया के विशेष निमंत्रण पर जोधपुर शिविर से 500 पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी भी शामिल होंगे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और वीवीआईपी मूवमेंट को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद कर दिया है। पूरे कथा क्षेत्र को 9 सेक्टर और 7 जोन में बांटकर करीब एक हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। अपर पुलिस अधीक्षक बृजनंदन राय के अनुसार, कथा क्षेत्र को 9 सेक्टर और 7 जोन में विभाजित किया गया है, जिसकी निगरानी एक हजार से अधिक पुलिसकर्मी करेंगे। इनमें एक एसपी, तीन एडिशनल एसपी और छह सीओ सहित फतेहपुर, कौशाम्बी और प्रयागराज कमिश्नरेट का अतिरिक्त बल भी शामिल है। सीसीटीवी कैमरों और सादे कपड़ों में तैनात पुलिसकर्मियों से लगातार निगरानी रखी जाएगी। सुरक्षा के मद्देनजर 16 से 20 नवंबर तक कुंडा में रूट डायवर्जन लागू रहेगा और भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। बेंती में आयोजित इस कथा के लिए विशाल पंडाल तैयार किए गए हैं।

करोड़ों में रुपये हो गए खर्च, लेकिन फिर भी अभी तक यमुना प्रदूषित

सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार

नई दिल्ली , एजेंसी। यमुना नदी में बढ़ते प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी नाराजगी जाहिर की है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद नदी की हालत में सुधार न होने और उलटा प्रदूषण बढ़ने पर जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने कड़ी फटकार लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि यमुना में गिरने वाले 520 नाले और नदी की दयनीय स्थिति दिखाती है कि इसके किनारे बसे शहरों और कस्बों का प्रशासन अपना काम ठीक से नहीं कर रहा है। शीर्ष न्यायालय ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को कड़े निर्देश दिए हैं कि वह हर राज्य, केंद्र शासित प्रदेश और जिले में यमुना के एंट्री और एग्जिट पॉइंट्स पर पानी की गुणवत्ता की लगातार निगरानी करे।



सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि किसी राज्य या जिले से गुजरने के दौरान नदी के पानी की गुणवत्ता खराब होती है, तब संबंधित प्राधिकरण को तत्काल इसके लिए जिम्मेदार माना जाएगा और उस पर जुर्माना भी लगाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यमुना एक्शन प्लान (वायएपी) में दर्ज जानकारियों पर भी गंभीर संदेह व्यक्त किया। पीठ ने गौर किया कि प्लान में दिल्ली के जोन ओ के 35 जल निकायों और वेटलैंड्स को अतिक्रमण मुक्त बताया गया है, जबकि दिल्ली सरकार के अपने दस्तावेजों में इन सभी 35 जगहों पर अतिक्रमण दर्ज है। इस विरोधाभास पर कोर्ट ने कड़ी आपत्ति जताकर और एक्शन प्लान की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों को मजबूत करने और जवाबदेही तय करने के लिए, कोर्ट ने सभी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एटीपी) और कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) को एक महीने के भीतर छेड़छाड़-रोधी स्मार्ट एनर्जी मीटर लगाने का आदेश दिया है। इन मीटरों का लाइव डेटा भी ऑनलाइन अपलोड करना अनिवार्य होगा, ताकि प्लांट्स के कामकाज की वास्तविक समय में निगरानी हो सके। इसके अतिरिक्त, सीपीसीबी को हर तीन महीने में इन प्लांट्स का औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। इन सभी कदमों का लक्ष्य यमुना में प्रदूषण रोकने के लिए प्रभावी जिम्मेदारी तय करना और पूर्ण जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

सीआरपीएफ के तीन जवान पर हमला करने वाले दो आतंकियों को सेना ने किया ढेर

● इसमें लश्कर का टॉप कमांडर लतीफ भट्ट भी शामिल जो हमले का मास्टरमाइंड था

जम्मू, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के कुलगाम में भारतीय सेना ने कुलगाम में हुए एनकाउंटर में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को ढेर कर दिया है, इसमें लश्कर का टॉप कमांडर लतीफ भट्ट भी शामिल है। लतीफ भारत के खिलाफ कई आतंकी घटनाओं को अंजाम दे चुका है। इस एनकाउंटर में भारतीय सेना और सीआरपीएफ के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर पुलिस भी शामिल थी। दरअसल कुलगाम में हाल ही में आतंकी हमला हुआ था, जिसमें सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए थे। इस हमले के बाद सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने सीआरपीएफ के डीजी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह कश्मीर पहुंचे थे। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब लश्कर के आतंकवादी लतीफ भट की तलाश की जा रही थी। इस हमले का मास्टरमाइंड लतीफ ही था, जिसे एनकाउंटर में ढेर कर दिया गया। सीआरपीएफ के एसडीजी संदीप खिरवार ने सोमवार को बताया कि कुलगाम जिले में 11 नवंबर को हुए हमले के बाद पूरे जम्मू-कश्मीर में अलर्ट जारी किया गया है। स्पेशल डीजी ने बताया कि सीआरपीएफ ने पूरे केंद्र शासित प्रदेश में अलर्ट बढ़ा दिया है, क्योंकि इस हमले में उसके तीन जवान घायल हो हुए थे। खास बात यह भी है कि सुरक्षाबलों को हमलावरों का सुराग पहले ही मिल गया था। कुलगाम हमले के 24 घंटे के अंदर ही आतंकवादियों ने किश्तवाड़ जिले में दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर्स, बाबी चंद और यशपाल कुमार की हत्या कर दी थी। बताया जा रहा है कि ये दोनों एक आतंकवाद-विरोधी ऑपरेशन के दौरान सेना के साथ जुड़ने जा रहे थे।

कोर्ट ने आजम खान को न्यायिक हिरासत में भेजा, अब सुनवाई 26 नवंबर को

● मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने हिरासत में लिया था, सपा नेता ने दी है चुनौती

गाजियाबाद, एजेंसी। समाजवादी पार्टी दिग्गज नेता आजम खान को कोर्ट से झटका लगा है। गाजियाबाद कोर्ट ने आजम खान को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस मामले में अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी। आजम खान को डासना जेल में रखा जाएगा। आजम खान को जौहर यूनिवर्सिटी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने हिरासत में लिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट यूपी के मंत्री और समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता आजम खान की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा है जिसमें उन्होंने ईडी द्वारा अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आजम खान पर आरोप है कि 31 अक्टूबर को दोहरे पैन कार्ड मामले में जेल से रिहा होने के ठीक 40 मिनट बाद ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। 5 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को हाईकोर्ट में ट्रांसफर कर दिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संकेत दिया है कि वह आज़म खान को अंतरिम ज़मानत देने के पक्ष में है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने आजम खान से 4 दिन में 80 सवाल पूछे थे। इस मामले की जांच आखिरी चरण में है और जल्द ही ईडी अपनी चार्जशीट दाखिल करेगी। पूछताछ में ईडी को आजम खान ने कोई खास बयान नहीं दिया। रिपोर्ट के मुताबिक ईडी जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण में खर्च रकम और उसके स्रोत की जांच कर रही है। जौहर यूनिवर्सिटी की जमीन और 59 भवनों की 426.46 करोड़ रुपए की संपत्ति पहले ही अटैच कर चुकी है। इसके अलावा जो भी चंदा मिला है उनकी जानकारी ईडी खंगाल रही है। बता दें आजम खान 31 अक्टूबर 2026 को करीब 11 महीने बाद रामपुर जिला जेल से बाहर आए थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दो पैन कार्ड मामले में उनकी 10 साल की सजा पर रोक लगाते हुए जमानत दे दी थी। जेल से बाहर आते ही आजम खान को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद उन्हें डासना जेल भेजा गया था, उसके बाद ईडी ने पूछताछ के लिए अपनी कस्टडी में ले लिया था जिसको लेकर आजम खान ने चुनौती दी थी।



यूपी चुनाव: अखिलेश संग सीट शेयरिंग पर कांग्रेस में बना दी पांच सदस्यीय कमेटी

राहुल गांधी ने कहा, सपा के साथ कोई भी समझौता सम्मानजनक होना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ सीट बंटवारे और गठबंधन से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत के लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी में पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, सांसद इमरान मसूद और प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना शामिल हैं। कांग्रेस की यह कमेटी सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ सीधे संवाद स्थापित कर सीटों के बंटवारे के जटिल फार्मूले पर मंथन करेगी और दोनों दलों के बीच समन्वय बनने का काम करेगी। कांग्रेस का कदम दिल्ली में हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद आया है, जिसमें उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की रणनीति पर गहन चर्चा हुई। इस बैठक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा कि सपा के साथ कोई भी समझौता सम्मानजनक होना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि सभी सहयोगी दलों को साथ लेकर चलना होगा और समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन की महत्वपूर्ण साझेदार है। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल सहित प्रदेश के प्रमुख नेता मौजूद रहे। बैठक के उपरांत कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पोस्ट कर जानकारी दी कि उत्तर प्रदेश के आने वाले चुनाव देश की राजनीति को नई दिशा देने वाले है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता बदलाव की ओर देख रही है और सामाजिक न्याय, समान अवसर तथा वंचित वर्गों के अधिकारों को मजबूत होते देखना चाहती है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने भरोसा जताया कि कांग्रेस पार्टी इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश की जनता के सामने एक मजबूत और विश्वसनीय विकल्प पेश करेगी। यह कमेटी उस समय बनी है जब समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन को लेकर कुछ अहम मुद्दों पर सहमति नहीं बनी है, जिसके चलते पेंच फंसा हुआ है। पहला मुद्दा विधानसभा सीटों के बंटवारे का है। अखिलेश यादव ने हाल ही में दावा किया था कि कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश की कुल 403 सीटों में से 181 सीटों की मांग की है, जो सपा के लिए स्वीकार्य नहीं है। दूसरा मुद्दा स्वामी प्रसाद मौर्य को इंडिया गठबंधन में शामिल करने की कांग्रेस की कोशिश से जुड़ा है, इस प्रस्ताव को अखिलेश यादव ने सीधे तौर पर खारिज कर दिया है। राहुल गांधी से स्वामी प्रसाद मौर्य की मुलाकात के बाद उनके गठबंधन में शामिल होने की अटकलें तेज हुई थीं। इन जटिलताओं के बीच, कांग्रेस द्वारा गठित यह पांच सदस्यीय कमेटी इन महत्वपूर्ण मतभेदों को सुलझाने और आगामी चुनावों के लिए एक ठोस रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाएगी, जिससे इंडिया गठबंधन की एकजुटता और मजबूती सुनिश्चित की जा सके।



केंद्र सरकार के सामने महिला आरक्षण-परिसीमन पर समर्थन जुटाने की चुनौती

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्र सरकार महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयक पर संसद का विशेष सत्र बुलाने के बारे में विचार रही है, हालांकि इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। उम्मीद जताई जा रही है कि सरकार विधेयकों को पारित कराने के लिए जरूरी दो तिहाई बहुमत से 15 से 18 वोट अधिक जुटा लेगी।

इस बार परिस्थितियां केंद्र सरकार के लिए बदली है। विपक्ष ने अप्रैल में एकजुट होकर सरकार के प्रस्ताव को रोक दिया था और एनडीए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं जुटा सका था। लेकिन पिछले कुछ महीनों में टीएमसी और शिवसेना (उद्धव) के सांसदों के पाला बदलने के बाद लोकसभा में संख्याबल बदल गया है। डीएमके के इंडिया ब्लॉक से अलग होने के बाद विपक्षी खेमे की संख्या भी घटी है। इसके बावजूद सरकार के सामने संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए पर्याप्त समर्थन जुटाने की चुनौती बनी हुई है। लोकसभा के मौजूदा गणित के मुताबिक, एनडीए के खेमे में कुल 321 सांसद हैं। इसमें लोकसभा अध्यक्ष भी शामिल हैं। इनमें टीएमसी के बागी 20 सांसद, शिवसेना के 13 सांसद भी शामिल हैं। इस तरह एनडीए का संख्याबल 321 तक पहुंच गया है।

हालांकि, इसमें लोकसभा अध्यक्ष भी शामिल हैं, जो सामान्य स्थिति में मतदान नहीं करते। इंडिया गठबंधन की लोकसभा में संख्या पहले 232 थी, जो अब घटकर 183 रह गई है। तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों के अलग होने के बाद उसके आठ सांसद बचे हैं। शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों के शिंदे गुट में जाने के बाद उसके तीन सांसद रह गए हैं। श्रीनगर के सांसद के इस्तीफे के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस का प्रतिनिधित्व भी घटा है। तमिलनाडु में कांग्रेस के टीवीके को समर्थन के बाद 22 लोकसभा सांसद वाली डीएमके भी इंडिया ब्लॉक से अलग है। इन बदलावों के बाद लोकसभा में इंडिया ब्लॉक का संख्याबल 183 रह गया है। अप्रैल 2026 में संविधान संशोधन विधेयक पर हुए मतदान में कुल 528 सांसदों ने हिस्सा लिया था। सरकार 54 वोट से पीछे रह गई थी।

सरकार के लिए सबसे अहम भूमिका उन 36 सासदों की हो सकती है जो न एनडीए में है और न ही इंडिया ब्लॉक में। इनमें डीएमके के 22 सांसद वाईएसआर कांग्रेस के चार, आम आदमी पार्टी के तीन, अकाली दल, झेडपीएम, एएसपी और एआईएमआईएम के एक-एक सांसद और तीन निर्दलीय शामिल है। इनमें डीएमके का रुख सबसे महत्वपूर्ण होगा। पार्टी इंडिया गठबंधन से अलग जरूर हो गई है, लेकिन परिसीमन के मुद्दे पर उसका सरकार के साथ आना आसान नहीं है। कांग्रेस के एक सांसद के मुताबिक 36 बिना खेमे वाले सांसदों में 28 इस बिल के विरोध में वोट कर सकते है। उम्मीद है कि डीएमके के 22, आप के 3, झेडपीएम, एआईएमआईएम, एएसपी के एक-एक सांसद भी है जो बिल के विरोध में वोट कर सकते है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि गृह मंत्री ने पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में तीन दिन का विशेष सत्र बुलाने और विधेयकों को 15-18 वोटों के अतर से पारित कराने का दावा किया है। याद दिलाया कि सरकार को 50 से अधिक वोटों से हार का सामना करना पड़ा था। राज्यसभा में सरकार के लिए संविधान संशोधन विधेयक पारित कराना अपेक्षाकृत आसान हो सकता है। बीजेपी के सूत्रों के मुताबिक, उच्च सदन में एनडीए के पास 155 सांसदों का समर्थन है, जबकि दो-तिहाई बहुमत के लिए 161 सदस्यों की जरूरत होगी। यानी सरकार यहां महज छह सांसद पीछे है। छह सासदों का समर्थन जुटाना सरकार के लिए लोकसभा के मुकाबले कम चुनौतीपूर्ण हो सकता है। हालांकि, संविधान संशोधन विधेयक को दोनों सदनों में अलग-अलग विशेष बहुमत से पारित कराना अनिवार्य है।

मेज पर बैठते हैं तो सिर्फ दो देशों का व्यापार ही नहीं बाजार का मिजाज बदल जाता है

जयशंकर ने साफ कर दिया- भारत अमेरिका ट्रेड डील अब अपने आखिरी पड़ाव पर

नई दिल्ली , एजेंसी। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं भारत और अमेरिका जब ये दोनों देश किसी कागज पर दस्तखत करने के लिए एक मेज पर बैठते हैं तो सिर्फ दो देशों का व्यापार नहीं बदलता बल्कि पूरी दुनिया की सप्लाई चेन और बाजार का मिजाज बदल जाता है और इस वक्त दिल्ली से लेकर वाशिंगटन तक एक ही चर्चा भारत अमेरिका ट्रेड डील को लेकर सबसे तेज है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक मीडिया समिट में साफ कर दिया कि लंबे समय से अटका हुआ यह व्यापार समझौता अब अपने आखिरी पड़ाव पर है।



रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा भारत और अमेरिका ने व्यापार से जुड़े ज्यादातर मुद्दे सुलझा लिए हैं। बातचीत अब अंतिम चरण में है और यह समझौता जल्द हो सकता है, लेकिन उनके बयान का सबसे दिलचस्प हिस्सा वह है जहां उन्होंने गेंद सीधे अमेरिका के पाले में डाल दी है। जयशंकर ने स्पष्ट शब्दों में कहा अब बस कुछ आखिरी मुद्दे बचे हैं और इनमें से कोई हमारी तरफ से नहीं है क्योंकि हमारी तुलना में अमेरिकी पक्ष में ज्यादा बदलाव हुए हैं। उम्मीद है कि हम इसे जल्द ही पूरा कर लेंगे लेकिन अक्सर ऐसा होता है कि आखिरी दौर में हर कोई थोड़ा बेचैन हो जाता है।

विदेश मंत्री का इशारा साफ है भारत की नीतियों में निरंतरता रही है लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट और टैरिफ नीतियों के कारण अमेरिकी पक्ष की प्राथमिकताओं और शर्तों में काफी बदलाव आए हैं। ऐसे में आखिरी वक्त की जो भी अड़चनें या बेचैनी है वो वाशिंगटन की तरफ से होने वाले बदलावों की वजह से है ना कि दिल्ली की वजह से। विदेश मंत्री का यह बयान ठीक उस वक्त आया है जब अगले ही महीने 14-15 दिसंबर को अमेरिका के फ्लोरिडा में जी-20 नेताओं का शिखर सम्मेलन होने जा रहा है। ट्रंप नेशनल डोरल मियामी फ्लोरिडा अमेरिका की अध्यक्षता में होगा। यह संभावित मुलाकात है इस समिट में पीएम मोदी के शामिल होने की संभावना है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस समिट में पीएम मोदी और ट्रंप के बीच द्विपक्षी मुलाकात हो सकती है। इसी मंच पर दोनों देशों के रिश्तों की नई दिशा तय होगी और पूरी उम्मीद जताई जा रही है कि भारत और अमेरिका इस बहु प्रतीक्षित ट्रेड डील का औपचारिक ऐलान कर सकते हैं। अब बात करेंगे आखिर इस ट्रेड डील में क्या-क्या दांव पर है। जब दो बड़े लोकतंत्र और बड़ी अर्थव्यवस्थाएं व्यापार समझौता करती हैं तो हर देश अपने किसानों, उद्योगों और आम नागरिक के हितों की रक्षा करना चाहता है। टैरिफ का पेंच है। ट्रंप प्रशासन की नीति रही है कि जो देश अमेरिकी सामान पर ज्यादा टैक्स लगाते हैं, अमेरिका भी उनके सामान पर उतना ही टैक्स लगाएगा। देश की एक बड़ी आबादी की आजीविका, खेती और पशुपालन पर निर्भर है। भारत किसी भी कीमत पर अपने किसानों के हितों से समझौता नहीं कर सकता।

उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ संपन्न हुआ छठ महापर्व

नई दिल्ली, एजेंसी । देशभर में सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय लोकआस्था का महापर्व छठ संपन्न हो गया। यह पर्व सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया। इस पावन अवसर पर देशभर के साथ-साथ नेपाल के बीरगंज सहित विभिन्न हिस्सों में भी श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य और छठी मैया की विधि-विधान से पूजा- अर्चना की। लोकआस्था, श्रद्धा और अटूट विश्वास के प्रतीक इस महापर्व के अंतिम दिन सोमवार तड़के से ही दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड सहित देश के कई राज्यों में नदी, तालाबों और विभिन्न स्थानों पर बनाए गए अस्थायी घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। व्रती महिलाएं और पुरुष पारंपरिक पूजा सामग्री, फल, ठेकुआ और अन्य प्रसाद से सजे दउरे लेकर घाटों पर पहुंचे। उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर सभी ने अपने परिवार की सुख-शांति, समृद्धि, संतान की दीर्घायु और खुशहाली की कामना की।

उत्तर प्रदेश में जनगणना-2027 का दूसरा चरण शुरू, सटीक आंकड़े ही विकास का आधार

लखनऊ, एजेंसी । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनगणना-2027 के दूसरे चरण की शुरुआत की। उन्होंने इस मौके पर कहा कि गणना में समाज का कोई भी पात्र व्यक्ति छूटना नहीं चाहिए, क्योंकि सही और सटीक आंकड़े ही प्रदेश के समग्र विकास की योजनाओं का आधार बनने वाले है। देश के सबसे बड़े आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश से इस बड़े अभियान की शुरुआत हो रही है, जबकि अन्य राज्यों में यह प्रक्रिया फरवरी में शुरू होगी।

लोक भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जनगणना के आंकड़ों से यह तय करने में मदद मिलेगी कि प्रदेश में कहां स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं की जरुरत है। उन्होंने चेतावनी दी कि आंकड़ों में छूटने वाला व्यक्ति कई बार सरकारी योजनाओं के लाभ से भी वंचित रह जाता है। प्रदेश में 16 से 30 नवंबर तक स्वगणना की प्रक्रिया चलेगी। इसके बाद, 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक जनगणना कर्मी घर-घर जाकर लोगों की जानकारी जुटाएंगे। प्रगणक धर्म, जाति, शिक्षा, व्यवसाय और मातृभाषा सहित 40 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी एकत्र की जाएगी। सीएम योगी ने अपने अनुभवों का जिक्र कर मुसहर समुदाय का उदाहरण दिया, जो समाज के सबसे वंचित वर्गों में शामिल था और पिछली जनगणनाओं में सही आकलन न होने के कारण दशकों तक सरकारी योजनाओं से वंचित रहा। उन्होंने बताया कि 2017 में प्रदेश में सरकार बनने के बाद इस तरह के वर्गों के लिए अलग से योजनाएं बनाकर उन्हें लाभान्वित किया गया।

मुख्यमंत्री योगी ने जनगणना अभियान से जुड़े अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करते समय विनम्रता और धैर्य का परिचय दें, स्वयं को एक राष्ट्रीय कार्य के प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि कर्मियों को लोगों को यह समझाना चाहिए कि उनकी दी गई जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और देश के विकास की योजनाएं तैयार करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने आगाह किया कि आंकड़ों में एक गलती भी देश और प्रदेश की भविष्य की योजनाओं को प्रभावित कर सकती है, इसलिए जनगणना का काम पूरी ईमानदारी और सावधानी से किया जाना चाहिए।

महापर्व अंतिम दिन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य, 36 घंटे बाद महिलाओं ने खोला उपवास

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। चार दिन तक चलने वाले सूयोर्पासना के पर्व छठ का सोमवार को संपन्न हुआ। छठ व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य दिया और परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। व्रती महिलाओं ने भी सूर्यदेव को अर्घ्य देने के बाद पानी पीकर उपवास खोला। महिलाएं 36 घंटे से व्रती थीं। इससे पहले सोमवार को भी कार्तिक माह की षष्ठी पर अस्त होते सूर्य को अर्घ्य दिया गया। कार्तिक माह की इन दोनों ही तिथियों पर सूर्य को अर्घ्य देने का महत्व है।



घाटों पर थे सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

महापर्व छठ शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से संपन्न हो, इसके लिए जिला प्रशासन की ओर से पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। शहर के विभिन्न घाटों पर मजिस्ट्रेट के साथ साथ पुलिस पदाधिकारी और पुलिस जवानों को लगाया गया था। इसके अलावा सादे वर्दी में भी पुलिसकर्मी घाटों पर तैनात थे।

हर घाट पर मेडिकल टीम तैनात

छठ व्रतियों की अचानक तबीयत बिगड़ने की स्थिति में घाटों पर मेडिकल टीम तैनात की गई थी। शहर के बड़े सरकारी और निजी अस्पताल अलर्ट पर थे।

चार दिनों तक चलता है महापर्व

छठ महापर्व चार दिनों तक चलता है। नहाय खाय से इसकी शुरूआत होती है। दूसरे दिन व्रती शाम में खरना करती हैं और प्रसाद खाने के बाद उनका 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जाता है। तीसरे दिन डूबते हुए भगवान भास्कर को व्रती अर्घ्य देती हैं। चौथे और अंतिम दिन उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ महापर्व संपन्न हो जाता है। व्रती गंगाजल या पवित्र नदियों का जल पीकर 36 घंटे का उपवास तोड़ती हैं।

क्यों करते हैं छठी मइया की पूजा

ऐसी मान्यता है छठ व्रत को करने से स्कंद माता व कुमार कार्तिकेय प्रसन्न होते हैं। पुराणों में कहा गया है कि षष्ठी देवी यानी छठी मइया ब्रह्माजी की मानस पुत्री है जिनका नाम देवसेना है। देवसेना का विवाह भगवान शिव के बड़े पुत्र कार्तिकेय के साथ हुआ है। स्कंद कुमार कार्तिकेय का दूसरा नाम है। कार्तिकेय के साथ अंक 6 बहुत ही अद्भुत संयोग है। इनका जन्म षष्ठी तिथि को हुआ था। इनके मुख भी छह है। इनका पालन पोषण भी 6 कृतिकाओं ने मिलकर किया है। इससे इनकी माता की संख्या भी मानी जाती है। यही वजह है कि छठ पूजा से कुमार कार्तिकेय प्रसन्न होते हैं।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व संपन्न

उधवा । लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार की सुबह उधवा प्रखंड क्षेत्र में श्रद्धा,भक्ति और उल्लास के माहौल में शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। महापर्व के अंतिम दिन सोमवार की अहले सुबह विभिन्न छठ घाटों पर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। छठ घाटों पर छठी मईयां की प्रतिमा स्थापित की गई। घाटों के आसपास लाइटिंग से सजाया गया था। इस दौरान छठ व्रतियों ने पूरे विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर अपने परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति की कामना की। जानकारी के प्रखंड क्षेत्र के सोमवारी हाटपाड़ा, भगत टोला, उधवा कचहरी घाट, मोहनपुर, बोतलुटोला, अमानत दियारा, मनिहारी टोला, कटहलबाड़ी, बेगमगंज, राधानगर, मसना, आतापुर, केलाबाड़ी और जोंकाहा सहित विभिन्न गांवों के छठ घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। व्रती महिलाएं और पुरुष पूजन सामग्री से सजे दउरा और सूप लेकर घाटों पर पहुंचे और उगते सूर्य की प्रतीक्षा में पूजा-अर्चना की। घाटों पर छठी मैया के पारंपरिक गीतों और भक्तिमय वातावरण से पूरा क्षेत्र भक्तिरस में सराबोर रहा। सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करने के बाद व्रतियों ने 36 घंटे के निर्जला उपवास का पारण किया। इसके साथ ही चार दिवसीय छठ महापर्व का विधिवत समापन हो गया। पूरे प्रखंड क्षेत्र में पर्व को लेकर श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला। छठ घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। छठ घाटों पर राधानगर थाना प्रभारी रोहित कुमार,एसआई संग्राम सिंह सोय,एएसआई प्रभाशंकर दुबे सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।



छठ घाट पर उचक्कों का आतंक, तीन महिलाओं की सोने की चेन पर किया हाथ साफ

बरहरवा के कल्पोखर घाट पर सुबह-सुबह तीन छिनतई की शिकायतें, करीब 44 ग्राम सोने की चेन गायब होने का दावा

बिभा संवाददाता

बरहरवा। लोकआस्था के महापर्व छठ के दौरान बरहरवा में छिनतई की घटनाओं ने श्रद्धालुओं की चिंता बढ़ा दी। सोमवार की सुबह प्रातःकालीन अर्घ्य के दौरान रेलवे कॉलोनी स्थित कल्पोखर शिव मंदिर के समीप छठ घाट पर तीन महिलाओं के गले से सोने की चेन छीनने की अलग-अलग शिकायतें सामने आई हैं। भीड़भाड़ के बीच हुई इन घटनाओं से घाट पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, बरहरवा कुलीपाड़ा निवासी संजय उपाध्याय की 75 वर्षीय माता माया उपाध्याय सुबह करीब 5:30 बजे घाट पर मौजूद थीं। इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति उनके गले से लगभग 15 ग्राम की सोने की चेन छीनकर फरार हो गया। वहीं, हाटपाड़ा निवासी पंकज कुमार भगत की माता विजय लक्ष्मी देवी के साथ सुबह करीब 5:45 बजे इसी तरह की घटना हुई। शिकायत के अनुसार, उनके गले से लगभग 14 ग्राम वजन की सोने की चेन छीन ली गई। इसके कुछ देर बाद मेन रोड निवासी विशाल



कुमार भगत की माता बंदना देवी भी छिनतई की शिकार हो गईं। सुबह करीब 6 बजे उनके गले से लगभग 15 ग्राम वजन की सोने की चेन खींच ली गई।तीनों मामलों में पीड़ित परिवारों की ओर से बरहरवा थाना प्रभारी को अलग-अलग लिखित आवेदन देकर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई और सोने की चेन बरामद करने की मांग की गई है। शिकायतों में कुल करीब 44 ग्राम सोने की चेन छिनतई होने की बात कही गई है। लगातार तीन शिकायतें सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में चर्चा का माहौल है। श्रद्धालुओं का कहना है कि छठ जैसे बड़े पर्व पर घाटों में भारी भीड़ जुटती है। ऐसे में असामाजिक तत्वों की सक्रियता पर रोक लगाने के लिए पुलिस की विशेष निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था जरूरी है। अब देखना होगा कि पुलिस इन शिकायतों के आधार पर कितनी तेजी से जांच आगे बढ़ाती है और छिनतई करने वाले आरोपियों तक कब पहुंचती है।

छठ महापर्व : उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ सम्पन्न, श्रद्धा और आस्था में डूबा राजमहल

बिभा संवाददाता

राजमहल। लोक आस्था और सूयोर्पासना का प्रतीक चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य समर्पित करने के साथ पूर्ण श्रद्धा और आस्था के माहौल में सम्पन्न हो गया। सुबह की पहली किरण के साथ ही गंगा तट के घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। व्रती महिलाओं और पुरुषों ने जल में खड़े होकर सूर्य देव से परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। उषा अर्घ्य का दृश्य अत्यंत मनमोहक रहा। वही राजमहल अनुमंडल क्षेत्र के सूर्य देव घाट, गुदारा घाट, कालीघाट, बजरंग घाट, श्मशान घाट तथा गुनिहारी पंचायत स्थित पगली दुर्गा मंदिर परिसर छठ घाट गंगा में श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। हर ओर ₹जय छठी मइया₹ के जयघोष से वातावरण गुंजायमान रहा। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर दउरा में ठेकुआ, फल, नारियल और अन्य प्रसाद लेकर जल में खड़ी रहीं। जैसे ही सूर्य की लालिमा क्षितिज पर उभरी, व्रतियों ने दोनों हाथ जोड़कर अर्घ्य अर्पित किया और छठ मइया से घर-परिवार के कल्याण की प्रार्थना की। वही जानकारी के अनुसार, छठ पर्व की शुरूआत नहाय-खाय से हुई थी। दूसरे दिन खरना में व्रतियों ने गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद बनाकर पूजा की। तीसरे दिन संध्या अर्घ्य में अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया गया और चौथे दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ पर्व का समापन हुआ। यह पर्व पूर्ण शुद्धता, संयम और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है, जिसमें व्रती 36 घंटे तक निर्जला उपवास रखते हैं। साथ ही छठ पर्व को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा और स्वच्छता की विशेष व्यवस्था की थी। सूर्य देव छठ घाट एवं गुदारा घाट में स्वास्थ्यकर्मियों की टीम तैनात रही। साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और बैरिकेडिंग की उचित व्यवस्था से श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका पूरा ध्यान रखा गया। संध्या अर्घ्य के समय राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी अपनी टीम के साथ उत्तर वाहिनी गंगा तट के निकट सभी छठ घाटों का सुरक्षा की दृष्टि से नाव के माध्यम से निरीक्षण किया। वही घाटों पर भक्तिमय माहौल के बीच सांस्कृतिक रंग भी नजर आए। गुदारा घाट के छठ पूजा समिति द्वारा अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य के समय भक्ति जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें पारंपरिक गीतों की गूंज के साथ वातावरण भक्ति में डूबा रहा। ₹केलवा के पात पर, उगेले सूरज देव...₹ जैसे गीत घाटों पर गूंजते रहे। व्रतियों के घरों में प्रसाद वितरण के साथ ही खुशियों का माहौल बना रहा। वही चार दिनों तक चले इस अनुष्ठान के दौरान पूरे अनुमंडल क्षेत्र में आस्था और पवित्रता का वातावरण देखने को मिला। लोग दूर-दराज से अपने घर लौटे ताकि इस पावन पर्व में शामिल हो सकें। ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरों तक छठ की छटा छाई रही। उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के साथ ही व्रतियों ने अपने उपवास को तोड़ा और परिवारजनों के बीच प्रसाद का वितरण किया। इसके साथ ही छठ महापर्व का समापन हुआ, लेकिन श्रद्धा, आस्था और भक्ति की यह ऊर्जा अब भी लोगों के हृदय में विद्यमान है, जो इस पर्व को लोक संस्कृति की आत्मा बना देती है।



उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व संपन्न



बिभा संवाददाता

साहेबगंज । लोक आस्था का चार दिवसीय छठ महापर्व सोमवार को उगते सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा और भक्तिभाव से संपन्न हो गया। शहर के गोपाल पुल सहित विभिन्न गंगा घाटों पर अहले सुबह श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। व्रतियों ने गंगा स्नान कर विधि-विधान से भगवान भास्कर को दूध और गंगाजल से अर्घ्य अर्पित किया तथा परिवार की सुख-समृद्धि और आरोग्य की कामना की। छठी मैया के पारंपरिक गीतों से घाटों का वातावरण भक्तिमय बना रहा। इसके साथ ही व्रतियों ने 36 घंटे के निर्जला उपवास का पारण किया। भारतीय कॉलोनी निवासी सुभेंदु कुमार उर्फ मुन्ना ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, संस्कृति, स्वच्छता और सामाजिक एकता का प्रतीक है।

टीबी के 50 मरीजों को विधायक ने लिया गोद, बांटी पोषण किट

राजमहल (बिभा) । झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़ा एवं टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सोमवार को राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विधायक मो. एम. टी. राजा ने 50 टीबी मरीजों को गोद लेकर उनके बीच पोषण किट का वितरण किया। विधायक ने कहा कि टीबी मुक्त भारत का सपना समाज के सामूहिक प्रयास से ही साकार होगा। मरीजों को पौष्टिक आहार, नियमित दवा और सामाजिक सहयोग देना जरूरी है। वहीं जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. किरण माला ने टीबी के लक्षणों की जानकारी देते हुए समय पर जांच और नियमित उपचार कराने की अपील की। उन्होंने बताया कि सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में टीबी की जांच एवं उपचार नि:शुल्क उपलब्ध है। अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. उदय टुडू ने मरीजों को नियमित दवा सेवन और पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, सहिया एवं अस्पताल कर्मी मौजूद थे।

झारखंड स्थापना दिवस : छात्राओं ने बाल विवाह के खिलाफ दिया संदेश



बिभा संवाददाता

उधवा। झारखंड राज्य स्थापना दिवस की 26वीं वर्षगांठ एवं धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर रविवार को उधवा प्रखंड अंतर्गत दक्षिण पलाशगाछी पंचायत सचिवालय परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पंचायत के विकास,शिक्षा,सामाजिक कुरीतियों और जनसमस्याओं पर चर्चा की गई। वहीं स्कूली छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम और जागरूकता नाटक प्रस्तुत कर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुखिया नफीसा खातून ने अतिथियों के स्वागत के साथ किया। मौके पर मुख्य अतिथि बीडीओ जयंत कुमार तिवारी,राधानगर थाना प्रभारी रोहित कुमार,एसआई संग्राम सिंह सोय तथा प्रभारी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी संतोष कुमार सुमन उपस्थित रहें। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों एवं बुद्धिजीवियों ने पंचायत की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इसमें असर्वेक्षित भूमि का मुद्दा प्रमुख रहा। वक्ताओं ने कहा कि भूमि का सर्वे नहीं होने से ग्रामीणों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं मुखिया नफीसा खातून, मुखिया प्रतिनिधि मो. ताजेरुल हक और उप मुखिया रबिउल शेख ने पंचायत में संचालित विकास कार्यों एवं आगामी योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान नौवीं कक्षा की छात्राओं ने बाल विवाह और शिक्षा के महत्व पर आधारित नाटक प्रस्तुत किया। छात्राओं ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने और बेटियों को शिक्षित बनाने का संदेश दिया। बीडीओ जयंत कुमार तिवारी ने छात्राओं की प्रस्तुति की सराहना करते हुए झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़ा के कार्यक्रमों की जानकारी दी। साथ ही मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर लोगों को जागरूक किया। थाना प्रभारी रोहित कुमार ने युवाओं एवं ग्रामीणों से नशे से दूर रहने और नशामुक्त समाज बनाने की अपील की। अंत में शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों और वरिष्ठ नागरिकों एवं पत्रकार साथियों को शॉल व डायरी देकर सम्मानित किया गया। मौके पर शिक्षक अब्दुल कादिर, जिब्राईल अली सहित ग्रामीण एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

विधायक ने एलसीटी से किया छठ घाटों का भ्रमण, तैयारियों का लिया जायजा

बिभा संवाददाता

राजमहल। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर राजमहल विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने अर्घ्य के समय प्रशासनिक पदाधिकारियों के साथ एलसीटी के माध्यम से गंगा तट स्थित विभिन्न छठ घाटों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने छठ व्रतियों एवं क्षेत्रवासियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं। विधायक ने घाटों पर सुरक्षा एवं सुविधाओं को लेकर प्रशासन की ओर से की गई तैयारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि उत्तरवाहिनी गंगा तट पर पारंपरिक एवं ऐतिहासिक छठ पूजा का



विशेष महत्व है, जहां दूर-दराज से श्रद्धालु पहुंचते हैं। मौके पर विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू, एसडीओ सदानंद महतो, कार्यपालक पदाधिकारी दानिश हुसैन, पुलिस इंस्पेक्टर राजीव रंजन, थाना प्रभारी हसनैन अंसारी सहित झामुमो के कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

बरसा मुंडा की जयंती पर खरदांग में मेला फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ आयोजन, शामिल हुए सांसद व विधायक

बिभा संवाददाता

उधवा। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर रविवार को उधवा प्रखंड स्थित खरदांग मैदान में आयोजित फुटबॉल टूनार्मेंट एवं मेला का राजमहल सांसद विजय कुमार हांसदा व राजमहल विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने विधिवत शुभारंभ किया। आयोजन समिति एवं स्थानीय के द्वारा पारंपरिक आदिवासी रीति रिवाज में दोनों ही अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया। सर्वप्रथम सांसद एवं विधायक ने महापुरुष बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किए। कार्यक्रम को संबोधित



करते हुए दोनों ही जनप्रतिनिधियों ने कहा कि यहां का मेला बरसों से आयोजित हो रही है। जो यहां की सांस्कृतिक धरोहर है। समय के साथ मेला वृहत रूप ले रही है। फुटबॉल टूनार्मेंट में शामिल खिलाड़ियों से दोनों ही अतिथियों ने परिचय प्राप्त किया और फुटबॉल में किक मारकर फाइनल मैच का शुभारंभ किया।

अंगवस्त्र देकर ग्राम प्रधानों को किया सम्मानित

सांसद विजय हांसदा एवं विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर उधवा प्रखंड क्षेत्र के ग्राम प्रधानों को अंग वस्त्र देकर उन्हें सम्मानित किया। दोनों ही अतिथियों ने कहा कि गांव की परंपरा विरासत एवं संस्कृति को अनुशासन के साथ कायम रखने में ग्राम प्रधानों की अहम भूमिका है। मौके पर सांसद प्रतिनिधि संजीव सामू हेंब्रम, विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अयुब अली, सचिव विश्वजीत मंडल, काजू मल्लिक, किन्नू सोरेन, भैया किस्कू, बसंती हांसदा, रानी हांसदा, स्टेशलिना सोरेन, सकल हेंब्रम, हफीजुर रहमान, गुलाब शेख, यासिन शेख सहित अन्य मौजूद थे।

दलदल और कीचड़ के बीच छठ घाटों को संवारने में जुटी रही नगर पंचायत, समितियों ने की सराहना

चुनौतियों के बीच घाटों पर सुविधाओं का विस्तार, छठ पूजा समितियों ने नगर पंचायत को दिया धन्यवाद

मिट्टी भरे बोरों से बनाया गया आवागमन का रास्ता, जेसीबी से हुई सफाई; हाईमास्ट लाइट भी हुई दुरुस्त

बिभा संवाददाता

राजमहल। गंगा तट पर लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर इस बार राजमहल नगर पंचायत की तैयारियां चर्चा का विषय बनी रहीं। गंगा घाटों पर दलदल, कीचड़ और अव्यवस्थित रास्तों की चुनौती के



बीच श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए नगर पंचायत की ओर से विशेष अभियान चलाया गया। घाटों की सफाई से लेकर समतलीकरण, रास्ता निर्माण और रोशनी की व्यवस्था तक कई स्तरों पर काम कराया गया। नगर पंचायत के इन प्रयासों की छठ पूजा समितियों ने खुलकर सराहना की। दरअसल, गंगा के जलस्तर में उतार-चढ़ाव और घाटों की भौगोलिक स्थिति के कारण कई जगहों पर दलदल और कीचड़ की समस्या बनी हुई थी। ऐसे में छठव्रतियों के लिए सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था करना नगर पंचायत के सामने बड़ी चुनौती थी।

पहली बार घाटों की व्यवस्था से संतुष्ट दिखीं पूजा समितियां

सूर्यदेव घाट छठ पूजा समिति के अध्यक्ष देव कुमार दत्ता ने कहा कि इस वर्ष नगर पंचायत की ओर से समिति को भरपूर सहयोग मिला। घाट की सफाई, मरम्मत, समतलीकरण और रोशनी की व्यवस्था में नगर पंचायत के कर्मियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि लंबे समय से बंद हाईमास्ट लाइट का दुरुस्त होना भी महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। नगर पंचायत के पदाधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रियता से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकीं। वहीं गुदारा घाट छठ पूजा समिति के अध्यक्ष पवन कुमार साह ने नगर पंचायत के प्रयासों की सराहना करते हुए विधायक प्रतिनिधि सह नगर पंचायत उपाध्यक्ष मोहम्मद मारूफ उर्फ गुड्डू के सहयोग के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व में बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाटों तक पहुंचते हैं। ऐसे में घाटों की सफाई के साथ आसपास की सड़कों और पहुंच पथों को भी बेहतर बनाने की जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में इन व्यवस्थाओं को और मजबूत किया जाएगा।

सामूहिक प्रयास से बेहतर हुई व्यवस्था : कार्यपालक पदाधिकारी

नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी दानिश हुसैन ने कहा कि राजमहल विधायक, उपायुक्त साहेबगंज, अनुमंडल पदाधिकारी, नगर पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, वार्ड पार्षदों, छठ पूजा समितियों और स्थानीय नागरिकों के सकारात्मक मार्गदर्शन एवं सहयोग से छठव्रतियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का अवसर मिला। उन्होंने इस सामूहिक प्रयास के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कुल मिलाकर, इस वर्ष राजमहल के गंगा घाटों पर नगर पंचायत की सक्रियता और पूजा समितियों के सहयोग से व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने का प्रयास देखने को मिला।

इस समस्या से निपटने के लिए कीचड़ वाले स्थानों पर मिट्टी से भरे बोरों को बिछाकर रास्ता तैयार किया गया। वहीं, जेसीबी मशीन के माध्यम से घाटों की सफाई, झाड़ियों की कटाई और जमीन का समतलीकरण कराया गया। नगर पंचायत की ओर से घाटों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने के साथ खराब पड़ी लाइटों को भी दुरुस्त कराया गया। विशेष रूप से सूर्यदेव घाट पर करीब एक वर्ष से बंद हाईमास्ट लाइट को चालू कराया गया। इससे सुबह और शाम के समय श्रद्धालुओं को काफी सहूलियत मिली।

संक्षिप्त डायरी

छठ के दौरान बड़ा हादसा, मही नदी में डूबने से 70 वर्षीय व्रती की मौत

एजेंसी

पटना। सारण जिले के डेरनी थाना क्षेत्र के विशम्भरपुर गांव में छठ महापर्व के दौरान मही नदी में डूबने से 70 वर्षीय रामनाथ सहनी की मौत हो गई। वह सोमवार को संध्या अर्घ्य देने नदी में उतरे थे, तभी संतुलन बिगड़ने से गहरे पानी में चले गए। बिहार के सारण जिले में लोक आस्था के महापर्व छठ के दौरान एक दर्दनाक हादसे में 70 वर्षीय व्रती की डूबने से मौत हो गई। घटना डेरनी थाना क्षेत्र के विशम्भरपुर गांव की है, जहां सोमवार को मही नदी में संध्या अर्घ्य देने के दौरान बुजुर्ग गहरे पानी में चले गए। हादसे के बाद छठ घाट पर अफरा-तफरी मच गई। जिस परिवार में छठ पर्व को लेकर उत्साह और खुशियों का माहौल था, वहां अचानक मातम छा गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, छपरा भेज दिया। मृतक की पहचान डेरनी थाना क्षेत्र के विशम्भरपुर गांव निवासी स्वर्गीय शिव प्रसाद सहनी के पुत्र रामनाथ सहनी (70) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, रामनाथ सहनी लंबे समय से छठ व्रत करते आ रहे थे। सोमवार को भी वह पूरी श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संध्या अर्घ्य देने के लिए मही नदी के घाट पर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि अर्घ्य देने के दौरान वह नदी के पानी में उतरे। इसी बीच अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वह गहरे पानी में चले गए। आसपास मौजूद लोगों को जब उनके डूबने का पता चला तो घाट पर अफरा-तफरी मच गई। श्रद्धालुओं ने तत्काल उन्हें बचाने की कोशिश शुरू की। काफी प्रयास के बाद उन्हें पानी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। बाद में तलाश के दौरान घटनास्थल से कुछ दूरी पर उनका शव बरामद किया गया। छठ घाट पर मची चीख-पुकार, परिवार में पसरा मातम रामनाथ सहनी की मौत की खबर मिलते ही परिवार के लोगों में चीख-पुकार मच गई। छठ पर्व की खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, घटना से गांव के लोग भी स्तब्ध हैं। घाट पर मौजूद श्रद्धालुओं के बीच भी शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा हादसे की सूचना मिलने पर डेरनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, छपरा भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, रात होने के कारण पोस्टमार्टम की प्रक्रिया सोमवार को पूरी कराई जाएगी। इस हादसे के बाद नदी घाटों पर सुरक्षा इंतजामों को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। खासकर गहरे पानी वाले घाटों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था और बुजुर्ग व्रतियों की सुरक्षा के लिए विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत सामने आई है। छठ जैसे बड़े पर्व के दौरान घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं होने से इस तरह की घटनाओं का खतरा बना रहता है।

चिराग पासवान ने छठ महापर्व की शुभकामनाएं, यूपी चुनाव में एलजेपी की भूमिका को लेकर कही ये बात



एजेंसी

पटना। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर सपा और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने सपा पर प्रदेश को फिर गुंडाराज और डर के माहौल की ओर ले जाने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता जानती है कि कांग्रेस और सपा के शासन में प्रदेश में किस तरह के हालात थे। सपा एक बार फिर उसी 'गुंडाराज' और डर के माहौल की ओर प्रदेश को ले जाने की कोशिश कर रही है। चिराग ने विश्वास जताया कि उत्तर प्रदेश की जनता एक बार फिर एनडीए के नेतृत्व को स्वीकार करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में अपना विस्तार कर रही है और उन्हें उम्मीद है कि यहां भी जनता का समर्थन मिलेगा। सपा-कांग्रेस पर साधा निशाना, बोले- यूपी की जनता सब जानती है पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान चिराग पासवान से उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि इंडिया गठबंधन में कौन कितनी सीटों का दावा कर रहा है या सीटों को लेकर कोई दावा भी किया जा रहा है या नहीं। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी ओर से चुनाव की तैयारियां की हैं। विपक्ष पर निशाना साधते हुए चिराग ने कहा कि आज विपक्ष की स्थिति ऐसी है, जहां कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी पूरी तरह दब गई है। वहीं, समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश को फिर उसी गुंडाराज और आतंक के दौर में ले जाने की कोशिश कर रही है, जहां महिलाओं के लिए घर से बाहर निकलना भी मुश्किल था। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा और उसके नेता पीडीए के नाम पर अलग-अलग गठबंधन के जरिए प्रदेश को पुराने दौर में वापस ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। 'दलितों को सशक्त बनाने में किसका योगदान, यह भी याद रखें' चिराग पासवान ने दलितों और वंचित वर्गों के मुद्दे पर भी विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि कल तक दलितों को सशक्त बनाने की बात की जा रही थी, लेकिन विपक्ष को यह भी याद रखना चाहिए कि वास्तव में दलितों को मजबूत बनाने में किसका योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि उन पार्टियों को भी याद करना चाहिए, जिन्होंने दलितों और समाज के वंचित वर्गों का शोषण किया और उन्हें प्रताड़ित किया। उत्तर प्रदेश की जनता अच्छी तरह जानती है कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के शासनकाल में इन वर्गों के साथ कैसा व्यवहार किया गया। चिराग ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि उत्तर प्रदेश की जनता एक बार फिर एनडीए के नेतृत्व को स्वीकार करेगी। यूपी में पार्टी के विस्तार की तैयारी कर रही (रामविलास) लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ने और संगठन के विस्तार को लेकर चिराग पासवान ने कहा कि उनकी पार्टी लगातार अपना विस्तार कर रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जिस तरह अलग-अलग राज्यों में जनता ने उनकी पार्टी का समर्थन किया है, उसी तरह उत्तर प्रदेश में भी उन्हें लोगों का साथ मिलेगा। छठी मैया के आशीर्वाद से मुश्किल समय में मिली ताकतः चिराग पासवान छठ महापर्व के समापन पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार और देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छठ पर्व मनाने वाले सभी लोगों को उनकी ओर से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि इस पर्व के प्रति लोगों की गहरी आस्था और श्रद्धा है। चिराग पासवान ने कहा कि व्यक्तिगत रूप से उन्हें महसूस होता है कि मुश्किल समय में छठी मैया ने उन्हें आशीर्वाद दिया है। उनके आशीर्वाद से उन्हें जीवन में बहुत कुछ हासिल हुआ है। वह पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ इस महापर्व को मनाते हैं।

पैतृक गांव में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दिया उगते सूर्य को अर्घ्य, घाटों का किया दौरा

एजेंसी

पटना। बिहार में सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व संपन्न हो गया। मधुबनी के कमला बलान नदी स्थित परतापुर घाट पर करीब चार से पांच हजार श्रद्धालु चचरी पुल पार कर पहुंचे। सुरक्षा के लिए एसडीआरएफ, गोताखोर, पुलिस बल और मजिस्ट्रेट तैनात किए गए थे। लोक आस्था और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ संपन्न हो गया। मधुबनी से लेकर भोजपुर तक छठ घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। व्रतियों ने भगवान भास्कर और छठी मइया की पूजा कर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्यता और खुशहाली की कामना की। इसके साथ ही 36 घंटे के निर्जला व्रत का पारण किया। मधुबनी के कमला बलान नदी स्थित परतापुर घाट पर जहां व्रती चचरी पुल के सहारे नदी पार कर पहुंचे, वहीं भोजपुर के कोइलवर में सोन नदी के तट पर हजारों श्रद्धालुओं ने अर्घ्य अर्पित किया। लोक आस्था के महापर्व छठ को



लेकर जिले में सुबह से ही भक्तिमय माहौल रहा। चारों ओर छठ गीतों की गूंज और पूजा की धूम देखने को मिली। नहाय-खाय और खरना के बाद 36 घंटे का निर्जला व्रत रखने वाली व्रतियों ने सोमवार सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर चार दिवसीय पर्व का समापन किया। कमला बलान नदी के परतापुर घाट पर अर्घ्य देने के लिए हजारों श्रद्धालु पहुंचे। यहां छठ व्रतियों को चचरी पुल के सहारे नदी पार करनी पड़ती है। इस रास्ते से गुजरने में खतरा बना रहता है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए थे। घाट पर एसडीआरएफ की टीम और गोताखोरों को तैनात किया गया था। इसके अलावा बड़ी संख्या में पुलिस बल और निगरानी के लिए मजिस्ट्रेट की भी नियुक्ति की गई थी, ताकि किसी भी अनहोनी से निपटा जा सके। कमला पूजा कमेटी के 51 सदस्य भी घाट पर लगातार निगरानी कर रहे थे। कमेटी के अध्यक्ष अवधेश यादव ने बताया कि करीब चार से पांच हजार श्रद्धालु चचरी पुल के रास्ते कमला नदी पार कर परतापुर घाट पहुंचते हैं। यहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम तैनात है। श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। दूर-दूर से लोग इस घाट पर छठ व्रत करने पहुंचते हैं। झंझारपुर के एसडीपीओ सुबोध कुमार सिन्हा ने बताया कि छठ पर्व शांतिपूर्ण तरीके से मनाया जा रहा है। रविवार शाम को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया गया था, जबकि सोमवार सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया गया। उन्होंने बताया कि प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार गश्त कर रहे हैं। कमला नदी के तट पर भी पुलिस बल की तैनाती की गई है। अब तक किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। हालांकि, चचरी पुल से नदी पार कर हजारों लोगों के घाट पहुंचने के कारण सुरक्षा को लेकर प्रशासन की सतर्कता अहम बनी हुई है। जिले में भी चार दिवसीय छठ महापर्व सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ श्रद्धा और उल्लास के माहौल में संपन्न हो गया। जिले के विभिन्न छठ घाटों पर अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने लगी थी। व्रतियों ने भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। इसके बाद प्रसाद ग्रहण कर निर्जला व्रत का पारण किया। कोइलवर स्थित सोन नदी के तट पर सुबह से ही हजारों की संख्या में छठव्रती और श्रद्धालु पहुंचने लगे थे। अंधेरा छंटने के साथ ही घाटों पर चहल-पहल बढ़ गई। पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाएं सिर पर पूजन सामग्री से भरे दउरा और सूप लेकर घाट पहुंचीं। जैसे ही भगवान सूर्य की पहली किरण दिखाई दी, पूरा घाट छठी मइया के जयकारों और पारंपरिक छठ गीतों से गूंज उठा। व्रतियों ने सोन नदी के पवित्र जल में खड़े होकर दूध, जल, फल और फूलों से भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान महिलाओं ने पारंपरिक छठ गीत गाकर छठी मइया और भगवान भास्कर की आराधना की। घाटों पर बज रहे छठ गीतों और श्रद्धालुओं की गहरी आस्था से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। अर्घ्य के साथ ही चार दिनों से चल रहे महापर्व का समापन हो गया। मुख्यमंत्री की छोटी बहन भावना सिंह और चचेरी भाभी मीना देवी छठ व्रत कर रही थीं। इस दौरान मुख्यमंत्री की पत्नी कुमारी ममता चौधरी ने भी भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। मुख्यमंत्री के घाट पर पहुंचते ही ग्रामीणों में उत्साह का माहौल बन गया। लोगों ने जयकारों के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान घाट पर बड़ी संख्या में ग्रामीण और श्रद्धालु मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने छठ महापर्व के शांतिपूर्ण संपन्न होने पर बिहारवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व श्रद्धा, विश्वास, आस्था और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह पर्व प्रकृति और भगवान सूर्य के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का संदेश देता है। लखनपुर छठ घाट पर अर्घ्य अर्पित करने के बाद मुख्यमंत्री असरगंज नगर पंचायत के जलालाबाद स्थित लाठ पोखर छठ घाट पहुंचे। यहां ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने रणगांव मंदिर परिसर स्थित शिवगंगा छठ घाट और धोबई छठ घाट का भी दौरा किया। मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। उनके आवागमन वाले रास्तों से लेकर सभी छठ घाटों तक पुलिस बल तैनात किया गया था।

छठ के दिन बड़ा हादसा टला, बेकाबू ट्रक ने डिवाइडर तोड़ बोलेरो को मारी टक्कर

एजेंसी

पटना। मुजफ्फरपुर के गायघाट प्रखंड स्थित बेनीबाद थाना क्षेत्र के केवटसा चौक पर सोमवार सुबह आलू से लदा पंजाब नंबर का ट्रक अनियंत्रित होकर एनएच-27 से नीचे उतर गया। ट्रक ने डिवाइडर तोड़कर सड़क किनारे खड़ी बोलेरो को टक्कर मार दी। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में छठ महापर्व के दौरान सोमवार की सुबह एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। गायघाट प्रखंड के बेनीबाद थाना क्षेत्र स्थित केवटसा चौक के पास आलू से लदा पंजाब नंबर का एक ट्रक अनियंत्रित होकर एनएच-27 से नीचे उतर गया। ट्रक ने सड़क किनारे डिवाइडर तोड़ते हुए एक निजी पेंट्स दुकान के पास खड़ी बोलेरो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से बोलेरो क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, मौके पर किसी व्यक्ति के मौजूद नहीं होने के कारण कोई हताहत नहीं हुआ। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही बेनीबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को जब्त कर लिया। पुलिस मामले की जांच और आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसे के समय ट्रक को उसका खलासी चला रहा था। शुरूआती जानकारी में बताया जा रहा है कि चालक को नींद आने के कारण वाहन से नियंत्रण हट गया और ट्रक अनियंत्रित होकर एनएच-27 से नीचे उतर गया। इसके बाद उसने सड़क किनारे लगे डिवाइडर को तोड़ते हुए बोलेरो में टक्कर मार दी। हादसे के बाद बेनीबाद थाना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रक को जब्त कर लिया। ट्रक में आलू समेत कुछ सामान लदा हुआ था। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों को भी घटना की जानकारी दे दी गई है। कुछ देर पहले इसी रास्ते से गुजर रहे थे छठ व्रती इस हादसे में सबसे राहत की बात यह रही कि दुर्घटना से कुछ समय पहले ही बड़ी संख्या में छठ व्रती महिलाएं और श्रद्धालु पूजा सामग्री से भरे दउरा लेकर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के लिए घाट की ओर जा रहे थे। जिस जगह ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतरा, वहां से कुछ देर पहले ही श्रद्धालु गुजरे थे।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व संपन्न, छठी मईया के जयकारों से गूंजे घाट

एजेंसी

पटना। मुजफ्फरपुर में सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व संपन्न हो गया। सीढ़ी घाट, आश्रम घाट, लकड़ीढही घाट, अखाड़ा घाट, चंदवारा घाट सहित शहर के विभिन्न घाटों और पोखरों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ संपन्न हो गया। इस मौके पर मुजफ्फरपुर के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर भगवान भास्कर और छठी मईया से परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। छठी मईया के जयकारों और पारंपरिक गीतों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। अर्घ्य देने के बाद व्रतियों ने प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे के निर्जला उपवास का पारण किया। 36 घंटे के निर्जला व्रत का हुआ समापन चार दिनों



तक चले इस महापर्व में श्रद्धा, भक्ति, उल्लास और अनुशासन का अद्भुत संगम देखने को मिला। व्रतियों ने रविवार शाम अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया था। इसके बाद सोमवार तड़के घाटों पर पहुंचकर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया। इसी के साथ 36 घंटे तक चलने वाला निर्जला व्रत पूरा हुआ। व्रतियों ने भगवान भास्कर और छठी मईया से अपने परिवार की सुख-शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि की प्रार्थना की। मुजफ्फरपुर के प्रमुख घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ छठ पूजा को लेकर मुजफ्फरपुर जिले के प्रमुख घाटों पर विशेष रौनक रही। शहर के सीढ़ी घाट, आश्रम घाट, लकड़ीढही घाट, अखाड़ा घाट और चंदवारा घाट सहित कई स्थानों पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इसके अलावा ब्रह्मपुरा पोखर, तीन पोखरिया, पड़ाव पोखर, साहू पोखर मंदिर तालाब और रामदयालु कॉलेज परिसर स्थित घाटों पर भी श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। घाटों पर सुबह से ही छठी मईया के जयकारे गूंजते रहे। उगते सूर्य की पहली किरण के साथ श्रद्धालुओं ने पानी में खड़े होकर अर्घ्य दिया। इस दौरान पारंपरिक छठ गीतों की मधुर धुन ने माहौल को और भक्तिमय बना दिया। 'उठे सूर्य भगवान, अंगना में दीहीं दर्शन' जैसे गीतों के बीच व्रतियों ने सूर्य देव की आराधना की। प्रसाद ग्रहण कर एक-दूसरे को दी छठ की शुभकामनाएं पूजा संपन्न होने के बाद व्रतियों ने छठी मईया और भगवान भास्कर को अर्पित प्रसाद ग्रहण किया और निर्जला व्रत का पारण किया। इसके साथ ही श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं। पूरे बिहार में चार दिनों तक चले इस पर्व के दौरान भक्ति और उल्लास का माहौल बना रहा। छठ महापर्व धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक समानता, आपसी भाईचारे और नारी शक्ति के सम्मान का भी प्रतीक है। इस पर्व में समाज के सभी वर्गों के लोग एक साथ घाटों पर पहुंचकर सूर्य उपासना करते हैं।

डूबने से दो दसवीं के छात्रों की मौत, पोखर से मिला एक का शव; दूसरे की तलाश जारी

एजेंसी

पटना। सहरसा जिले में डूबने की दो अलग-अलग घटनाओं में दसवीं कक्षा के दो छात्रों की मौत हो गई। सिमरी बख्तियारपुर के चमराही पोखर में दोस्तों के साथ नहाने गए 17 वर्षीय प्रिंस कुमार की डूबने से मौत हो गई। बिहार के सहरसा जिले में डूबने की दो अलग-अलग घटनाओं में दसवीं कक्षा के दो छात्रों की मौत हो गई। सिमरी बख्तियारपुर में दोस्तों के साथ पोखर में नहाने गए 17 वर्षीय छात्र की डूबने से जान चली गई। वहीं, सलखुआ प्रखंड में छठ घाट बनाने के दौरान कोसी नदी में डूबने से करीब 18 वर्षीय एक अन्य छात्र की मौत हो गई। पहली घटना में गोताखोरों ने छात्र का शव बाहर निकाल लिया, जबकि दूसरी घटना में डूबे छात्र का शव अब तक नहीं मिला है। नदी में उसकी तलाश जारी है। दोनों घटनाओं के बाद मृतकों के परिवारों में मातम पसरा हुआ है। दोस्तों के साथ पोखर में नहाने गया था प्रिंस, गहरे पानी में डूबा पहली घटना सिमरी

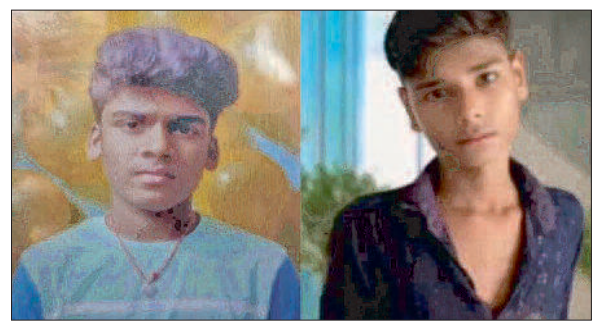

बख्तियारपुर थाना क्षेत्र की है। रायपुरा पंचायत के रसूलाबाद वार्ड संख्या-13 निवासी राजा राम साह का 17 वर्षीय बेटा प्रिंस कुमार सोमवार को अपने कुछ दोस्तों के साथ चमराही पोखर में नहाने गया था। परिजनों के मुताबिक, प्रिंस दसवीं कक्षा का छात्र था और तीन भाइयों में सबसे छोटा था। बताया जा रहा है कि पोखर में दोस्तों के साथ तैरने के दौरान वह अचानक गहरे पानी की ओर चला गया और डूबने लगा। जब तक उसके साथ मौजूद दोस्तों को घटना का पता चलता, तब तक वह गहरे पानी में लापता हो चुका था। इसके बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गोताखोरों ने पोखर से निकाला शव, परिवार में मचा कोहराम घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे और किशोर की तलाश शुरू की। काफी देर तक खोजबीन के बाद भी जब उसका पता नहीं चला तो सलखुआ प्रखंड से गोताखोरों को बुलाया गया। गोताखोरों ने काफी मशक्कत के बाद पोखर से प्रिंस का शव बाहर निकाला। शव देखते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

छठ के समापन पर 16 साल पुरानी परंपरा का निर्वहन, सामाजिक बुराइयों के प्रतीक रावण का दहन

एजेंसी

पटना। मुजफ्फरपुर के साहू पोखर घाट पर छठ महापर्व के समापन पर रावण दहन किया गया। 16 वर्षों से चली आ रही इस परंपरा के जरिए दहेज, बाल विवाह, नशाखोरी और घरेलू हिंसा जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया गया। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के ऐतिहासिक साहू पोखर घाट पर छठ महापर्व के समापन के अवसर पर रावण दहन किया गया। शहर के इस घाट पर रावण दहन की अनोखी परंपरा पिछले 16 वर्षों से निभाई जा रही है। इसका उद्देश्य समाज में व्याप्त बुराइयों को समाप्त करने और लोगों को जागरूक करना है। छठ महापर्व के अंतिम दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद रावण रूपी बुराई के प्रतीक का दहन किया गया। इस आयोजन के माध्यम से धार्मिक परंपरा निभाने के साथ ही दहेज प्रथा, बाल विवाह, नशाखोरी, घरेलू हिंसा और भ्रष्टाचार जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ संदेश दिया गया। इस वर्ष रावण को दहेज रूपी दंश, बाल विवाह और नशे जैसी सामाजिक बुराइयों का प्रतीक बनाया गया। रावण के हाथों में नशे के लिए इस्तेमाल होने वाले मादक पदार्थों और अन्य आपत्तिजनक वस्तुओं के प्रतीक रखे गए। आयोजकों का कहना है कि इन बुराइयों के कारण युवा पीढ़ी और बच्चे गलत रास्ते पर जा रहे हैं। ऐसे



में रावण दहन के माध्यम से लोगों को इनके खिलाफ जागरूक करने का प्रयास किया गया। भारतीय सेवा दल के अध्यक्ष विक्रम सर्राफ ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त बुराइयों का नाश करना है। समाज में दहेज, नशा और घरेलू हिंसा जैसी समस्याएं गंभीर रूप ले रही हैं। इन्हें समाप्त करने के लिए लोगों को जागरूक होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारा और सरकार का लक्ष्य बिहार को नशामुक्त बनाना है। इसी उद्देश्य से हर साल छठ महापर्व के समापन पर रावण दहन का आयोजन किया जाता है। हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं और लोगों के बीच इस आयोजन के जरिए बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया।

अनंत सिंह पर समधन का अंदाज-ए-बयां, चुटकी लेकर बोलीं

एजेंसी

पटना। मोकामा विधायक अनंत सिंह की बेटी शिवांगी सिंह की शादी 25 नवंबर को होनी है। इससे पहले इंटरनेट मीडिया पर उनकी होने वाली समधन का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह विधायक के काले चश्मे और सख्त छवि पर मजाकिया अंदाज में टिप्पणी करती नजर आ रही हैं। मोकामा विधायक अनंत सिंह की बेटी शिवांगी सिंह का विवाह आगामी 25 नवंबर को आयोजित होने जा रहा है, जिसे लेकर तैयारियां बहुत तेजी से चल रही हैं। इस बहुचर्चित विवाह समारोह के बीच इंटरनेट मीडिया पर विधायक की समधन का मजेदार वीडियो वायरल हो रहा है। आमतौर पर सार्वजनिक जीवन में अनंत सिंह के समक्ष लोग बहुत ही



संभलकर और नाप-तोलकर बोलते हैं, लेकिन इस वायरल वीडियो में समधन के सामने विधायक का रौब और दबदबा बिल्कुल काम नहीं आया। समधन ने बिना किसी झिझक के विधायक के पहनावे तथा उनके प्रसिद्ध काले चश्मे पर ऐसी चुटकी ली कि वहां उपस्थित सभी लोग अपनी हंसी रोक नहीं पाए और पूरा माहौल खुशनुमा हो गया। समधन की मजाकिया टिप्पणी इंटरनेट पर वायरल सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे इस वीडियो में समधन बेझिझक मुस्कुराते हुए यह कहती हुई सुनाई देती हैं कि 'अनंत सिंह का वही हाल है ना जी, गोरे-गोरे मुखड़े पे काला-काला चश्मा।' यह मजाकिया टिप्पणी करने के तुरंत बाद वह खिलखिलाकर हंस पड़ती हैं। उन्होंने विधायक अनंत सिंह की सर्वत्र चर्चित सख्त छवि पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने हंसते हुए कहा कि अन्य लोग भले ही विधायक जी से डरते होंगे, लेकिन समधन होने के नाते भला वह उनसे क्यों डरेंगी। वीडियो में उन्होंने आगे यह भी जानकारी दी कि आने वाली 20 नवंबर को आयोजित होने वाले तिलक समारोह के दौरान वह उनसे व्यक्तिगत रूप से मुलाकात करने वाली हैं। समधी और समधन के बीच हंसी-मजाक के इस सहज रिश्ते की लोग खूब सराहना कर रहे हैं। सेना अधिकारी के बेटे संग विवाह की भव्य तैयारी मोकामा विधायक अनंत सिंह की बेटी शिवांगी सिंह का विवाह 25 नवंबर को सेना अधिकारी रणविजय कुमार के पुत्र ऋषिकेश कुमार के साथ तय हुआ है। इस शादी को यादगार तथा ऐतिहासिक बनाने के उद्देश्य से आयोजकों द्वारा व्यापक स्तर पर कई प्रकार के प्रबंध किए जा रहे हैं। विवाह समारोह में सम्मिलित होने वाले देश-प्रदेश के तमाम विशिष्ट अतिथियों के खान-पान के लिए विभिन्न व्यंजनों और पकवानों की उत्तम व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही अतिथियों का मनोरंजन करने तथा समारोह की भव्यता बढ़ाने के लिए पारंपरिक घुड़दौड़ और विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की भी विशेष रूपरेखा तैयार की गई है। बेटी की शादी के निमंत्रण को लेकर भी विधायक अनंत सिंह लगातार चर्चा के केंद्र में बने हुए हैं। वह प्रसिद्ध भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह के पटना स्थित आवास पर भी छठ पर्व का प्रसाद ग्रहण करने पहुंचे थे। बाहर निकलते ही उन्होंने वहां मौजूद पत्रकारों और आम लोगों से बातचीत की तथा सभी को शादी में शामिल होने का खुला न्यौता दिया। उन्होंने कहा कि 25 तारीख को उनकी बेटी का विवाह है और इसके लिए किसी विशेष कार्ड अथवा निमंत्रण पत्र की आवश्यकता नहीं है। यदि आमंत्रण देने के दौरान कोई भाई छूट गया हो तो वह क्षमा चाहते हैं, लेकिन सभी लोग विवाह में जरूर आएं।

डिजिटल पेमेंट को मिलेगी रफ्तार, दुकानदारों को इंसेंटिव देगी एनपीसीआई

मुंबई ।

नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए एक नई स्कीम शुरू की है। छोटे दुकानदारों को अब यूपीआई क्यूआर कोड और साउंड बॉक्स लगाने पर वित्तीय प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे डिजिटल लेनदेन को जमीनी स्तर पर बढ़ावा मिलेगा। एनपीसीआई द्वारा शुरू की गई इस योजना के तहत, नए दुकानदारों को पहली बार यूपीआई क्यूआर कोड स्थापित करने पर 300 रुपये का इंसेंटिव मिलेगा। वहीं भुगतान अलर्ट के लिए साउंड बॉक्स लगाने पर 750 रुपये तक का प्रोत्साहन दिया जाएगा। दो हजार रुपये तक के पात्र यूपीआई लेनदेन भी इस योजना में शामिल होंगे। इस पहल का सीधा लाभ किराना दुकानदारों, फेरीवालों और छोटे रिटेल व्यापारियों को मिलेगा। इसका मुख्य उद्देश्य छोटे शहरों और दूर-दराज के इलाकों में डिजिटल भुगतान के इस्तेमाल को बढ़ाना है। यह योजना डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगी।

उज्ज्वला लाभार्थियों को 625 में मिल रहा रसोई गैस सिलेंडर

नई दिल्ली ।

घरेलू और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में सोमवार को कोई बदलाव नहीं किया गया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को सरकार की ओर से बड़ी सब्सिडी जारी है, जिसके चलते दिल्ली में उन्हें घरेलू सिलेंडर मात्र 642 रुपए में मिल रहा है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार, एक एलपीजी सिलेंडर के उत्पादन पर कंपनी का खर्च 1,267.24 रुपए है। उज्ज्वला योजना के तहत केंद्र सरकार इस लागत और लाभार्थी द्वारा चुकाई जाने वाली राशि के बीच 625.24 रुपए का बड़ा अंतर वहन करती है। इस योजना का लाभ जारी रखने के लिए लाभार्थियों को ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है, जिसे गैस कंपनी के मोबाइल ऐप या नजदीकी गैस एजेंसी पर जाकर किया जा सकता है। देश के प्रमुख शहरों में घरेलू और कमर्शियल सिलेंडर की कीमतें स्थिर हैं। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू एलपीजी सिलेंडर 942.50 रुपए और 19 किलोग्राम वाला कमर्शियल सिलेंडर 2,820 रुपए में उपलब्ध है। अन्य शहरों में भी कीमतें लगभग इसी स्तर पर बनी हुई हैं।

मिस्र ने भारतीय कंपनियों को विशेष निवेश क्षेत्र स्थापित करने का न्योता दिया

काहिरा ।

मिस्र ने भारत के साथ आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की इच्छा व्यक्त करते हुए भारतीय कंपनियों से अपने देश में विशेष निवेश क्षेत्र या मुक्त व्यापार क्षेत्र स्थापित करने का आग्रह किया है। मिस्र ने इसके लिए जमीन और हरसंभव मदद की पेशकश की है, जिसका वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने स्वागत किया। मिस्र के निवेश एवं विदेशी व्यापार मंत्री मोहम्मद फरीद सालेह ने भारतीय कारोबारियों से स्वेज नहर और गोल्डन ट्रायंगल जैसे आर्थिक क्षेत्रों में निवेश करने का आह्वान किया। उन्होंने विशेष रूप से भारत के लिए एक ऐसा क्षेत्र बनाने का सुझाव दिया, जहाँ दोनों देशों की कंपनियाँ मिलकर उत्पादन और व्यापार कर सकें तथा एक साझा व्यावसायिक संस्कृति विकसित कर सकें। सालेह ने जमीन की उपलब्धता और सरकारी सहायता का आश्वासन दिया। यह पहल ऐसे समय में आई है जब भारत और मिस्र विनिर्माण, बुनियादी ढांचे और आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं।

श्रीलंका की कंपनी को अंडमान में बिजली संयंत्र बनाने का 7.5 करोड़ डॉलर का ठेका

ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास को मिलेगा बढ़ावा

कोलंबो ।

अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह की बिजली आपूर्ति को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, श्रीलंका की कंपनी लखदनवी को 57 मेगावाट का बिजली संयंत्र स्थापित करने के लिए 7.5 करोड़ डॉलर (लगभग 625 करोड़ रुपये) का ठेका मिला है। यह परियोजना भारत और श्रीलंका के बीच बढ़ते आर्थिक सहयोग का भी प्रतीक है। कंपनी ने सोमवार को बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। लखदनवी ने 21 सितंबर को इस परियोजना के लिए भारत की राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। यह संयंत्र पोर्ट ब्लेयर के होप टाउन में स्थापित किया जाएगा। इस परियोजना से द्वीपों के बिजली बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) के माध्यम से दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने और भविष्य में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 512, निफ्टी 146 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दूनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 512.34 अंक बढ़कर 82,104.79 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 146.80 अंक उछलकर 25,291.10 पर पहुंच गया।

हालांकि व्यापक बाजारों का प्रदर्शन प्रमुख बेंचमार्कों से कमजोर रहा, जिनमें निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में क्रमशः 0.51 फीसदी और 1.10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्रवार देखे तो निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी बैंक में सबसे ज़्यादा तेजी देखने को मिली, जिनमें 1.87फीसदी और 0.89 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, जबकि निफ्टी ऑटो, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी फार्मा का प्रदर्शन खराब रहा है।

मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में प्रॉफिट बुकिंग के कारण व्यापक बाजारों का प्रदर्शन कमजोर रहा, जो ऊंचे स्तरों पर निवेशकों के सतर्क रुख को दिखाता है। इस बीच, लगातार खरीदारी के चलते दिग्गज शेयरों और बैंकिंग शेयरों में तेजी आई।

आज क्षेत्रीय सूचकांकों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स 1.2 फीसदी की जोरदार बढ़त के साथ



सबसे आगे रहा। इसके अलावा निफ्टी बैंक, प्राइवेट बैंक, मीडिया, इंफ्रा और पीएसयू बैंक इंडेक्स में भी 0.3फीसदी से 0.6फीसदी तक की तेजी दर्ज की गई। दूसरी ओर, रियल्टी इंडेक्स में 1.9फीसदी, फार्मा में 1.7फीसदी, मेटल में 1.5फीसदी, ऑटो में 1.5फीसदी और एनर्जी इंडेक्स में 0.6फीसदीकी गिरावट देखने को मिली।

वहीं इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की जोरदार बढ़त के साथ शुरुआत

हुई। कमजोर वैश्विक संकेतों को दरकिनार करते हुए घरेलू बाजार हरे निशान में खुला। आज सुबह सेंसेक्स 560 अंकों से अधिक उछल गया, जबकि एनएसई निफ्टी भी 140.30 अंक चढ़कर 25,284.60 पर कारोबार करता दिखा। बाजार को पीएसयू बैंकों और हेल्थकेयर शेयरों में आई तेजी से मजबूत सहारा मिला।

रुपया गिरावट के साथ बंद



मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 25 पैसे की गिरावट के साथ ही 93.94 पर बंद हुआ। रुपया सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में छह पैसे की बढ़त के साथ ही 94.13 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और घरेलू बाजारों में सकारात्मक रुख से भी रुपये को बल मिला। अमेरिका और ईरान के बीच अनिश्चितता के बीच डॉलर में मजबूती और अमेरिकी कोष बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि ने रुपये की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.22 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 94.13 के उच्च स्तर और 94.25 के निचले स्तर तक गया। रुपया शुक्रवार को सात पैसे टूटकर 94.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की बढ़त के साथ 103.44 पर रहा।

आईडीबीआई बैंक निजीकरण पर घमासान, डील रोकने आरबीआई से लगाई गुहार

यूनियन ने कनाडाई कंपनी फेयरफैक्स की क्षमता और हितों के टकराव पर उठाए सवाल

नई दिल्ली ।

आईडीबीआई बैंक के प्रस्तावित निजीकरण को लेकर विवाद और गहरा गया है। बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों के संगठन ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से बैंक की बिक्री प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। वे कनाडाई कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स को बैंक बेचने के प्रस्ताव पर सवाल उठाते हुए पूरे सौदे की स्वतंत्र जांच कराने की अपील कर रहे हैं। यूनाइटेड फोरम ऑफ आईडीबीआई ऑफिसर्स एंड एम्प्लॉइज ने आरबीआई गवर्नर से 52,878 करोड़ रुपये के प्रस्तावित सौदे को रोकने की अपील की है।

यूनियन ने आरबीआई से सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को इस विनिवेश प्रक्रिया को रद्द करने की सलाह देने का भी आग्रह किया है। अक्टूबर 2026 में, आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने फेयरफैक्स की सहायक कंपनी को आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक खरीदार के रूप में मंजूरी दी थी, जिसके तहत केंद्र और एलआईसी अपनी कुल 60.72 फीसदी हिस्सेदारी बेचेंगे। हालांकि, यूनियन ने फेयरफैक्स की बैंकिंग क्षेत्र में विशेषज्ञता और इतने बड़े बैंक को संभालने की क्षमता पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

टेक्नोलॉजी का जादू-एआई के दम पर दौड़ेगी दुनिया की अर्थव्यवस्था रिपोर्ट

2027 में भारत की वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली ।

गोल्डमैन सैक्स ने अपनी नवीनतम ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक 2027 रिपोर्ट में वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण पेश किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2027 में वैश्विक अर्थव्यवस्था 2.8 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो 2026 के अनुमानित 2.7 फीसदी की वृद्धि से थोड़ा अधिक है।

ऊर्जा कीमतों में कमी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में लगातार निवेश इस वृद्धि के मुख्य आधार होंगे, जो सख्त वित्तीय स्थितियों और सरकारी खर्च में कमी के प्रभाव को संतुलित करेंगे। गोल्डमैन सैक्स के एक मुख्य अर्थशास्त्री के अनुसार, 2027 में सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि ठोस लेकिन सामान्य रहेगी। रिपोर्ट बताती है कि 2026 में वैश्विक आर्थिक वृद्धि पर दबाव डालने वाली ऊर्जा कीमतें, 2027 में इनका मामूली असर पड़ेगा। गोल्डमैन सैक्स के कमोडिटी विश्लेषकों का अनुमान है कि ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें 2027 के अंत तक 78 डॉलर प्रति बैरल तक गिर जाएंगी। वैश्विक तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की कीमतों में भी इसी तरह की कमी आएगी, जिससे आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा। एआई निवेश और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं का प्रदर्शन- कृत्रिम बुद्धिमत्ता में निवेश 2027 में बढ़कर 1.8 ट्रिलियन डॉलर होने का अनुमान है, जो 2026 में 1.1 ट्रिलियन डॉलर था।

अकेले एआई निवेश 2027 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि में 0.4 प्रतिशत अंक का योगदान दे सकता है। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में, भारत की वृद्धि 2027 में 7.2 फीसदी रहने का अनुमान है, जो हालांकि 2026 के 7.9 फीसदी से कम है, लेकिन 6.8 फीसदी के आम सहमति अनुमान से अधिक है। चीन की अर्थव्यवस्था 4.5 फीसदी और अमेरिका की अर्थव्यवस्था 2.4 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

गोल्डमैन सैक्स को उम्मीद है कि ऊर्जा कीमतों में गिरावट से वैश्विक महंगाई कम होगी। अमेरिका में, व्यक्तिगत उपभोग व्यय सूचकांक द्वारा मापी गई मुख्य महंगाई 2027 के अंत तक 2.4 फीसदी तक गिरने का अनुमान है, जो 2026 के अंत में 3.2 फीसदी थी।

हालांकि, रिपोर्ट ने वैश्विक वृद्धि परिदृश्य के लिए नकारात्मक जोखिमों की चेतावनी भी दी है। इनमें ईरान युद्ध का फिर से बढ़ना, बड़े सरकारी घाटे से बढ़ती उधार लागत, और क्षमता बाधाओं या कमजोर मांग के कारण एआई निवेश का उम्मीद से कम होना शामिल है, जो वैश्विक आर्थिक वृद्धि पर असर डाल सकते हैं।

मंगलम और आदित्य बिड़ला की दो कंपनियां चीन की होंगी, 265 मिलियन डॉलर में हुई डील

नई दिल्ली।

भारत के अरबपति कुमार मंगलम बिड़ला की आदित्य बिड़ला ग्रुप की कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी नोवेलिस चीन में अपनी दो कंपनियों को बेचने का फैसला किया है। ये डील 14 नवंबर को हुई। डील की कुल कीमत करीब 265 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,497.50 करोड़ रुपए है। हालांकि अगर सौदे से जुड़ी कुछ शर्तें पूरी होने पर 10 मिलियन डॉलर का अतिरिक्त भुगतान भी मिल सकता है।

हिंडाल्को का कहना है कि इस कदम का मकसद अपने वैश्विक कारोबार को बेहतर तरीके से व्यवस्थित करना और भविष्य की रणनीति के मुताबिक कारोबार पर ध्यान केंद्रित करना है। इस डील के तहत हिंडाल्को की सब्सिडियरी नोवेलिस अपनी दो पूर्ण स्वामित्व वाली चीनी सब्सिडियरी कंपनियों को बेचेगी। ये दोनों कंपनियां चीन में नोवेलिस के कारोबार का हिस्सा हैं। नोवेलिस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी है। इस तरह इन कंपनियों का अप्रत्यक्ष संबंध आदित्य बिड़ला ग्रुप से है।

हिंडाल्को ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि इन दोनों कंपनियों को खरीदने वाली कंपनी उसकी सहयोगी कंपनियां हैं। यह सौदा 14 नवंबर 2026 को फाइनल एग्रीमेंट के जरिए किया गया। हालांकि, इसे पूरा होने में अभी समय लगेगा। कंपनी के मुताबिक जरूरी नियामकीय मंजूरियां मिलने के बाद अगले 12 महीनों के अंदर यह डील पूरी होने की उम्मीद है। हिंडाल्को ने बताया कि खरीदार का संबंध हिंडाल्को के प्रमोटर ग्रुप या उसकी ग्रुप कंपनियों से नहीं है। इसलिए इस सौदे को संबंधित पक्षों के बीच होने वाला लेनदेन नहीं माना जाएगा।

चीन की इन दोनों कंपनियों का हिंडाल्को के कुल कारोबार में योगदान भी रहा है। वित्त वर्ष 2026 में इन कंपनियों ने करीब 376 मिलियन डॉलर यानी करीब 3,319 करोड़ रुपए की नेट सेल्स दर्ज की थी।

यह हिंडाल्को की कुल नेट सेल्स का करीब एक फीसदी था। वहीं, इन कंपनियों का योगदान हिंडाल्को की नेटवर्थ में भी रहा। वित्त वर्ष 2026 के आखिरी में इनकी नेटवर्थ करीब 259 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,420 करोड़ रुपए थी। यह हिंडाल्को की कुल नेटवर्थ का करीब 2 फीसदी हिस्सा था।

निवेशकों की पहली पसंद बने लार्ज एंड मिडकैप फंड्स

अक्टूबर में दोगुना हुआ इनफ्लो, इन 3 स्कीम्स ने दिया 11 फीसदी से अधिक का रिटर्न

मुंबई ।

म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच लार्ज एंड मिडकैप फंड्स की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। अक्टूबर 2026 में इक्विटी म्यूचुअल फंड की सभी कैटेगरी में इन्होंने सबसे ज्यादा निवेश आकर्षित किया, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार, इस कैटेगरी में अक्टूबर में 8,484.23 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड नेट इनफ्लो दर्ज किया गया, जो सितंबर के 4,271.22 करोड़ रुपये से लगभग दोगुना है।

यह दर्शाता है कि निवेशक इस कैटेगरी में अपना भरोसा बढ़ा रहे हैं। सिर्फ इनफ्लो ही नहीं, रिटर्न के मामले में भी इन फंड्स ने निवेशकों को निराश नहीं किया। एक साल के रिटर्न के लिहाज से टॉप 3 स्कीम्स ने 11 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया है। इनमें इनवेस्को इंडिया लार्ज एंड मिड कैप फंड, एचएसबीसी लार्ज एंड मिडकैप फंड और क्वांट लार्ज एंड मिड कैप फंड शामिल हैं। इन तीनों का कुल एयूएम 23,800 करोड़ रुपये से अधिक है।

थोक मुद्रास्फीति में बड़ा उछाल, अक्टूबर में 12.29 फीसदी पहुंची

ईंधन-बिजली, खाद्य पदार्थों और खनिजों की ऊंची कीमतों ने दिया जोर

नई दिल्ली ।

अक्टूबर में थोक मुद्रास्फीति एक बार फिर बढ़कर 12.29 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो सितंबर के 11.39 प्रतिशत से काफी अधिक है। ईंधन एवं बिजली, खाद्य पदार्थों, खनिजों और गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भारी उछाल इस वृद्धि के प्रमुख कारण रहे हैं, जिससे आम जनता और उद्योगों दोनों पर दबाव बढ़ रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, ईंधन एवं बिजली की महंगाई अक्टूबर में 32.84 प्रतिशत रही, जो सितंबर में 25.85 प्रतिशत थी। इसी तरह, खाद्य पदार्थों की महंगाई दर भी बढ़कर 8.26 प्रतिशत हो गई, जबकि पिछले महीने यह 8.14 प्रतिशत थी। खनिजों में कीमतों में वृद्धि की दर 12.64 प्रतिशत रही, जो सितंबर में 9.51 प्रतिशत थी।



कुल मिलाकर, प्राथमिक वस्तुओं की श्रेणी में थोक महंगाई अक्टूबर में बढ़कर 9.24 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो पिछले महीने 8.67 प्रतिशत थी। मंत्रालय ने बताया कि खनिज तेल, कच्चा पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, बिजली, बुनियादी धातुओं का विनिर्माण, रसायन एवं रासायनिक उत्पादों और खाद्य उत्पादों का विनिर्माण सहित विभिन्न वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी ने थोक महंगाई को बढ़ावा दिया है।

भारत-मिस्र का महत्वाकांक्षी लक्ष्य, 12 अरब डॉलर व्यापार का रोडमैप

संयुक्त कार्य समूह गठित करने का निर्णय, गैर-शुल्क बाधाएं हटाने और बाजार पहुंच बेहतर करने पर जोर

काहिरा ।

भारत और मिस्र ने द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 6.5 अरब डॉलर से बढ़ाकर 12 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है।

इसके लिए दोनों देशों ने गैर-शुल्क बाधाओं को कम करने, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सुगम बनाने और बाजार तक पहुंच बेहतर करने जैसे मुद्दों पर चर्चा की। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। यह विचार-विमर्श रविवार को हुई भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी) की बैठक में हुआ, जिसकी सह-अध्यक्षता वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और मिस्र के निवेश एवं विदेश व्यापार मंत्री मोहम्मद फरीद सालेह ने की। द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों ने एक तरजीही व्यापार समझौते या मुक्त व्यापार समझौते की संभावनाओं पर विचार करने हेतु एक संयुक्त कार्य समूह गठित करने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त, उत्पादों के पंजीकरण और व्यापार संबंधी नियामकीय प्रक्रियाओं सहित कारोबारी गतिविधियों को प्रभावित करने वाले मुद्दों के समाधान पर भी गहन विचार-विमर्श हुआ। दोनों पक्षों ने मौजूदा व्यापार संबंधों की समीक्षा करते हुए इसे 12 अरब डॉलर तक ले जाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, साथ ही व्यापार में विविधता लाने, मूल्यवर्धित निर्यात को बढ़ावा देने और व्यापार संबंधी चुनौतियों का समाधान करने पर जोर दिया।

प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में दवा एवं चिकित्सा उपकरण, इंजीनियरिंग, बिजली उपकरण, उर्वरक, कपड़ा, नवीकरणीय ऊर्जा और उभरती प्रौद्योगिकियां शामिल हैं।

दोनों देशों ने संयुक्त विनिर्माण और निवेश को प्रोत्साहित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया।

मिस्र के औद्योगिक क्षेत्रों में भारतीय निवेश और भारत के तेजी से बढ़ते विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों में मिस्र के निवेश के अवसरों पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। 'इन्वेस्ट इंडिया' और मिस्र के निवेश एवं मुक्त क्षेत्र प्राधिकरण के बीच एक रूपरेखा समझौते को मजबूत करने में भी रुचि दिखाई गई, जिसमें एक प्रस्तावित डिजिटल मंच भी शामिल है।

बंधन लाइफ इंश्योरेंस ने बंधन लाइफ आईगारंटी चाइल्डअश्योर लॉन्च किया

रांची : बंधन ग्रुप की लाइफ इंश्योरेंस शाखा, बंधन लाइफ इंश्योरेंस ने बंधन लाइफ आईगारंटी चाइल्डअश्योर लॉन्च किया है। यह एक बचत बीमा योजना है, जो माता-पिता को कोचिंग कक्षाओं और कॉलेज की फीस से लेकर करियर की शुरूआत तक, अपने बच्चे के सपनों और भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार होने में मदद करती है। यह योजना गारंटीकृत वार्षिक आय प्रदान करती है, जिसके बाद आय अवधि के अंत में एकमुश्त करियरस्टार्ट बेनिफिट मिलता है। इससे माता-पिता को अपने बच्चे की शिक्षा और करियर के लक्ष्यों के लिए बचत करने में मदद मिलती है। माता-पिता अपनी वित्तीय आवश्यकताओं के अनुसार 8, 10 या 12 वर्ष की प्रीमियम भुगतान अवधि चुन सकते हैं और बच्चे की पात्र आयु जन्म से 21 वर्ष तक हो सकती है। भविष्य के प्रीमियम की छूट और इंटरनेशनल सेकंड मेडिकल ओपिनियन सेवा जैसी कई सुविधाओं से युक्त यह योजना माता-पिता को अपने बच्चे के भविष्य की तैयारी अधिक आत्मविश्वास और मानसिक शांति के साथ करने में मदद करती है।

लॉन्च के अवसर पर बंधन लाइफ के एमडी एवं सीईओ, सतीश्वर बी. ने कहा, हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा पूरे आत्मविश्वास और आजादी के साथ अपने सपने पूरे करे। उस भविष्य की तैयारी में वर्षों की बचत लगती है। माता-पिता यह भरोसा भी चाहते हैं कि किसी अनहोनी के बाद भी उनकी मेहनत से की गई बचत बच्चे के काम आती रहे। बंधन लाइफ आईगारंटी चाइल्डअश्योर गारंटीड लाभों के साथ आर्थिक सुरक्षा देता है, ताकि परिवार अधिक भरोसे के साथ योजना बना सकें। यह माता-पिता को बच्चे के सपनों के लिए बचत करने और उन योजनाओं को सुरक्षित रखने में मदद करता है।

महानदी कोलफील्ड्स का आईपीओ 19 नवंबर को खुलेगा

मूल्य दायरा 129-136 रुपये प्रति शेयर तय

नई दिल्ली ।

कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) अपने 8,981 करोड़ रुपये के महत्वाकांक्षी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के साथ बाजार में उतरने की तैयारी में है। ओडिशा स्थित इस कंपनी ने अपने शेयरों के लिए 129-136 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। यह निर्गम 19 नवंबर को अभिदान के लिए खुलेगा और 23 नवंबर को बंद हो जाएगा, जिससे निवेशकों के लिए एक नया अवसर पैदा होगा। महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड का यह आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। इसके तहत प्रवर्तक कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड अपनी 66.18 करोड़ इक्विटी शेयर बेचकर पूंजी जुटाएगी। चूंकि यह एक ओएफएस है, इसलिए आईपीओ से मिलने वाली पूरी राशि एमसीएल के बजाय शेयर बेचने वाली कंपनी कोल इंडिया को प्राप्त होगी।

एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया 18 नवंबर को शुरू होगी। सफल निर्गम के बाद, कंपनी के शेयर 27 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होने की संभावना है। यह सूचीबद्धता कोल इंडिया के लिए विनिवेश प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो देश के घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान करती है।

जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी : राज्यपाल

बिभा संवाददाता

खूंटी। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रविवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर उनकी जन्मस्थली उलिहातु पहुंचकर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। इस दौरान उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के वंशजों से भी मुलाकात की।

राज्यपाल ने उलिहातु में इस अवसर पर आयोजित ह्यराजकीय बिरसा महोत्सव-2026ह्ल को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन साहस, संघर्ष और स्वाभिमान की प्रेरणादायी गाथा है। उन्होंने जनजातीय समाज को अपने अधिकारों, अस्मिता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए जागरूक एवं संगठित किया। उनका जीवन अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देता है।

राज्यपाल ने कहा कि झारखंड वीरों और बलिदानियों की भूमि है। भगवान बिरसा मुंडा के साथ सिद्धू-कान्हू, नीलांबर-पीतांबर, फूलो-झानो, चांद-भैरव और वीर बुधु भगत जैसे अनेक जननायकों ने देश और समाज के लिए अपना सर्वस्व समर्पित किया। उनका संघर्ष और बलिदान हमारी गौरवशाली विरासत का अभिन्न अंग है। इन जननायकों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए काम किया जाए।

उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास और राष्ट्र निर्माण में उसके योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान एवं पहचान दिलाने की महत्वपूर्ण पहल की है। इससे नई पीढ़ी को जनजातीय नायकों के संघर्ष, बलिदान और प्रेरणादायी विरासत से परिचित होने का बेहतर अवसर मिला है।


राज्यपाल संतोष गंगवार ने उलिहातु पहुंचकर भगवान बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

राज्यपाल ने झारखंड स्थापना दिवस पर राज्यवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वर्ष 2000 में लंबे संघर्ष और जनआकांक्षाओं के परिणामस्वरूप झारखंड अलग राज्य के रूप में अस्तित्व में आया। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने अलग राज्य के गठन का ऐतिहासिक निर्णय लिया था। राज्य स्थापना के 26 वर्ष पूरे होने पर अब तक की उपलब्धियों का मूल्यांकन करते हुए भविष्य की प्राथमिकताएं तय करनी चाहिए। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और अलग राज्य के गठन के पीछे निहित जनआकांक्षाएं पूरी हों।

उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार आवश्यक है। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और युवाओं को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिलने चाहिए। साथ ही, विकास की प्रक्रिया में जनजातीय समाज की भाषा, संस्कृति, परंपराओं और विशिष्ट पहचान का संरक्षण भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के आदर्श केवल स्मरण तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि वे लोगों के कार्यों और संकल्पों में भी दिखाई देने चाहिए। उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर झारखंड के विकास, जनजातीय समाज के उत्थान और राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए मिलकर काम करना होगा। सामूहिक प्रयासों से ही विकसित झारखंड का लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा और 'विकसित भारत-2047' के निर्माण में राज्य प्रभावी योगदान दे सकेगा।

राज्यपाल ने कहा कि आज छठ महापर्व का संध्या अर्घ्य भी है। उन्होंने सभी छठव्रतियों और श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व अब भारत की सीमाओं से आगे बढ़कर विश्व के अनेक देशों में भी श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है। सूर्योपासना का यह पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, स्वच्छता, अनुशासन और सामूहिक आस्था का संदेश देता है। उन्होंने भगवान भास्कर और छठी मैया से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

भगवान बिरसा मुंडा के साहस, राष्ट्रभक्ति और बलिदान की विरासत देश को सदैव प्रेरित करती रहेगी : अमित शाह

बिभा संवाददाता

रांची/नई दिल्ली : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर उन्हें नमन करते हुए समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने संदेश में भगवान बिरसा मुंडा को अद्वितीय साहस और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक बताते हुए कहा कि उन्होंने जनजातीय समाज में स्वाभिमान और चेतना जगाई तथा अपनी संस्कृति और मातृभूमि की रक्षा के लिए अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध उलगुलान आंदोलन के माध्यम से क्रांति का बिगुल फूंका।

श्री शाह ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जीवनगाथा आज भी राष्ट्रहित में संगठित रहने तथा त्याग और समर्पण की प्रेरणा देती है। उनका साहस, संघर्ष और राष्ट्रभक्ति सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे।

वहीं, झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री ने प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने झारखंड को प्राकृतिक वैभव, गौरवशाली इतिहास और समृद्ध जनजातीय संस्कृति की भूमि बताते हुए कहा कि इस प्रदेश ने भगवान बिरसा मुंडा और सिदो-कान्हू जैसे महान जननायकों की वीरता और बलिदान की गौरवशाली विरासत को संजोया है। उन्होंने कामना की कि जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और सामर्थ्य से समृद्ध झारखंड विकास, समृद्धि और आत्मनिर्भरता की नई ऊंचाइयों को छुए। इसके लिए उन्होंने बाबा वैद्यनाथ से प्रार्थना की।

केंद्रीय गृह मंत्री का यह संदेश झारखंड की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और जनजातीय विरासत के प्रति सम्मान के साथ-साथ राज्य के उज्ज्वल भविष्य की कामना को भी अभिव्यक्त करता है।

संक्षिप्त खबरें

छठ यात्रियों की सुविधा के लिए रांची और आनंद विहार टर्मिनल के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

रांची(बिभा): छठ महापर्व के दौरान ट्रेनों में होने वाली अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेल मंत्रालय ने यात्रियों की सुविधा के लिए रांची और आनंद विहार टर्मिनल के बीच एक-एक ट्रिप स्पेशल ट्रेन (08077/08078) चलाने का निर्णय लिया है। रांची से आनंद विहार टर्मिनल (08077): ट्रेन संख्या 08077 मंगलवार, 17 नवंबर 2026 को दोपहर 12:35 बजे रांची से रवाना होगी। यह ट्रेन लोहरदगा (13:58/14:00), टोरी (15:03/15:05), डालटनगंज (16:38/16:40), गढ़वा रोड (18:00/18:02), पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन (21:14/21:24), चुनार (22:15/22:17) और गोविंदपुरी कानपुर (05:13/05:15) होते हुए बुधवार दोपहर 15:00 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी। आनंद विहार टर्मिनल से रांची (08078): वापसी में ट्रेन संख्या 08078 बुधवार, 18 नवंबर 2026 को शाम 18:05 बजे आनंद विहार टर्मिनल से प्रस्थान करेगी। यह गोविंदपुरी कानपुर (02:00/02:02), चुनार (07:55/07:57), पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन (09:25/09:35), गढ़वा रोड (13:20/13:22), डालटनगंज (13:53/13:55), टोरी (15:50/15:52) और लोहरदगा (17:10/17:12) रुकते हुए गुरुवार शाम 19:30 बजे रांची पहुंचेगी। इस 17 कोच वाली स्पेशल ट्रेन में वातानुकूलित 3-टियर के 02 कोच, द्वितीय श्रेणी स्लीपर के 11 कोच, सामान्य श्रेणी के 02 कोच तथा एसएलआरडी के 02 कोच शामिल रहेंगे।

उपायुक्त कंचन सिंह ने भी रखा छठ व्रत, उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर पूरा किया अनुष्ठान



सिमडेगा(बिभा)। लोक आस्था और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार की सुबह उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा और भक्तिभाव से संपन्न हो गया। इस अवसर पर सिमडेगा की उपायुक्त कंचन सिंह ने भी व्यक्तिगत रूप से छठ व्रत रखा। उन्होंने पूरी नेम-निष्ठा और पारंपरिक विधि-विधान के साथ भगवान सूर्य की आराधना की तथा उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर अपना व्रत पूरा किया। महापर्व के अंतिम दिन जिले के विभिन्न छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। व्रतियों ने पूरी श्रद्धा और नेम-निष्ठा के साथ भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की खुशहाली, उत्तम स्वास्थ्य और सुखमय जीवन की कामना की। सुबह का अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास पूरा हुआ। इसके बाद उन्होंने प्रसाद ग्रहण कर पारण किया। सिमडेगा के विभिन्न छठ घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। जिन घरों में छठ व्रत रखा गया था, वहां के व्रती पूजा की पूरी तैयारी और पारंपरिक गीत-संगीत के साथ घाटों पर पहुंचे। व्रतियों की सहायता और पूजा की व्यवस्था में सहयोग के लिए बड़ी संख्या में परिजन और स्थानीय लोग भी मौजूद रहे। छठ घाटों की छटा बेहद मनमोहक और भक्तिमय रही। सूप और दउरा में सजे फल-पकवान तथा जलते दीपों के बीच श्रद्धालु भगवान भास्कर के उदय होने की प्रतीक्षा करते रहे। सूर्य की पहली किरण के साथ ही व्रतियों ने अर्घ्य अर्पित किया और छठी मैया के जयकारों से घाटों का वातावरण गूंज उठा।

झारखंड में 20 और 21 नवंबर को भारी बारिश का अलर्ट, चार जिलों में बरसेंगे बादल

रांची(बिभा)। झारखंड की राजधानी रांची समेत राज्य के विभिन्न जिलों में मंगलवार से मौसम में बदलाव होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार और बुधवार को राज्य के कई जिलों में आसमान में बादल छाए रहेंगे। वहीं, 20 और 21 नवंबर को कुछ जिलों में भारी बारिश हो सकती है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार, 20 नवंबर को राज्य के दक्षिणी हिस्से के चार जिलों पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां में भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, 21 नवंबर को मध्यवर्ती और पश्चिमी झारखंड के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश हो सकती है। इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में अधिकतम तापमान 32.4 डिग्री सेल्सियस चाईबासा में दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 13.1 डिग्री सेल्सियस खूंटी में रिकॉर्ड किया गया। सोमवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा। हालांकि, दोपहर बाद आसमान में आंशिक रूप से बादल छा गए। दोपहर में तेज धूप के कारण गर्मी महसूस की गई, जबकि सुबह कुहासा छाए रहने से ठंड का एहसास हुआ। सोमवार को रांची में अधिकतम तापमान 27.8 डिग्री और न्यूनतम 15.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

झारखंड के 26वें स्थापना दिवस पर रांची सहित राज्य के सभी जिलों में आयोजित हुआ रन फॉर क्लीनलीनेस

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य के 26वें स्थापना दिवस (15 नवंबर 2026) के अवसर पर स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने एवं आम नागरिकों को स्वच्छता अभियान से जोड़ने के उद्देश्य से रांची सहित राज्य के सभी 24 जिलों में ह्यरन फॉर क्लीनलीनेसह्ल का आयोजन किया गया।

इस आयोजन के माध्यम से स्वच्छता को जन-आंदोलन का स्वरूप देने, स्वच्छ परिवेश के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने और स्वच्छ एवं स्वस्थ झारखंड के निर्माण का संदेश दिया गया।

रांची में आयोजित इस दौड़ का शुभारंभ मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका से हुआ। दौड़ में शामिल प्रतिभागियों ने बापू वाटिका से अल्बर्ट एक्का चौक तक दौड़ लगाकर स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम का मंत्री राधा कृष्ण किशोर, मंत्री संजय प्रसाद यादव, मंत्री योगेंद्र प्रसाद, राज्यसभा सांसद महुआ माजी एवं रांची विधायक सीपी सिंह ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।



चडरी तालाब छठ घाट पर साफ सफाई कर दिया गया स्वच्छता का संदेश

दौड़ के आयोजन के साथ ही स्वच्छता के संदेश को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से चडरी तालाब छठ घाट में साफ-सफाई अभियान भी चलाया गया। इस दौरान मंत्रियों और राज्यसभा सांसद ने स्वयं स्वच्छता गतिविधियों में भाग लेकर श्रमदान किया एवं आम नागरिकों को जलस्रोतों, तालाबों तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया। कहा कि तालाब और अन्य जलस्रोत हमारी प्राकृतिक धरोहर हैं। इनका संरक्षण एवं स्वच्छता बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। सार्वजनिक स्थलों पर कचरा नहीं फैलाने, जलस्रोतों को प्रदूषण से बचाने और अपने आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रत्येक नागरिक को आगे आना चाहिए।

स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाने का संकल्प

राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित ह्यरन फॉर क्लीनलीनेसह्ल के माध्यम से सभी 24 जिलों में एक साथ स्वच्छता का संदेश प्रसारित किया गया। इस आयोजन ने जनभागीदारी, सामाजिक जिम्मेदारी और सामूहिक प्रयासों के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति नागरिकों में जागरूकता विकसित करना, युवाओं को सकारात्मक सामाजिक गतिविधियों से जोड़ना एवं स्वच्छता को जन-आंदोलन का स्वरूप देना है।

पुरुष और महिला वर्ग के विजेताओं को किया गया सम्मानित

रन फॉर क्लीनलीनेस में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। दौड़ के समापन के पश्चात पुरुष और महिला वर्ग के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पुरुष वर्ग में कुंदन महतो ने प्रथम, विवेकानंद ने द्वितीय और विमल उरांव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं महिला वर्ग में पूजा सिंह ने प्रथम, ममता कुमारी ने द्वितीय एवं सावित्री कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

झारखंड गठन के 26 वर्ष बाद भी राज्य निर्माण का मूल सपना अधूरा : देवेंद्र नाथ महतो

बिभा सवांददाता



रांची। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि झारखंड गठन के 26 वर्ष बाद भी राज्य निर्माण का मूल सपना अधूरा है। अब अगले 25 वर्षों के विकास की स्पष्ट रूपरेखा तैयार करने की जरूरत है।

देवेंद्र नाथ महतो ने रविवार को भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती एवं झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर कोकर स्थित बिरसा समाधि स्थल पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उसके बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि झारखंड का गठन केवल सत्ता और प्रशासनिक व्यवस्था के लिए नहीं हुआ था, बल्कि जल-जंगल-जमीन की रक्षा, आदिवासी-मूलवासी अस्मिता, युवाओं को रोजगार, किसानों की खुशहाली, मजदूरों के सम्मान और विस्थापितों को न्याय दिलाने के उद्देश्य से हुआ था। लेकिन 26 वर्ष बाद भी स्थानीय एवं नियोजन नीति का सवाल अधूरा है। युवा पेपर लीक और नियुक्तियों में देरी से परेशान हैं, जबकि किसान सिंचाई, बिजली और बाजार से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय एवं जनजातीय भाषाओं के संरक्षण, आंदोलनकारियों के सम्मान, पेंशन और नियोजन से जुड़े मुद्दों पर भी ठोस पहल की जरूरत है।

सरकार की ओर से स्थापना दिवस नहीं मनाए जाने पर उन्होंने कहा कि यह किसी सरकार या राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि शहीदों, आंदोलनकारियों और जनता के संघर्ष का उत्सव है। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, कृषि और उद्योग को केंद्र में रखकर अगले 25 वर्षों के लिए विकास का रोडमैप तैयार करने की मांग की। इस अवसर पर कई लोग मौजूद थे।

डोरंडा के कृत्रिम तालाब पर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ महापर्व संपन्न



रांची। रांची महानगर छठ पूजा समिति के तत्वावधान में डोरंडा स्थित कृत्रिम तालाब पर सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का विधिवत समापन हुआ। सुबह की पहली किरण के साथ ही तालाब परिसर में व्रतियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। छठी मइया के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने कहा कि छठ महापर्व केवल सूर्य उपासना का पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण, स्वच्छता, अनुशासन और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उषा अर्घ्य जीवन में नई शुरूआत और अंधकार के बाद प्रकाश का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि डोरंडा का कृत्रिम तालाब उन व्रतियों के लिए बेहतर विकल्प है, जिन्हें नदी या प्राकृतिक तालाब तक पहुंचने में कठिनाई होती है। आलोक दूबे ने पर्व-त्योहारों के दौरान राज्य में सौहार्दपूर्ण माहौल और बेहतर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि झारखंड ने धार्मिक सद्भाव और गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश की है। समिति के संरक्षक कपिलदेव सिंह ने छठ को सांस्कृतिक जीवन की आत्मा बताया। वहीं, छप्पन सेट छठ पूजा समिति के अध्यक्ष गोपी दूबे ने कहा कि श्रद्धालुओं की सक्रिय भागीदारी और अनुशासित व्यवस्था आयोजन की सफलता का आधार रही। एचईसी सेक्टर-1 मार्केट, धुर्वा स्थित कृत्रिम तालाब के अध्यक्ष संजीत यादव ने भी प्रकृति के प्रति समर्पण और सामाजिक एकजुटता का संदेश दिया। मौके पर समिति के पदाधिकारी, सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

नाबालिग यौन उत्पीडन मामले पर सरकार कराए निष्पक्ष जांच : झामुमो

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा से जुड़े नाबालिग के कथित यौन शोषण मामले में निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की है। उन्होंने सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि मामला बेहद गंभीर है। सरकार सुनिश्चित करे कि जांच में किसी भी व्यक्ति को राजनीतिक पद, प्रभाव या पार्टी के आधार पर संरक्षण नहीं मिलनी चाहिए। दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश की ओर से राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन पर लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए पांडेय ने कहा कि नाबालिग बच्ची को न्याय दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। जांच एजेंसियां तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर मामले की तह तक पहुंचेंगी।

वहीं न्यूज चैनल के कार्यालय में पुलिस कार्रवाई पर उठे सवालों को लेकर उन्होंने कहा कि यदि प्रक्रिया में कोई अनियमितता हुई है तो उसकी भी जांच होनी चाहिए। पुलिस को कानून के दायरे में रहकर काम करना चाहिए। मीडिया की स्वतंत्रता और कानून के पालन, दोनों का सम्मान जरूरी है।

पांडेय ने कहा कि यदि इस प्रकरण में कोई साजिश रची गई है या राजनीतिक लाभ के लिए तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है तो उसके पीछे शामिल चेहरों को भी बेनकाब किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मामले को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित करने के बजाय निष्पक्ष जांच और कानूनसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए। दोषी चाहे कोई भी हो, उसे सजा मिलनी चाहिए।

भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर भाजपा का राष्ट्रीय जनजातीय गौरव पदयात्रा संपन्न

बिभा संवाददाता



रांची। भगवान बिरसा मुंडा की 151 वीं जयंती और जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा की ओर से आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय जनजातीय गौरव पदयात्रा का रविवार को रांची के कोकर स्थित बिरसा मुंडा समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ समापन हुआ।

पदयात्रा खूंटी जिले के उलिहातू स्थित धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली से शुरू होकर लगभग 73 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए रांची के कोकर स्थित उनके समाधि स्थल तक पहुंची।

पदयात्रा के शुभारंभ से पूर्व बिरसा मुंडा संग्रहालय में धरती आबा के स्मृति स्थल पर पूजा-अर्चना की गई और बिरसा रथ में स्थापित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इसके बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने संयुक्त रूप से झंडी दिखाकर पदयात्रा को रवाना किया। तीन दिनों तक चली इस पदयात्रा में हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, पार्टी पदाधिकारी और जनजातीय समाज के लोग शामिल हुए।

पदयात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर पारंपरिक झूमर नृत्य करते हुए जनजातीय संस्कृति, परंपरा और गौरव का उत्सव मनाया। कोकर स्थित बिरसा समाधि स्थल पहुंचने पर सभी वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने धरती आबा की समाधि पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष, साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने जल, जंगल, जमीन और जनजातीय समाज की अस्मिता की रक्षा के लिए अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध ऐतिहासिक उलगुलान किया। 73 किलोमीटर की यह पदयात्रा केवल दूरी तय करने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि धरती आबा के विचारों, आदर्शों और बलिदान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प है। भाजपा जनजातीय समाज के सम्मान, अधिकार और विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अपने अदम्य साहस और संघर्ष से पूरे देश को अन्याय और शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने की प्रेरणा दी। उनका बलिदान झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश की अमूल्य धरोहर है। जनजातीय गौरव पदयात्रा के माध्यम से भाजपा ने जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और परंपराओं को सम्मान देने का संदेश दिया है। धरती आबा के सपनों का झारखंड बनाने के लिए हम सभी को संकल्पित होना होगा।

वहीं केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष और बलिदान देश के इतिहास में हमेशा अमर रहेगा। उन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता और जनजातीय समाज के अधिकारों के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जनजातीय समाज के सम्मान, स्वाभिमान और सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। धरती आबा के आदर्श हमें राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा देते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा झारखंड की पहचान, अस्मिता और स्वाभिमान के प्रतीक हैं। उन्होंने कम उम्र में ही जिस साहस और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया, वह आज भी हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। उनकी जन्मस्थली उलिहातू से समाधि स्थल तक निकली यह पदयात्रा जनजातीय समाज की एकता, गौरव और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन कुमार साय, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, प्रदेश उपाध्यक्ष गीता कोड़ा, प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा, अमर कुमार बाउरी, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव, विधायक सी.पी. सिंह, पूर्व सांसद सुदर्शन भगत, पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर, शिवशंकर उरांव, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सन्नी टोप्पो, कार्यालय मंत्री हेमंत दास, प्रदेश मंत्री सुनीता सिंह, प्रदेश प्रवक्ता आरती कुजूर, अशोक बड़ाईक, पिंकी खोया, रवि मुंडा, रोशनी खलखो, वरुण साहू, अर्जुन मुंडा सहित बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा डी बी कॉर्प लिमिटेड ,प्लॉट नंबर- 535 व 1272, नियर फारेस्ट ऑफिस, ललगुटवा, रांची - 835303, झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com